{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 28 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 213
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	77,303.63
निफ्टी	24,092.70
सोना	1,53,710
चांदी	2,60,000
डॉलर	94.11

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एंटनी राजू को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल के पूर्व मंत्री एंटनी राजू को बड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने 1990 के चर्चित अंडरवियर सबूत छेड़छाड़ मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए राहत देने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि प्रभावी बनी रहेगी। इस फैसले के चलते एंटनी राजू की केरल विधानसभा सदस्यता पहले से ही समाप्त हो चुकी है। जनाधिपत्य केरल कांग्रेस के एकमात्र विधायक रहे राजू को अब कानूनी अयोग्यता का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में उच्चायुक्त नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। वे जल्द ही ढाका में पदभार संभालेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इसकी घोषणा की। त्रिवेदी वर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा की जगह लेंगे। वर्मा को बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत बनाया गया है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद द्विपक्षीय संबंधों में तनाव बढ़ गया था। फरवरी 2026 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद रिश्तों में सुधार की प्रक्रिया शुरू हुई। भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने उनके शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था। हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने भारत दौरे पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने व्यापार, ऊर्जा और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर चर्चा की थी।

सरवाड़ टोल फायरिंग मामले में डकैत धनसिंह को 3 साल की सजा

अजमेर। अजमेर की एससी-एसटी कोर्ट ने सरवाड़ टोल फायरिंग मामले में आरोपी धन सिंह को आर्म्स एक्ट के तहत 3 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला 25 मार्च 2016 का है, जब सरवाड़ टोल पर कार सवार आरोपियों ने फायरिंग की थी और कर्मचारियों के साथ मारपीट कर उन्हें अपमानित किया था। इस घटना के बाद टोलकर्मी अंकुर ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

कुछ ना कहना

मप्र विधानसभा में महिला आरक्षण पर सियासी तकरार

भाजपा ने रखा नारी शक्ति वंदन संकल्प

कांग्रेस ने तत्काल 33 प्रतिशत आरक्षण की उठाई मांग

भोपाल। मप्र विधानसभा में सोमवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विशेष सत्र आयोजित किया गया। सुबह सबसे पहले दोनों दलों ने अपनी-अपनी विधायक दल की बैठक में रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में नारी शक्ति वंदन संकल्प प्रस्तुत किया। संकल्प में देश की संसद और सभी विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने और परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई। वहीं इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हमारा अशासकीय संकल्प पत्र पहले दिया गया। नियम के अनुसार, उस पर चर्चा कराना चाहिए। हमारी मांग है कि 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए हुए संघर्षों को हमेशा याद रखता है। उन्होंने राजा राममोहन राय द्वारा सती प्रथा के विरोध, ज्योतिराव फुले के महिला समानता के प्रयासों और स्वामी विवेकानंद से लेकर वर्तमान समय तक चली आ रही समाज सुधार की परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास कर इस विषय को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सदन को इस महत्वपूर्ण मुद्दे से भटकने के बजाय मूल विषय पर केंद्रित रहकर चर्चा करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के शासकीय संकल्प पर चर्चा के दौरान नारी शक्ति वंदन का मुद्दा गरमाया रहा। महिला आरक्षण को लेकर पक्ष विपक्ष में तीखी बहस और नोकझोंक हुई है। मामले को लेकर पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता है महिलाओं को मिलने वाले लाभ रोके जाएं। विधानसभा में महिलाएं बोल रही हैं तो उन्हें बोलने न देना। बहनों के बारे में जब बात हो तो राजनीति नहीं होना चाहिए। भारत के स्पेस स्पेक्ट्रम में 25 प्रतिशत महिलाएं हैं तो सांसद, विधानसभा में क्यों न हों। भाजपा विधायक यहां तक कह गईं कि बिल पास हो गया तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। आपकी चुनरी में दाग लग गया है, अब मिटाए नहीं मिटेगा। तंदूर में महिलाओं को जलाने का इतिहास किसका है। टंच माल शब्द किसका है, आइटम शब्द किसने बोला।

बंगाल की शेरनी को हरा नहीं पाए

पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह बोले कि भगवान राम ने नारी के सम्मान के लिए रावण का वध किया। नरेंद्र मोदी महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वालों को तबाह करेंगे। कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह कि मप्र में संकल्प लाया गया है, बहुत देर कर दी हुजूर आते आते, बंगाल की शेरनी से जीत नहीं पा रहे थे, उनके लिए महिला बिल लाया गया।

कानून की शक्ति नहीं देना चाहते

भाजपा वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने सदन में कहा- नारियों को उनके हक से वंचित किया जा रहा है। महिलाओं को दुदर्शा से उभरने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और हमारी सरकार संसद में कानून लाई। पुरूष प्रधानता की सोच खत्म करने का काम हम कर रहे है। महिलाएं सरकार की बागडोर संभालेगी। भारत हमारा नारी प्रधान देश है। हम शक्ति के रूप में उपासना करते है। पूजा तो हम करते है पर हम इन्हें कानून की शक्ति नहीं देना चाहते है। लकड़ी सर पर लिए घर आकर खाना बनाती थी। श्रमिक महिलाओं की दुर्दशा हमने देखी है।

केवल एक राज्य में महिला मुख्यमंत्री

कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने सदन में कहा कि इस पक्ष की महिला विधायक हो, उस पक्ष की महिला विधायक हो इस अधिनियम पर सबको एक साथ आना चाहिए। देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा और उनके गठबंधन की सरकार है पर भाजपा बताएं कि केवल एक राज्य दिल्ली में ही महिला मुख्यमंत्री क्यों है। क्या यही भाजपा का नारी शक्ति वंदन है, छह महीने पहले पीएम मुझसे छीन लिया गया। इसके लिए हमने सभी अधिकारियों से चर्चा की लेकिन अभी तक मुझे ■ अभी तक नहीं मिला है। जब महिलाएं शराब दुकानें हटवाने के लिए सडकों पर उतरना पड़े और सरकार उनकी न सुने यही भाजपा का नारी शक्ति वंदन है।

महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने कांग्रेस तैयार

कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि हम सियाराम बोलने वाले लोग हैं। हम कृष्ण से राधा को अलग करने वाले लोग नहीं है। हमारा संविधान दुनिया का सबसे खूबसूरत संविधान है। बाबा साहब के अथक प्रयास से संविधान बना है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संविधान है। राई जैसा सच गले में अटक गया, मंशा सही नहीं थी इसलिए 2023 का संशोधन पास कर देते है। आरक्षण का आधार जनगणना है। राजनीतिक रूप से परिसीमन अपने हिसाब से करना है। केंद्र को जातिगत समीकरण से कोई लेना देना नहीं है। हम महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने को तैयार है। हम सब कुछ करें पर भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं करे।

नहीं चाहते कि नारी नीति निर्माण में भूमिका निभाएं

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में नारी शक्ति वंदन अधिनियम आधी आबादी को सशक्त करने की महत्वपूर्ण पहल हैं। पीएम मोदी ने इसकी आधारशिला रखी हैं। इससे अब नारी की राजनीति में 33 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ये बिल केंद्र सरकार लोकसभी में लेकर आई लेकिन कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने इस बिल को पास नहीं होने नहीं दिया। ये नहीं चाहते कि नारी नीति निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

बरैया के बयान पर हंगामा

मध्यप्रदेश विधानसभा में शासकीय संकल्प पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक फूलसिंह बरैया के 'देवदासी' शब्द पर सदन पर जमकर हंगामा हुआ। विधायक बरैया नारी शक्ति वंदन और महिला आरक्षण विषय पर देवदासी शब्द बोल दिया। फिर क्या था सत्तापक्ष ने विरोध जताया। मामले को लेकर सदन गरमाया रहा। दरअसल बरैया ने कहा कि संकल्प में स्पष्ट नजर नहीं आ रहा है कि सरकार इस संकल्प को क्यों लाई है। परिसीमन की प्रक्रिया को पूर्ण करके यह आरक्षण लाएंगे। आपकी मंशा महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण की नहीं है। कहा- जीवन के दो पहिये में एक पहिये पुरुष होता है दूसरा महिला, तो एक पहिया पिछड़ क्यों गया है। कई देशों में महिलाओं पर अत्याचार हुए फिर माफी मांग कर उनको बराबर लाये है। कांग्रेस तो अभी दो सौ साल की है पर महिलाओं पर अत्याचार दो हजार साल से हो रहा है। बीजेपी की मानसिकता है कि महिलाएं आगे नहीं बढ़ रही है। बरैया ने कहा कि कौन लोग है जिन्होंने महिलाओं को देवदासी बनाया। देवदासी शब्द पर सदन में हंगामा हो गया। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा यहां सार्थक विषय चल रहा है। फूलसिंह बरैया के अंदर का भाव क्या है स्पष्ट कर दे। बरैया कभी देवदासी बोल रहे है कभी अन्य शब्दों का प्रयोग कर रहे है। बरैया ने कहा- स्त्री और शूद्रों को शिक्षा नहीं देना चाहिए, यही हमारे पूर्वजों ने सिखाया, बताया है।

महिला आयोग की अध्यक्ष की कुर्सी खाली

कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने नारी शक्ति वंदन बिल के शासकीय संकल्प पर चर्चा के दौरान कहा कि महिला आरक्षण के हम हमेशा समर्थन में रहे। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनी। पंचायती राज में 33 फीसदी महिला आरक्षण को हमने ही दिया। बीजेपी ने उस समय भी उसका विरोध किया। महिला आयोग की अध्यक्ष की कुर्सी खाली होने पर भी कटारे ने उठाये सवाल। बोले तीस हजार शिकायत पैंडिंग है सरकार जवाब दे। ये सरकार की महिला हितैषी नीति हैं।

हर शासकीय नौकरी में 50 फीसदी आरक्षण

ये महिलाओं की आड़ में नारी शक्ति वंदन बिल सिर्फ परिसीमन के लिए ला रहे थे। अगर इन्हे महिलाओं की चिंता हैं तो मौजूदा स्थिति में ही इस बिल को पारित कर लागू की जाएं। एक तिहाई महिला आरक्षण जल्द से जल्द लागू हो। हर शासकीय नौकरी में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने की घोषणा सरकार करें।

विपक्ष की मानसिकता तालिबानी

बीजेपी विधायक उषा ठाकुर ने कहा- विपक्ष की जिहादी मानसिकता, तालिबानी मानसिकता का है विपक्ष। निजी स्वार्थों के लिए कई संशोधन किए। आपने सिर्फ अपना हित देखा। अपने गिरेबान में झाकें, प्रायश्चित कीजिए, अभी भी समय है।

विपक्ष ने इस बिल को तमाशा बना दिया

मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा- आज भारत को विकसित बनाने के लिए आगे बढ़ रहे है। 2023 में इस बिल को मंजूरी मिली। 2023 में लोकसभा राज्यसभा में 33 फीसदी आरक्षण पास हुआ था। विपक्ष ने इस बिल को तमाशा बना दिया है। 2026 में इस बिल को परिसीमन की तरफ आगे बढना था तब विपक्ष ने समर्थन नहीं दिया। विपक्ष को हम आरक्षण से अधिकार मानते है तो बुरा लगता है। प्रधानमंत्री महिला को अधिकार देने की यह मंशा बनाई है तो हम जरूर कामयाब होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी महिलाओं की भागीदारी हर जगह सुनिश्चित कर रहे है।

जस्टिस स्वर्णकांता के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल

चिट्ठी लिखकर कहा- न्याय मिलने की उम्मीद टूट गई

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की उस अर्जी को खारिज कर दिया था, जिसमें शराब नीति केस की सुनवाई से हटने की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से मांग की गई थी। वहीं अब केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अब वह खुद उनके सामने पेश नहीं होंगे और न ही किसी वकील के जरिए अपनी पैरवी करवाएंगे।

इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल लेटर में यह भी कहा कि जस्टिस स्वर्ण कांता से इंसाफ मिलने की उनकी उम्मीद टूट गई

है। ऐसे में उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर ये निर्णय लिया है।

सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार सुरक्षित

आप नेता ने महात्मा गांधी के सत्याग्रह का हवाला देते हुए संकेत दिया कि वह इस मामले में कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक और वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया है कि जस्टिस स्वर्णकांता के किसी भी फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखेंगे।

टीएमसी सांसद मिताली पर जानलेवा हमला

कार पर ईंट-पत्थर बरसाए और लाठियों से किया हमला, मिताली और ड्राइवर घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग पर प्राणघातक हमला किए जाने की घटना सामने आई है। गोगहाट क्षेत्र में उनकी कार पर ईंट-पत्थरों और लाठियों से हमला किया गया, जिसमें वह और उनका ड्राइवर घायल हो गए। मिताली को इलाज के लिए बाग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच टीएमसी ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह की धमकी देने के बाद ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला बोला है।

जानकारी के अनुसार, मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग जा रही थीं, जहां उन्हें अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होना था। इसी दौरान रास्ते में उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। हमले में कार के शीशे टूट गए और सांसद मिताली के साथ ही उनका ड्राईवर भी बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें हमलावर मिताली की कार को घेरकर हमला करते हुए देखा जा सकता है।

घायल सांसद और उनके ड्राइवर को तुरंत आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद मिताली बाग कैमरे के सामने भावुक हो गईं और उन्होंने कहा कि उन पर बड़े-बड़े पत्थरों से हमला किया गया और वह किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकल पाईं।

इस घटना के बाद तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि यह हमला भाजपा समर्थकों द्वारा किया गया है। टीएमसी ने यह भी दावा किया कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं।

घटना के बाद अभिषेक बनर्जी अस्पताल पहुंचकर मिताली बाग से मिले। इस हमले ने चुनावी माहौल के बीच राज्य की राजनीति को और गर्म कर दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

राज्यसभा के सभापति से मिल गई मंजूरी

भाजपा के हुए राघव चड्ढा समेत 7 बागी सांसद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका मिला है। राज्यसभा में राघव चड्ढा, संदीप पाठक समेत आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों को भाजपा में शामिल होने के प्रस्ताव को राज्यसभा चेयरमैन ने मंजूरी दे दी है। राज्यसभा ने नोटिफिकेशन जारी किया है जिसमें भाजपा सांसदों की लिस्ट में इन 7 नेताओं का नाम शामिल है।

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के भाजपा में शामिल होने के बाद राज्यसभा में भाजपा के सांसदो की संख्या 113 हो गई है। जिनमें 5 राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत सदस्य है। भाजपा में जो आप सांसद शामिल हुए हैं, उनके नाम अशोक कुमार मित्तल, राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता हैं।

राहुल गांधी का केजरीवाल पर हमला, वैंगनर से आए और करोड़ो के 'शीशमहल' में चले गए

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में शीशमहल का जिक्र कर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की घेराबंदी की है। राहुल गांधी ने कोलकाता में रैली को संबोधित केजरीवाल पर निशाना साधकर कहा कि केजरीवाल ने अलग राजनीति का वादा किया था। लेकिन केजरीवाल अपनी छोटी सी वैगनर गाड़ी से आए और करोड़ो रुपए के 'शीशमहल' में चले गए।

राहुल गांधी ने रैली को संबोधित कर कहा, उन्होंने एक नई तरह की राजनीति की बात की थी। मैं राजनीति दूसरी तरह से करूंगा। वे खंभे पर चढ़ गए थे। लाल रंग का स्वेटर पहना थाज। याद है आपको? छोटी सी गाड़ी से आए थे, वैगनर से। राहुल गांधी ने कहा, केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा कि वैगन आर में आए और सीधा शीशमहल की पार्किंग लॉट में चले गए। करोड़ो रुपए का घर, भ्रष्टाचार, पॉल्यूशन। जो कांग्रेस की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित जी ने इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया था, सड़कें बनाई थीं, पुल बनाए थे, उन सब को इन्होंने खत्म किया।

गौरतलब है कि विपक्षी पार्टियां दिल्ली के मुख्यमंत्री रहने के दौरान केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे 6, फ्लैगस्टाफ बंगले को शीशमहल कहती रही है। केजरीवाल पर बंगले को बनवाने में करोड़ों रुपए खर्च करने के आरोप लगे हैं। वहीं हाल ही में दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार में लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने केजरीवाल पर नया शीशमहल बनाने का आरोप भी लगाया था।

बंगाल में मतदान से पहले 79 देसी बम बरामद होने से मचा हड़कंप, एनआईए करेगी जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें 79 देसी बम बरामद हुए हैं। 29 अप्रैल को होने वाली दूसरे चरण की मतदान से पहले इतनी संख्या में बम मिलने से हड़कंप मच गया है। इस गंभीर मामले की जांच अब एनआईए करेगी। अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी ने रविवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर की गई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला मूल रूप से शनिवार को कोलकाता के भांगड़ क्षेत्र के उत्तर काशी पुलिस थाने में दर्ज किया गया। पुलिस की कार्रवाई में एक स्थान पर बड़ी संख्या में देसी बम और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। इन विस्फोटकों को छिपाकर रखा गया था, जो मानव जीवन और संपत्ति के लिए बड़ा खतरा बन सकते थे। घटना के सामने आने के बाद चुनाव आयोग ने भी सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राज्य पुलिस को अवैध बम निर्माण और भंडारण में शामिल लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया।

मध्य प्रदेश में जलीय जंगली भैंसों का पुनर्स्थापन

कान्हा के सूपखार रेंज में लौटेगा जंगली भैंसा, 28 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे पुनर्स्थापना की शुरुआत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट एवं मण्डला जिले के अंतर्गत आने वाले कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार रेंज में करीब 45 वर्षों से विलुप्त जंगली भैंसा (एशियाई वाइल्ड बफैलो) एक बार फिर लौटने जा रहा है। इस ऐतिहासिक पहल की शुरुआत 28 अप्रैल को होगी, जब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव स्वयं सूपखार पहुंचकर असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लाए गए 4 जंगली भैंसों को जंगल में छोड़ेंगे। इनमें 03 मादा एवं 01 नर जंगली भैसा है। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, अन्य गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी उपस्थित रहेंगें।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रेरणादायक नेतृत्व में और आसाम के मुख्यमंत्री श्री हेमंत विस्वा शरमा के सहयोग से मध्य प्रदेश वन विभाग की ओर से संरक्षण की दिशा में एक और ऐतिहासिक पहल की गई है, जिसमे प्रदेश में एक लुप्तप्राय प्रजाति (जंगली जल भैंसा) को उसके ऐतिहासिक क्षेत्र में पुनर्स्थापित करने की ऐतिहासिक संयुक्त पहल असम वन विभाग और मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा की गई है जिसमे आसाम के काजीरंगा बाघ अभ्यारण्य से कान्हा बाघ अभ्यारण्य में 50 एशियाई जंगली जल भैंस (बुबालस आर्नी) को पुनर्स्थापित किया जायेगा।

इस संयुक्त पहल का उद्देश्य इस विशाल शाकाहारी जंगली प्रजाति को मध्य भारत में उनके ऐतिहासिक निवास क्षेत्र में पुन: स्थापित करना है, जहाँ वे एक सदी से अधिक समय से स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुके हैं और उनके प्राकृतिक चरने के व्यवहार का लाभ उठाकर कान्हा घास के मैदानों में लंबी घास की प्रजातियों का प्रबंधन करना और जैव विविधता को बढ़ाना है।

काजीरंगा से संस्थापक आबादी (founder population) के तौर पर कुल 50 जानवरों को स्थानांतरित किया जाना है, और 8 जानवर मॉनसून से पहले वहाँ पहुँचने वाले हैं।

अंतर-रायीय सहयोग के इस महतवपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, काजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को पकड़ा गया। तत्पश्चात क्वारंटाइन प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए, पकड़े गए जंगली जल भैंसों को 1 हेक्टेयर के विशेष बोमा (बाड़े) में रखा गया। इस क्वारंटाइन पीरियड के दौरान भैंसों के स्वास्थ्य की निगरानी परिक्षण किया गया साथ ही परिवहन वाहनों में स्थानांतरण के दौरान भैंसों के संभावित तनाव को कम करने का प्रयास किया गया।

क्वारंटाइन प्रोटोकॉल पूर्ण होने के पश्चात जंगली भैंसों का स्थानांतरण 25 अप्रैल 2026 को 4 जंगली भैंसों ने काजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलो मीटर की यात्रा शुरू की है। इनका स्थानातरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देखरेख में किया जा रहा है, जो दिनांक 28 अप्रैल 2026 को कान्हा टाइगर रिर्व में पहुचेंगे। जिन्हें दिनांक 28 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री, डॉ मोहन यादव द्वारा सूपखार, कान्हा टाइगर रिर्व में स्थित बो में सॉफ्ट रिली किया जाएगा। यह स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी यह प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगा और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उल्लेखनीय है कि कान्हा के सूपखार क्षेत्र में जंगली भैंसों को आखिरी बार वर्ष 1979 के आसपास देखा गया था, जिसके बाद यह प्रजाति यहां से पूरी तरह विलुप्त हो गई। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, बीमारियों, शिकार, आवास में कमी और मानव दबाव जैसे कारणों से इनकी संख्या लगातार घटती गई और अंततः इनका अस्तित्व समाप्त हो गया। अब वन विभाग द्वारा जंगली भैंसा पुनर्स्थापना परियोजना के तहत इस प्रजाति को फिर से बसाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए काजीरंगा से चयनित भैंसों को लाकर सूपखार रेंज में अनुकूल वातावरण में छोड़ा जा रहा है। यह पहल न केवल जैव विविधता संरक्षण के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि कान्हा के पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने की दिशा में भी एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कान्हा की घासभूमि, जल स्रोत और सुरक्षित वन क्षेत्र जंगली भैंसों के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। ऐसे में यदि यह परियोजना सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में यहां जंगली भैंसों की स्थायी आबादी विकसित हो सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस दौरे को वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे प्रदेश में विलुप्त हो चुकी प्रजातियों को पुनर्जीवित करने की संभावनाओं को नई गति मिलेगी।

मोहबट्टा में रात्रिकालीन चौपाल लगाकर कलेक्टर श्री मीना ने सुनी ग्रामीणों की समस्या और दिए समाधान के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर विकासखंड अंतर्गत ग्राम मोहबट्टा में 27 अप्रैल को कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने रात्रिकालीन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। चौपाल में अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन,

बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता, परसवाड़ा एसडीएम श्री श्रीश प्यासी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रात्रिकालीन चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और मांगों को खुलकर अधिकारियों के सामने रखा। इस दौरान कई आवेदन भी प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर श्री मीना ने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर संभव है, उनका शीघ्र निराकरण किया जाएगा, जबकि अन्य मामलों को शासन स्तर पर भेजकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

योजनाओं की दी जानकारी, जागरूकता पर दिया जोर

चौपाल के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। आंगनबाड़ी सेवाओं के माध्यम से बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी गई।

सोलर योजनाओं को अपनाने की अपील

ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि शासन द्वारा इस योजना में अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा खेतों की सिंचाई के लिए सोलर पंप लगाने पर भी अनुदान की सुविधा की जानकारी दी गई।

सामाजिक सुरक्षा और जल संरक्षण का संदेश

चौपाल में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में जानकारी देते हुए ग्रामीणों को भविष्य सुरक्षित करने के लिए इन योजनाओं से जुड़ने की अपील की गई। साथ ही जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ी के लिए संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान युवाओं को स्वरोजगार के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण लेने कहा गया।

शिक्षा और जनगणना पर भी दिया जोर

कलेक्टर श्री मीना ने ग्रामीणों से कहा कि गांव के 6 वर्ष से अधिक आयु के सभी बच्चों का नाम स्कूल में दर्ज कराया जाए, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। साथ ही आगामी जनगणना-2027 के तहत 30 अप्रैल तक एंड्रॉयड मोबाइल के माध्यम से स्व-गणना करने की भी सलाह दी गई। रात्रिकालीन चौपाल के माध्यम से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल देखने को मिली।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

किसान की ईमानदारी से बची तीन भैंसें

गौ तस्करों के हाथ लगने से पहले मालिक को सौंपी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के मंगोली खुर्द गांव से लापता हुई तीन भैंसों को खुरसोडी निवासी दीपक नगपुरे की ईमानदारी के चलते उनके असली मालिक को सुरक्षित वापस कर दिया गया। यदि दीपक समय पर आगे नहीं आते तो भैंसें गौ तस्करों के हत्थे चढ़कर महाराष्ट्र के कत्लखानों में पहुंच सकती थीं।

क्या है पूरा मामला

मंगोली खुर्द निवासी किसान भोज लाल बिसेन खेती के साथ भैंस पालन करते हैं। 25 अप्रैल की रात उनकी तीन भैंसें अचानक घर से गायब हो गईं। काफी तलाश के बाद भी पता नहीं चला तो उन्होंने हट्टा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस भी भैंसों की तलाश में जुटी थी। इसी बीच चरते हुए तीनों भैंसें खुरसोडी गांव पहुंच गईं। 26 अप्रैल को गांव के दीपक नगपुरे जब अपने मवेशी चराने खेत गए तो उन्हें ये तीन भैंसें मिलीं। शाम को भैंसें दीपक के मवेशियों के साथ उनके घर आ गईं।

ईमानदारी की मिसाल

दीपक नगपुरे ने ईमानदारी दिखाते हुए तुरंत गांव के व्हाट्सएप ग्रुप में भैंसों के मिलने की जानकारी और फोटो साझा की। यह सूचना दूसरे ग्रुपों में भी वायरल हो गई। खबर मिलते ही भोजलाल बिसेन खुरसोडी पहुंचे और दीपक से संपर्क किया। इसके बाद दीपक नगपुरे ने हट्टा पुलिस की मौजूदगी में तीनों भैंसें उनके असली मालिक भोजराज बिसेन को सौंप दीं।

बड़ी अनहोनी टली

ग्रामीणों का कहना है कि यदि दीपक भैंसों को भगा देते या ध्यान नहीं देते तो ये किसी चोर या गौ तस्कर गिरोह के हाथ लग जातीं। अक्सर इस क्षेत्र से मवेशी चोरी कर महाराष्ट्र के कत्लखानों में भेज दिए जाते हैं। दीपक की सतर्कता और ईमानदारी से न केवल किसान का नुकसान बचा बल्कि एक बड़ी तस्करी भी रुक गई।हट्टा पुलिस और ग्रामीणों ने दीपक नगपुरे की ईमानदारी की सराहना की है।

गौ सम्मान अभियान के तहत लामता में निकली पदयात्रा, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

1252 हस्ताक्षरों के साथ उठी गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग, नगर में गूंजे जय गौमाता के नारे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गौ सम्मान अभियान के तहत सोमवार को लामता नगर में गौ प्रेमियों, व्यापारियों और ग्रामीणों द्वारा विशाल पदयात्रा रैली निकालकर गौ संरक्षण और सम्मान की मांग को लेकर आवाज बुलंद की गई। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। 27 अप्रैल को नगर के गांधी चौक में बड़ी संख्या में गौ सेवक, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीणजन एकत्रित हुए। तहसील कार्यालय के लिए रवाना होने से पहले ज्ञापन का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। श्री प्रकाश गुप्ता ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ज्ञापन पूजन कराया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने गौ सम्मान पत्र को अपने सिर पर रखकर गौमाता के सम्मान और संरक्षण के समर्थन में नारे लगाए। पदयात्रा गांधी चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। रैली के दौरान गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दो, गौ हत्या बंद करो और गौ संरक्षण हमारी जिम्मेदारी जैसे नारों से पूरा नगर गूंज उठा। नगर भ्रमण के बाद सभी लोग स्थानीय तहसील कार्यालय पहुंचे, जहां तहसीलदार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। आयोजकों ने बताया कि इस अभियान के तहत लामता तहसील क्षेत्र से कुल 69 आवेदन पत्रों के माध्यम से 1252 लोगों के हस्ताक्षर जुटाए गए हैं, जिन्हें ज्ञापन के साथ संलग्न किया गया। उन्होंने इसे सनातन धर्म, जैन धर्म सहित सभी धर्मों के लिए ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिन बताया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि गौमाता भारतीय संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रमुख प्रतीक है। भारतीय मान्यताओं के अनुसार गौमाता में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है, इसलिए उसे राष्ट्रमाता का दर्जा देकर विशेष सम्मान और संवैधानिक संरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि गौवंश केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि कृषि व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में गौवंश जिन समस्याओं से जूझ रहा है, उसमें सुधार लाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और अवैध रूप से बूचड़खानों में भेजे जाने पर रोक लगाने की मांग भी की गई। आंदोलनकारियों ने सरकार से मांग की कि गौवंश को राष्ट्र की धरोहर घोषित करते हुए उसके संरक्षण के लिए ठोस नीति बनाई जाए और गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की दिशा में आवश्यक निर्णय लिया जाए। इस अवसर पर लामता सरपंच हुलासमल कोचर, उपसरपंच राजेंद्र मनेश्वर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती स्मिता-सुनील श्रीवास्तव, जिला रेडक्रॉस सोसायटी बालाघाट सदस्य राकेश जैन, तनमय जैन, बंटी जैन, दिलीप जैन, सुधीर कसार, विक्रम ठाकुर, गब्बर बक्सरी, मूलचंद कोचर, प्रकाश गुप्ता, आकाश जैन, प्रह्लाद पारधी, बलराम जैतवार, स्वपनिल बिसेन, पत्रकार पीतम यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और व्यापारी उपस्थित रहे।

दहेज के लिए पत्नी को दी जान से मारने की धमकी-पति-ससुर पर केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम जराही में दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। 28 वर्षीय महिला मंगलेश्वरी ओगारे ने अपने पति दुर्गा प्रसाद ओगारे और ससुर सूबेलाल ओगारे पर दहेज की मांग को लेकर शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलेश्वरी की शादी 2016 में जराही निवासी दुर्गा प्रसाद से सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। माता-पिता ने हैसियत अनुसार दहेज दिया था।

शादी के बाद से ही पति और ससुर कम सामान लाई है कहकर ताने देने लगे थे। टीवी, कूलर, फ्रिज, अलमारी और 50,000 नगद न लाने पर लगातार मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। प्रताड़ना से तंग आकर मंगलेश्वरी 3 साल पहले अपने मायके ग्राम चंगेरा, पिता के घर आकर रहने लगी थी।

23 मार्च की शाम 7 बजे मंगलेश्वरी अपने काका ससुर बुधराम ओगारे के घर शादी समारोह में गई थी। वहां पति दुर्गा प्रसाद और ससुर सूबेलाल भी मौजूद थे। दोनों ने मंगलेश्वरी से शादी में क्यों आई हो कहकर विवाद किया और जान से मारने की धमकी दी। दहेज में बताए गए सामान और नगद रुपये लाने के लिए धमकाया। इसके बाद पति दुर्गा प्रसाद उसे मोटरसाइकिल से मायके चंगेरा छोड़ गया।जहां भी उसने मंगलेश्वरी और उसके परिवार से झगड़ा किया और चला गया।

3 साल बाद भी पति-ससुर के व्यवहार में सुधार न होने पर मंगलेश्वरी ने किरनापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दुर्गा प्रसाद ओगारे और सूबेलाल ओगारे के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कर प्रणाली को अधिक सरल, सुगम एवं करदाता-अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे

भोपाल। आयकर विभाग ने करदाताओं के साथ पारदर्शी एवं सकारात्मक संवाद स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया। विभाग द्वारा यह भी आश्वस्त किया गया कि कर प्रणाली को अधिक सरल, सुगम एवं करदाता-अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उक्त बातें आयकर विभाग द्वारा सोमवार को राजधानी के कुशाभाऊ कंवेंशन सेंटर में आयोजित एक मेगा आउटरीच कार्यक्रम 'टैक्स टॉक' (नए आयकर अधिनियम पर एक चर्चा 2025) के दौरान कही गई । कार्यक्रम प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़), भोपाल, मोना मोहंती के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए आयकर अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के संबंध में जागरूकता बढ़ाना, उसके प्रमुख बदलावों को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत करना तथा विभिन्न हितधारकों के साथ संवाद स्थापित करना रहा। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों, अनुपालन से संबंधित आवश्यकताओं एवं करदाताओं के लिए उपलब्ध नई सुविधाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य मुख्य आयकर आयुक्त (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़), भोपाल, मोना मोहंती द्वारा दिया गया। इसके अतिरिक्त अभिषेक मिश्रा, अतिरिक्त आयकर आयुक्त, अक्षय जैन, अतिरिक्त आयकर आयुक्त, सतेन्द्र मेहरा, सयुंक्त आयकर आयुक्त, सीए अमित जैन एवं सीए अंशुल अग्रवाल द्वारा भी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन मेघा भार्गव, अतिरिक्त आयकर आयुक्त द्वारा किया गया। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़), भोपाल, सुश्री मोना मोहंती द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि इसी प्रकार के आउटरीच कार्यक्रम मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्र के कुल 12 स्थानों पर दिनांक 28 से 30 अप्रैल 2026 तक आयोजित किए जाना है, जिससे अधिकाधिक करदाताओं एवं हितधारकों तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के आयोजन की योजना एवं क्रियान्वयन में राम कुमार यादव, आयकर आयुक्त, गुंजन वर्ष्णेय, अतिरिक्त आयकर आयुक्त, डॉ. चेतन शर्मा, उप आयकर आयुक्त, नवेद शफकत, आयकर अधिकारी (जनसंपर्क) एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बिजॉय कुमार पांडा, महानिदेशक आयकर (अन्वेषण), भोपाल, राहुल रमन, मुख्य आयकर आयुक्त सहित आयकर विभाग, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों के अतिरिक्त भोपाल स्थित विभिन्न प्रमुख व्यापारिक, औद्योगिक एवं पेशेवर संगठनों/एसोसिएशनों के अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में करदाता, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कर सलाहकार एवं अन्य हितधारक भी शामिल हुए।

वन्य जीवों के लिए जीवनदायिनी पहल-जंगलों में जल स्त्रोतों का विस्तार

भोपाल। भीषण गर्मी के बीच मध्यप्रदेश में वन्य जीवों को पेयजल के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' के अंतर्गत वन क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जल प्रबंधन के कार्य किए जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा जंगलों में जल स्रोतों का निर्माण, संरक्षण और पुनर्जीवन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे वन्य जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में ही पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान 'जल ही जीवन है' की भावना को साकार करते हुए न केवल मानव जीवन, बल्कि वन्यजीवों और प्रकृति के संतुलन को भी सुरक्षित करने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में उभर रहा है। अभियान के अंतर्गत जंगलों में तालाब, स्टॉप डैम, झिरिया और अन्य जल संरचनाओं का निर्माण एवं गहरीकरण किया जा रहा है। वन क्षेत्रों में वन्य जीवों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु तालाबों के निर्माण, गहरीकरण, जल स्रोतों के विकास तथा पुराने स्रोतों के जीर्णोद्धार जैसे कार्य प्रगति पर हैं। कई स्थानों पर नए जल स्रोतों का निर्माण किया गया है, जबकि मौजूदा जल संरचनाओं की मरम्मत और पुनर्जीवन का कार्य भी व्यापक स्तर पर जारी है। इससे गर्मी के मौसम में वन्य जीवों को सतत जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत लड़सड़ा जनपद पंचायत वारासिवनी

निविदा /क्यु क्रमांक २०२६ | दिनांक २७/०४/२०२६

निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत लड़सड़ा जनपद पंचायत वारासिवनी में ,सामुदायिक भवन, पीसीसी नाली निर्माण कार्य एवं वर्ष २०२६-२७ में विभिन्न मद से स्वीकृत निर्माण कार्य हेतु सामग्री सप्लाई के लिए निविदा दिनांक २८/४/२०२६ से ५/५/२०२६ तक आमंत्रित की जाती है। जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, पंद्रवा वित्त, ५ वां वित्त, विधायक निधी ,सांसद निधी,राज्य वित्त आयोग परफ़ारमेंस मद , गौण खनिज मद, स्टॉम ड्यूटी व अन्य समस्त योजना अंतर्गत सामग्री उपयोग की जाती है। जिसमें सिमेंट , गिट्टी, लोहा ईट, काली मिट्टी , मुरूम, रेत, हैण्डपंप पाइप, सिमेंट पाइप , दरवाजा , खिड़की , हवाकस , पानी टेंकर , मिक्चर मशीन, फोटो कॉपी, स्टेशनरी , नल जल सामग्री, सेनेटरी,टेबल फैन, कुर्सी, टेबल, डस्टबिन, सीमेंट कुर्सी,प्लास्टीक के मुत्रालय/ शौचालय, बिजली से संबंधित समस्त सामग्री, लोहा एंगल, जाली,ट्रीगार्ड एवं आवश्यकता अनुसार अन्य सामग्री हेतु निविदा बंद लिफाफे में दिनांक ५/५/२०२६ तक कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत लड़सड़ा में आमंत्रित किया जाता है ।

नोट- सामग्री हेतु कम दर वाले दुकानदारो को प्राथमिकता दी जायेगी ।

::विनीत::
श्रीमती कलावंती बघेले सरपंच, सचिव दिपेश तुरकर एवं समस्त पंच गण ग्राम पंचायत लड़सड़ा जनपद पंचायत वारासिवनी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर 1 मई को भोपाल में होगा प्रदर्शन

बालाघाट से भी बड़ी संख्या में पत्रकार होंगे शामिल, जिलाध्यक्ष श्री भोज ने किया आह्वान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पत्रकारों की सुरक्षा, अधिकारों और विभिन्न लंबित मांगों को लेकर अब प्रदेशभर के पत्रकार एकजुट होने जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई के अवसर पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के बैनर तले राजधानी भोपाल में विशाल धरना-प्रदर्शन और रैली का आयोजन किया जाएगा। इस आंदोलन का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने सहित पत्रकार हितों से जुड़ी अन्य मांगों को सरकार के सामने मजबूती से उठाना है। जिला अध्यक्ष इंद्रजीत भोज ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आंदोलन संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ

भदौरिया के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों के शामिल होने की संभावना है। आंदोलन का मुख्य केंद्र भोपाल का न्यू मार्केट क्षेत्र रहेगा, जहां पत्रकार अपनी मांगों को लेकर एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे और सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया कि बालाघाट जिले से भी सभी तहसीलों और ब्लॉकों के पत्रकार साथियों को इस आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। जिले स्तर पर इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं और पत्रकारों से अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचने की अपील की जा रही है। जिलाध्यक्ष इंद्रजीत भोज ने कहा कि लंबे समय से पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कई बार पत्रकारों को अपने कार्य के दौरान विभिन्न प्रकार की परेशानियों और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सशक्त कानून की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल पत्रकारों के हितों की लड़ाई नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। अब देखना होगा कि पत्रकारों के इस बड़े आंदोलन के बाद सरकार उनकी मांगों पर क्या रुख अपनाती है।

नपा. का 336 करोड़ का बजट बना चर्चा का विषय, पक्ष-विपक्ष ने रखी अपनी राय

कुछ भाजपा पार्षदों ने बताया विकासोन्मुख बजट, तो कुछ ने कहा सिर्फ आंकड़ों का खेल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट नगर पालिका परिषद की बैठक में इस बार वर्ष 2026-27 के लिए शहर विकास को लेकर लगभग 336 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया, जिसके बाद यह बजट राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। बजट पेश होने के बाद जब इस संबंध में नगर पालिका के पक्ष और विपक्ष के पार्षदों से चर्चा की गई, तो इस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। सत्ता पक्ष के कुछ भाजपा पार्षदों ने इसे शहर विकास के लिए बेहतर और महत्वपूर्ण बजट बताया। उनका कहना है कि इस बजट के माध्यम से शहर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और कई विकास कार्यों को गति मिलेगी। वहीं भाजपा के ही कुछ पार्षदों ने बजट पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि यह बजट केवल आंकड़ों में बड़ा और आकर्षक दिखाई दे रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा। कुछ पार्षदों ने इसे भारी-भरकम दिखाने वाला बजट बताते हुए कहा कि इसमें कई ऐसे प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिनका वास्तविक लाभ शहर को मिलने की संभावना कम है। विपक्षी पार्षदों ने भी बजट को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका कहना है कि बजट में कई त्रुटियां हैं और इसमें शामिल कुछ योजनाएं पहले ही शासन स्तर पर बंद हो चुकी हैं। ऐसे में इन योजनाओं को बजट में शामिल करना सिर्फ आंकड़ों को बढ़ाने का प्रयास है।

नगर पालिका द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए करीब 336 करोड़ रुपए का बजट पेश किए जाने के बाद अब इसे लेकर नगर राजनीति गर्मा गई है। खास बात यह है कि इस बजट का विरोध केवल विपक्षी पार्षद ही नहीं कर रहे, बल्कि सत्ता पक्ष के कई पार्षद भी इसे लेकर खुलकर सवाल उठा रहे हैं। पार्षदों का कहना है कि हर वर्ष नगर पालिका करोड़ों रुपए का बजट प्रस्तुत करती है, लेकिन धरातल पर विकास कार्यों की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर नजर आती है। जानकारी के अनुसार परिषद बैठक से पहले पीआईसी की बैठक में यह बजट करीब 250 करोड़ रुपए का बताया गया था, लेकिन बाद में परिषद की बैठक में इसे बढ़ाकर लगभग 336 करोड़ रुपए कर दिया गया। बजट में इस अचानक हुई वृद्धि को लेकर भी कई पार्षदों ने आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि यदि पहले 250 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार किया गया था तो बाद में इसमें इतनी बड़ी बढ़ोतरी किस आधार पर की गई, इसकी स्पष्ट जानकारी परिषद सदस्यों को दी जानी चाहिए थी।

अध्यक्ष अपनी उपलब्धियां बताएं-सुधीर चिले

भाजपा के वरिष्ठ पार्षद सुधीर चिले ने बजट को लेकर सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि शुरुआत में नगर पालिका द्वारा 250 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया गया था, लेकिन जब उन्होंने इस विषय को लेकर सवाल उठाए और मीडिया में बयान दिया, तो अचानक बजट को बढ़ाकर 336 करोड़ रुपए कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी नगर पालिका ने करीब 312 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था, लेकिन उस बजट के अनुरूप शहर में बड़े विकास कार्य दिखाई नहीं दिए। सुधीर चिले ने नगर पालिका अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि नगर पालिका ने वास्तव में इतने बड़े स्तर पर विकास कार्य किए हैं तो अध्यक्ष को सार्वजनिक रूप से अपनी उपलब्धियां बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ कागजों में बजट बढ़ाने से शहर का विकास नहीं होता।

विकास हुआ तो बजट अच्छा माना जाएगा- श्वेता जैन

सत्ता पक्ष की पार्षद श्वेता जैन ने इस मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि यह बजट वास्तव में जनता के हित में खर्च होता है और शहर में विकास कार्य दिखाई देते हैं तो इसे अच्छा बजट कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी इस विषय पर ज्यादा टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, लेकिन आने वाले समय में विकास कार्यों की स्थिति ही इस बजट की वास्तविकता बताएगी।

वार्ड के कामों के लिए आज भी चक्कर काट रहे हूं सरिता सोनेकर

भाजपा की ही पार्षद सरिता सोनेकर ने भी बजट को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए का बजट पारित होने के बावजूद उनके वार्ड में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे विकास कार्यों के लिए भी उन्हें नगर पालिका कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। सरिता ने कहा कि यदि इतना बड़ा बजट है तो उसका असर वार्डों में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए।

धरातल पर काम नहीं, सिर्फ आंकड़ों का खेल - योगराज लिल्हारे

कांग्रेस पार्षद योगराज लिल्हारे ने भी बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले पीआईसी की बैठक में 250 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया और बाद में इसे बढ़ाकर 336 करोड़ रुपए कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल आंकड़ों को बढ़ाकर बड़ा बजट दिखाने की कोशिश है, जबकि जमीनी स्तर पर विकास कार्य बहुत कम नजर आते हैं। योगराज ने कहा कि जनता को बड़े आंकड़े नहीं, बल्कि सड़कों, पानी, सफाई और मूलभूत सुविधाओं में सुधार चाहिए।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया बजट का बचाव

नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने इस बजट का बचाव करते हुए कहा कि यह बजट पूरी तरह शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर के सभी 33 वार्डों में सड़क, पेयजल, निर्माण कार्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए इस बजट का उपयोग किया जाएगा। राजस्व संभावित वकील वाधवा ने भी बजट का समर्थन करते हुए कहा कि नगर पालिका पहले भी विकास कार्य करती रही है और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि परिषद की बैठक में सभी की सहमति से यह बजट पारित किया गया है और आने वाले समय में शहरवासियों को इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

रोमांचक फाइनल में लक्ष्य इलेवन बनी रात्रिकालीन जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट की चैंपियन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत माता सेवा समिति जिला बालाघाट द्वारा जागपुर घाट स्थित गायखुरी वैनगंगा नदी तट किनारे मैदान में आयोजित रात्रिकालीन जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन रविवार देर रात रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। फाइनल मैच में लक्ष्य इलेवन और कोया किंग इलेवन आमने-सामने थीं, जहां अंतिम ओवर तक चले बेहद रोमांचक मुकाबले में लक्ष्य इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और टूर्नामेंट की विजेता बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए देर रात तक बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान में मौजूद रहे। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और अंतिम गेंद तक चले मुकाबले का भरपूर आनंद उठाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार फाइनल मुकाबले में कोया किंग इलेवन के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य इलेवन की टीम ने निर्धारित ओवरों में 75 रन बनाए और कोया किंग इलेवन के सामने जीत के लिए 76 रनों का लक्ष्य रखा। छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोया किंग इलेवन की टीम ने भी शानदार संघर्ष किया और मैच को अंतिम ओवर तक पहुंचा दिया। हालांकि लक्ष्य इलेवन के गेंदबाजों ने दबाव की स्थिति में बेहतरीन प्रदर्शन किया और कोया

किंग इलेवन की टीम 73 रन ही बना सकी। इस तरह लक्ष्य इलेवन ने 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट का यह पहला आयोजन था, लेकिन आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में जिलेभर की लगभग 24 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें करीब 400 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि सभी खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था, जिससे प्रतियोगिता और अधिक आकर्षक बन गई। आयोजन समिति द्वारा विजेता टीम लक्ष्य इलेवन को 50 हजार रुपए नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता कोया किंग इलेवन को 25 हजार रुपए नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। भारत माता सेवा समिति के अध्यक्ष रंजीत गोयल ने बताया कि युवाओं को खेलों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। भविष्य में भी इस तरह के बड़े खेल आयोजनों को और बेहतर स्तर पर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट को सफल बनाने में नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं वार्ड 33 पार्षद योगेश बिसेन, तपन राजा चौधरी, आयोजन समिति अध्यक्ष रंजीत गोयल, सचिव दीपक पटले, गुणेंद्र पटले, चेतन पटले, दीपक ठाकुर, प्रकाश पटले, रूपेंद्र गोयल सहित समिति के अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। इस सफल आयोजन ने जिले के खेल प्रतिभाओं को नया मंच देने के साथ यह साबित कर दिया कि बालाघाट में क्रिकेट के प्रति युवाओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है।

विभिन्न मांगों को लेकर कृषि आदान विक्रेताओं का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

अवैध बीज बिक्री पर रोक और अनाधिकृत डीलरों पर कार्रवाई की मांग, शहर में निकाली रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कृषि आदान विक्रेता संघ ने वरिष्ठ स्तर से मिले आह्वान पर एक दिवसीय सांकेतिक प्रदर्शन किया। इस दौरान संघ के पदाधिकारी और जिले के खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेता स्थानीय गुजरी बाजार स्थित कृषि मंडी में एकत्रित हुए। यहां से सभी व्यापारी रैली के रूप में शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। रैली के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए व्यापारियों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद संघ पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अवैध बीजों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने, अनाधिकृत डीलरों द्वारा विनियमित बीजों की बिक्री पर कार्रवाई करने तथा अधिकृत व्यापारियों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि अवैध रूप से बीजों की बिक्री से किसानों के साथ धोखाधड़ी की संभावना बढ़ रही है, वहीं अधिकृत विक्रेताओं को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से जल्द उचित कदम उठाने की मांग की है।

कृषि आदान विक्रेता संघ जिला बालाघाट के आह्वान पर सोमवार को जिलेभर के खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय सांकेतिक बंद रखकर सरकार और संबंधित कंपनियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जिले के शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक कृषि आदान से जुड़ी अधिकांश दुकानें दिनभर बंद रहीं, जिससे किसानों को भी खाद-बीज खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ा। संघ के आह्वान पर सुबह से ही व्यापारी स्थानीय कृषि मंडी परिसर में एकत्रित होना शुरू हो गए थे। यहां आयोजित बैठक में पदाधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की और बताया कि लंबे समय से खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेता कई तरह की परेशानियों से जूझ रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा उनकी समस्याओं के निराकरण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बैठक के बाद बड़ी संख्या में व्यापारी रैली के रूप में कृषि मंडी परिसर से निकले और शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस दौरान व्यापारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की प्रतिलिपि एसडीएम और पुलिस अधीक्षक को भी दी गई। संघ के मीडिया प्रभारी रवि चौहान ने बताया कि यह आंदोलन एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन नई दिल्ली के समर्थन में किया गया है। उन्होंने कहा कि खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेताओं को लगातार नई नीतियों और कंपनियों की मनमानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों ने ज्ञापन में प्रमुख रूप से उर्वरक कंपनियों द्वारा सब्सिडी वाले खाद के साथ अन्य गैर जरूरी उत्पादों की जबरन लिंकिंग पर रोक लगाने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि कंपनियां आवश्यक खाद उपलब्ध कराने के नाम पर अनावश्यक उत्पाद खरीदने का दबाव बनाती हैं, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और कई बार माल भी फंस जाता है। इसके अलावा व्यापारियों ने मांग की कि खाद की आपूर्ति सीधे विक्रय केंद्रों तक सुनिश्चित की जाए, ताकि अतिरिक्त परिवहन खर्च से राहत मिल सके। लगातार बढ़ती महंगाई और व्यापारिक खर्चों का हवाला देते हुए डीलर मार्जिन बढ़ाकर न्यूनतम 8 प्रतिशत करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। संघ ने पोर्टल में ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापारियों को हो रही तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं को दूर करने, एचटीबीटी बीज नीति को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने तथा अवैध बीज बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने की मांग भी उठाई। व्यापारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

शराब दुकानों को लेकर नपा अध्यक्ष का बड़ा बयान, जर्जर भवन तोड़ने की बनाई योजना

वार्ड 12 और वार्ड 10 की दुकानों को लेकर महिलाओं के विरोध के बीच भारती ठाकुर बोलीं सर्वे के बाद होगी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में संचालित शराब दुकानों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने मीडिया से अहम जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि शहर के कुछ रिहायशी क्षेत्रों में संचालित शराब दुकानों को लेकर महिलाओं द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है और दुकानों को हटाने की मांग उठाई जा रही है। नपा अध्यक्ष ने कहा कि वार्ड क्रमांक 12 बुधवारी क्षेत्र स्थित शराब दुकान और वार्ड क्रमांक 10 में संचालित दुकान को लेकर नगर पालिका ने कार्य योजना तैयार की है। इन दोनों स्थानों पर जिन भवनों में शराब दुकान संचालित हो रही है, उनकी जर्जर स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के इंजीनियरों से सर्वे कराया जाएगा। सर्वे रिपोर्ट में भवन जर्जर पाए जाने पर संबंधित भवनों को तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में महिलाओं की समस्या का समाधान होगा और शराब दुकान हटाने का मामला भी एक साथ समाप्त किया जा सकेगा। शहर में शराब दुकानों को लेकर लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच अब नगर पालिका परिषद ने वार्ड क्रमांक 12 और वार्ड क्रमांक 10 में संचालित शराब दुकानों को लेकर बड़ा निर्णय लेने की तैयारी शुरू कर दी है। परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के बाद सभी सदस्यों की सहमति से यह निर्णय लिया गया कि यदि संबंधित विभाग सीधे तौर पर शराब दुकानों को नहीं हटाता है, तो नगर पालिका जर्जर भवनों की स्थिति का परीक्षण कर वैधानिक कार्रवाई का रास्ता अपनाएगी। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वार्ड क्रमांक 12 में संचालित शराब दुकान जिस भवन में चल रही है, उसकी स्थिति काफी जर्जर बताई जा रही है। इसी तरह वार्ड क्रमांक 10 स्थित शराब दुकान के भवन को लेकर भी सुरक्षा संबंधी सवाल उठाए गए हैं। ऐसे में परिषद ने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दोनों भवनों का तकनीकी परीक्षण कराया जाए और यदि भवन जर्जर पाए जाते हैं तो उनकी रिपोर्ट तैयार कर जिला प्रशासन से आवश्यक अनुमति ली जाए। अनुमति मिलने के बाद

संबंधित भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई की जा सकती है। नगर पालिका का मानना है कि इस कार्रवाई से एक ओर जहां आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, वहीं दूसरी ओर लंबे समय से शराब दुकानों को हटाने की मांग कर रही महिलाओं के आंदोलन को भी मजबूती मिलेगी। यदि भवन ही अनुपयोगी घोषित होकर तोड़े जाते हैं तो दुकानों को वहां से हटाने की प्रक्रिया स्वतः तेज हो सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले वार्ड क्रमांक 24 और हाल ही में वार्ड क्रमांक 25 मोती नगर चौक में संचालित शराब दुकानों का महिलाओं के लगातार विरोध के बाद स्थान परिवर्तन किया जा चुका है। इन आंदोलनों को महिलाओं की बड़ी जीत के रूप में देखा गया था। अब इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 12 और वार्ड क्रमांक 10 की दुकानों को लेकर भी नई रणनीति बनाई जा रही है। नगर पालिका परिषद ने इस पूरे मामले में जिला प्रशासन से चर्चा कर जल्द आवश्यक कदम उठाने के संकेत दिए हैं। यदि प्रस्तावित कार्रवाई आगे बढ़ती है तो शहर में शराब दुकानों को लेकर चल रहा विरोध एक बार फिर बड़ा मोड़ ले सकता है।

आस-पास की खबरें

अनिल शर्मा जिला कांग्रेस के महासचिव नियुक्त, कार्यकर्ताओं में हर्ष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा हाल ही में घोषित जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में लालबर्रा ब्लॉक के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा को जिला महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई है। अनिल शर्मा को यह दायित्व संगठन में उनकी लंबे समय से सक्रिय भूमिका, संगठनिक अनुभव और पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा को देखते हुए दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अनिल शर्मा का राजनीतिक और सामाजिक जीवन काफी प्रभावशाली रहा है। वे पूर्व में बहुत्ताकार प्राथमिक सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जहां उन्होंने किसानों और आमजन की समस्याओं के निराकरण हेतु अनेक सराहनीय कार्य किये है। वहीं पार्टी पदाधिकारियों और स्थानीय समर्थकों का मानना है कि अनिल शर्मा के नेतृत्व और अनुभव का लाभ अब जिला स्तर पर कांग्रेस संगठन को मिलेगा। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के कांग्रेसजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि वे पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में योजना बैठक आज

- योजना बैठक में पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का प्राप्त होगा मार्गदर्शन

भोपाल। एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में 28 अप्रैल मंगलवार को प्रातः 11 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण वर्गों की कार्य योजना हेतु योजना बैठक आयोजित की गई है।

बैठक को भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रशिक्षण महाअभियान के पश्चिम मध्य क्षेत्र के जोन प्रभारी केसी पटेल संबोधित करेंगे।

बैठक में प्रदेश प्रशिक्षण टोली, प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, संभागीय प्रशिक्षण टोली, सभी मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी, प्रशिक्षण महाअभियान के जिला संयोजक उपस्थित रहेंगे।

कृषि आदान विक्रेता संघ ने प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण करने की मांग, मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

ब्लॉक के किसानों को खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने वाले कृषि आदान विक्रेताओं ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। 27 अप्रैल को ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन और म.प्र. कृषि आदान विक्रेता संघ के आव्हान पर लालबर्रा के विक्रेताओं ने एक दिवसीय शांतिपूर्ण सांकेतिक हड़ताल की। इस दौरान विक्रेताओं ने अपनी दुकानें बंद रख कर विरोध प्रदर्शन किया और रैली के रूप में तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार को 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वे पिछले 10 वर्षों से केंद्र एवं राज्य सरकार से इन मांगों को पूरा करने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिससे सभी कृषि आदान विक्रेताओं में आक्रोश व्याप्त है। 27 अप्रैल को ब्लाक भर के कृषि आदान विक्रेताओं के द्वारा अपनी जायज मांगो को लेकर एक दिवसीय शांतिपूर्वक सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया और ज्ञापन के माध्यम से सरकार से मांग की गई है कि उर्वरक निर्माता कंपनियों द्वारा सब्सिडी वाले खाद के साथ अनुपयोगी उत्पादों (लिंकिंग) को थोपने की प्रक्रिया को अपराध घोषित किये जाये, उत्तर प्रदेश सरकार के निर्णय की तरह पूरे देश में अनुदानित उर्वरक के साथ गैर-अनुदानित उत्पाद बेचने की बाध्यता समाप्त हो, कंपनियों के लिए पुराने या एक्सपायर्ड कीटनाशक स्टॉक को वापस लेना कानूनी रूप से अनिवार्य बनाये जाये, नये बीज अधिनियम और कीटनाशक विधेयक 2025 में रिटेल डीलरों के लिए नियमों में शिथिलता प्रदान की जाये। सरकार हमारी इन 12 सूत्रीय मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करती है, तो आगामी समय में यह सांकेतिक प्रदर्शन एक उग्र राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप लेगा। वहीं कृषि आदान विक्रेताओं का कहना है कि वे कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो सीधे किसानों से जुड़े हैं। दुकानों की तालाबंदी और सांकेतिक हड़ताल के माध्यम से सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि यदि उनकी जायज मांगों को अनदेखा किया गया, तो भविष्य में खाद-बीज की आपूर्ति पूरी तरह ठप की जा सकती है।

हम निर्माता नहीं, बल्कि विक्रेता है - संघ

चर्चा में कृषि आदान विक्रेता संघ के अध्यक्ष हेमंत साखला, सदस्य अरूण गौतम, महेश करेंडे ने संयुक्त रूप से बताया कि खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध करने के लिए सरकार के द्वारा जो नियम बनाये गये है। वह बहुत जटिल है जिससे विक्रेताओं को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। हम निर्माता नहीं बल्कि विक्रेता है, हम कंपनी के द्वारा दिये गये माल को विक्रेय करते हैं परंतु सरकार के नियम के अनुसार यदि किसी दवाई को बैन किया जाता है। यह किस दवाई के दुष्परिणाम होते हैं तो उसे हमारे लाइसेंस को निरस्त किया जायेगा यहां नियम गलत है सहित अन्य समस्या को लेकर पूरे देश में 27 अप्रैल को कृषि आदान विक्रेताओं के द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर दुकाने बंद रखी गई और प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार को 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है। आगे बताया कि सरकार के द्वारा ई-टोकन प्रणाली लाई गई है जिससे पहले जो एक किसान कृषि कार्य करता था, अब सभी के अलग-अलग आधार कार्ड के अनुसार वह कार्य होंगे। जिससे किसानों को परेशानी होगी, सरकार को किसानों की सरलता और सुगमता को ध्यान में रखते हुए नियम कानून बनाने चाहिए। साथ ही टोकन अमानत सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर हमारे लाइसेंस निरस्त कर दिए जाते हैं, सरकार को नियमों में संशोधन करना चाहिए जिससे हम व्यापार कर सके, हमारी मांगे पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन किया जायेगा।

ये रहे उपस्थित

ज्ञापन सौंपने के दौरान कृषि आदान विक्रेता संघ अध्यक्ष हेमंत साखला, उपाध्यक्ष अशोक लिल्हारे, किशोर पटले, सचिव महेश करेंडे, कोषाध्यक्ष बिहारी पटले, मीडिया प्रभारी मयंक चैतगुरू, अरूण गौतम, भूषेन्द्र नगपुरे, लोकेश रहांगडाले, सचिन नगपुरे, राजेन्द्र बिरनवार, प्रवीण चौहान, श्रीराम बोपचे, देवेश बिसेन, मुकेश बेलजी, अमूल बिसेन, विपुल बोपचे, अंशुल खंडेलवाल, संतोष चौधरी सहित अन्य कृषि आदान विक्रेतागण उपस्थित रहे।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की उठी मांग

लालबर्रा में गौ भक्तों ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश भर में गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आव्हान अभियान के तहत 27 अप्रैल को लालबर्रा तहसील मुख्यालय में गौ भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूज्य संतों के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के तहत बड़ी संख्या में उपस्थित गौ रक्षकों ने सोमवार

को तहसील कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार को ज्ञापन सौंपकर गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने, गौ सेवा हेतु केन्द्रीय कानून बनाने, भारतवर्ष में गौ हत्या पूरी तरह समाप्त करने सहित अन्य मांगे की है। गौ सेवकों ने बताया कि 27 अप्रैल से 27 जुलाई तक गौ सम्मान दिवस मनाया जा रहा है और इस सम्मान दिवस के अवसर पर गौ सम्मान आव्हान अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि यह आंदोलन केवल स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि पूरे देश की 5400 तहसीलों में एक साथ चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों से गौ माता को राष्ट्र माता (राष्ट्र धरोहर) घोषित करने की मांग करना है। ज्ञापन के माध्यम से सरकार से निवेदन किया गया है कि भारतीय संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से गौ माता की सेवा और सुरक्षा का मौलिक अधिकार प्रदान किया जाये।

हस्ताक्षर एवं मिस-कॉल अभियान से जुटाया जनसमर्थन

लालबर्रा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आये गौ प्रेमियों ने इस मांग के समर्थन में व्यापक जन-जागरण किया। तहसील कार्यालय पहुंचने से पूर्व क्षेत्र में हस्ताक्षर अभियान और मिस-कॉल अभियान के माध्यम से हजारों लोगों का समर्थन जुटाया गया। रैली के दौरान जय गौ माता, जय श्री राम के नारों से पूरा तहसील परिसर गुंजायमान रहा। वहीं इस ज्ञापन के माध्यम से गौ सेवकों की मांग है कि गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान मिले ताकि उनकी सुरक्षा और सेवा के लिए कड़े कानून बन सकें। इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के हर गांव से युवाओं और प्रबुध्द नागरिकों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की है। साथ ही गौ रक्षकों ने स्पष्ट किया कि उनका यह अभियान पूरी तरह अहिंसक है और वे केवल संसद व संविधान के माध्यम से गौ माता के हितों की रक्षा चाहते हैं। वहीं ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने गौ भक्तों को आश्वस्त किया कि उनकी भावनाओं और मांग पत्र को शासन तक प्रेषित किया जायेगा। इस अवसर पर विनीत संचेती, श्रीमती रितु बिसेन, पूजा यादव, पूजा बनवाले, दौलत नाहर, प्रकाश रहांगडाले, महेन्द्र सिहोरे, अंकित कुथे, संदीप पटले, राजू देशमुख, गिरिश कटरे, उमेश आश्वले, उमेश रहांगडाले, हरिशंकर बनवाले, आशीष गौतम, ज्ञानेश्वर रहांगडाले, दीपक पटले, सौरभ नाहर, पराग पटले, चैनलाल चौधरी, प्रदीप चौहान, रवि घाटे, राजेन्द्र फुण्डे, संजय अग्रवाल, चंद्रकुमार बसेने, आकश चौहान, प्रकाश चौहान एवं आकाश नागेश्वर सहित अन्य गौ भक्त उपस्थित रहे।

गौ माता को राष्ट्र माता का दिया जाये दर्जा - विनीत

गौ सेवक विनीत कुमार संचेती ने बताया कि देशभर में गौ माता को सेवा, सम्मान व सुरक्षा हेतु संघ के द्वारा हस्ताक्षर एवं मिस कॉल अभियान चलाया जा रहा है और इसी अभियान के माध्यम से सरकार से मांग की जा रही है कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाये। श्री संचेती ने बताया कि सोमवार को लालबर्रा क्षेत्र के गौ भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलवाने की मांग की है। साथ ही यह भी बताया कि लोगों से मुलाकात कर हस्ताक्षर और मिस कॉल कर इस अभियान में जोड़ा गया है ताकि वे इस अभियान में अपनी अहम भूमिका अदा कर सके।

नेवरगांव वा. हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव (वा) स्थित शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। यह कार्यक्रम जनपद सदस्य गुलेंद्र भगत एवं सरपंच सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी प्रमोद हनवत के प्रमुख आतिथ्य एवं स्कूल प्राचार्य श्रीमती ऊषा देशमुख की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में कक्षा 12 वीं में विभिन्न संकायों एवं कक्षा 10 वीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटम (शील्ड) और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमें कक्षा 12 वीं में कला संकाय में कु. अन्नु'थानेन्द बनवाले ने 88 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त की है। इसी तरह द्वितीय स्थान यश/उदेलाल शरणागत 85 प्रति., तृतीय स्थान कु. प्राची राजेश/भीमेट ने 78 प्रति., (विज्ञान/गणित संकाय) में अमन/योगेश बनवाले ने 87 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, द्वितीय स्थान कु. कशिश/धनीराम बाहेश्वर ने 83.8 प्रति., तृतीय स्थान डुकरूलाल बिसेन ने 81.8 प्रति. प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी तरह कक्षा 10 वीं में कार्तिक/तिलोक पारधी ने 94.8 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। द्वितीय स्थान कु. हनी/धनीराम बाहेश्वर ने 94.2 प्रति., तृतीय स्थान पूजा/युवराज टेंभरे ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम रोशन किये है। इस समारोह के दौरान अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद सदस्य गुलेंद्र भगत ने परीक्षा परिणामों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित किया। सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी हनवत ने सभी विद्यार्थियों को लक्ष्य बनाकर पढ़ाई कर आगे बढ़ने की बात कही। वहीं स्कूल प्राचार्य श्रीमती ऊषा देशमुख ने स्कूल के परीक्षा परिणामों से उपस्थितजनों को अवगत करवाते हुए कहा कि कक्षा 12 वीं में कुल 90 विद्यार्थियों में से 61 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है एवं कक्षा 10 वीं में कुल 70 विद्यार्थियों में से 47 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में आये है। वहीं समारोह के अंत में विद्यालय के समस्त स्टाफ और उपस्थित ग्रामीणों ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर शिक्षक बी.एल.पटले, वंकेश मित्रा, सी.आर. नखाते, रमेश कुमार धुर्वे, बी.के. मेहरा, श्रीमती वंदना पालीवाल, श्रीमती वीणा मर्सकोले, श्रीमती रीना लिल्हारे, श्रीमती खिलासन भगत, आरिफ खान, प्रशांत मेश्राम, लुपेन्द्र कुमार देशमुख, श्रीमती गीतेश्वरी टेम्भरे, श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, जयदीप जोशी, मनेष शेंडे, कपिल कुमार उके, सुश्री दिव्या जोशी, नितिन देशमुख, श्रीमती रोशनी ठाकुर, लोकपाल किशोर पाल, लिपिक रवि कुमार कावड़े, भृत्य नोहरलाल उइके, शैलेन्द्र वासनिक, डाटा एंट्री आपरेटर अंकित झारिया एवं समस्त जनशिक्षक व शाला प्रबंधन समिति के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लक्ष्मीबाई एकेडिम इंग्लिश स्कूल के 3 बच्चों का नवोदय एवं श्रमोदय विद्यालय में हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत बोरी में प्रबुध्द तथागत फाउंडेशन द्वारा संचालित लक्ष्मीबाई एकेडमी इंग्लिश स्कूल ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का लोहा मनवाया है। विगत वर्षों की गौरवशाली परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी संस्था के तीन प्रतिभावान विद्यार्थियों ने नवोदय विद्यालय वारासिवनी एवं श्रमोदय विद्यालय जबलपुर की चयन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चर्चा में संस्था के सचिव महेन्द्र मेश्राम ने बताया कि यह संस्था आईएएस अधिकारी एवं वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के संरक्षण में संचालित की जा रही है। संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है, जिसके तहत नवोदय, श्रमोदय एवं अन्य प्रवेश परीक्षाओं को निःशुल्क विशेष तैयारी कुशल शिक्षकों द्वारा करवाई जाती है। आगे बताया कि इस वर्ष की चयन परीक्षा (2026) के परिणामों में संस्था के 3 छात्रों ने सफलता अर्जित की है। जिसमें आरुषी/दीपक चौधरी का चयन नवोदय विद्यालय वारासिवनी में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए हुआ है। मृगांक/बलराम बाहेश्वर एवं कृतिक/देवन माले का चयन श्रमोदय विद्यालय के लिए हुआ है। इन विद्यार्थियों की इस उपलब्धि मे न केवल उनके माता-पिता, बल्कि पूरे क्षेत्र के शिक्षकों और ग्रामीणों का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है। लक्ष्मीबाई एकेडमी इंग्लिश स्कूल बोरी के 3 विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय एवं श्रमोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयन होने पर उन्हे शुभकामनाएं एवं उनकी उज्जवल भविष्य की कामना करने वालों में प्रबुध्द तथागत फाउण्डेशन के अध्यक्ष रमेश मेश्राम, उपाध्यक्ष गणेश मेश्राम, ज्योति मेश्राम, सहसचिव दिनेश रंगारे और डॉ. दिनेश मेश्राम, पूर्व सरपंच राजेन्द्र मेश्राम, निशा डहाटे, वर्षा मेश्राम, राकेश मेश्राम, मनीष मेश्राम, प्रधानपाठक पायल मेश्राम, शिक्षक रफत खान, भुवन पंचेश्वर, अभिषेक चौधरी, महेन्द्र गजाभिवे, समीन शेख, दुर्गेश्वरी माले, प्रिया चावके, शबनम अली, पारूल हरिनखेड़े, श्री अजीत, मीना बघेल, मानसी बघेल, राखी गीचंद, रितु चावके, खुशबू सूर्यवंशी, साक्षी पटले, कावेरी पटले, भूमेश्वरी मेश्राम, वर्षा बांगरे, सारिका कुराह, उषा इनवाती, यशवंत खैरवार, भीकम मर्सकोले, राजाराम खैरवार, योगेश नागेश्वर, ग्रामीण वैभव बनवाले, जयचंद गोयल, राजेश मेश्राम, पूर्व सरपंच मनीराम पंजरे, तनुजा मेश्राम, सरपंच श्रीमती दुर्गा सिंहमारे, श्रीमती मंजू प्रेम बारमाटे, अरविंद भोज्याल, देवेश बारमाटे, आरिफ खान, रासीद अली, सुरेन्द्र शेंडिल्य सहित अन्य सदस्यगण शामिल है।

25 लाख के मशरूका के साथ चोर गिरोह के 6 सदस्य गिरफ्तार

स्कॉर्पियो से रेकी और पिकअप से चोरी, वारासिवनी, कटंगी और रामपायली में सक्रिय गिरोह की 10 वारदातों का पर्दाफाश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। वारासिवनी, कटंगी और रामपायली पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में एक सक्रिय और संगठित चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने इस गिरोह के ६ सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब २५ लाख रुपये मूल्य का मशरूका यानि चोरी का माल बरामद किया है। इस संबंध में थाना वारासिवनी में एसडीओपी अभिषेक चौधरी के द्वारा प्रेसवार्ता आयोजित कर खुलासा किया गया।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार १९ अप्रैल की रात में ग्राम कोस्ते में कुछ युवकों के द्वारा गोदाम में चोरी की जा रही थी। जहां ग्रामीणों के द्वारा उन्हें रंगे हाथ पकड़कर पुलिस को सुपुर्द किया गया था। मामले में शिव प्रसाद चौहान निवासी वार्ड नंबर २ कोस्ते के द्वारा घटना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसके गोदाम से २२ कट्टी सरसों चोरी की गई हैं। मामले में पुलिस के द्वारा शहजाद खान ,अभय सहारे ,बादल मेश्राम ,राहुल भुरे, समीर खान एवं सोनू नांदने से घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ की गई। हालांकि रंगे हाथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था जिनके निशानदेही पर दो आरोपी और बनाएगा। इन ६ आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की गई तो इन्होंने कोस्ते से २२ कट्टी सरसों चोरी करना स्वीकार किया गया। जिसमें पुलिस के द्वारा आरोपियों से और पूछताछ करने के लिए न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड ली गई। जिसके बाद सघन पूछताछ में आरोपियों के द्वारा वारासिवनी, कटंगी और रामपायली थाना क्षेत्रों में घटित चोरी की कुल १० वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

१० बड़ी वारदातों का हुआ खुलासा

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गठित विशेष टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपियों को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने खापा से ७० कट्टी धान, डोंगरगाव से १५ कट्टी चावल, कोस्ते से २२ कट्टी सरसो एवं शिवधाम महोल्ला, मिश्रा नगर के देवी प्रसाद टेकाम, कटंगझरी के २ जवलर्स से सोने चांदी के आभूषण की चोरी करने एवं इसी के साथ थाना रामपायली के कोथुरना से धान १३ बोरी थाना ,कटंगी के कोड़मी से ८ क्विंटल लाख, ५० बोरी धान, कटेरा से धान चोरी करना। इस प्रकार थाना वारासिवनी की ६, थाना रामपायली की १ और थाना कटंगी की ३ कुल १० चोरी स्वीकार की गई। जिसमें पुलिस के द्वारा चोरी की गई सामग्री बरामद कर ली गई है।

वारदात करने का तरीका

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से काम करता था। आरोपी पहले स्कॉर्पियो वाहन के जरिए गांवों और कस्बों में रेकी करते थे और सूने मकानों, गोदामों व खेतों में बने घरों को चिह्नित करते थे। इसके बाद रात के अंधेरे में ४०७ पिकअप वाहन लेकर पहुँचते थे और भारी मात्रा में अनाज व अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते थे।

यह बरामद हुआ सामान

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर भारी मात्रा में सामान जब्त किया है। जिसकी कुल कीमत लगभग २५००००० रुपये आंकी गई है। इसमें लगभग १७० बोरी धान, २० बोरी चावल और २२ बोरी सरसों के साथ हीं सोने.चांदी के जेवरात कीमत लगभग २ लाख रुपये एवं वारदात में प्रयुक्त दो ४०७ पिकअप वाहन और एक स्कॉर्पियो लगभग १० क्विंटल लाख जो कटंगी क्षेत्र से चोरी की गई थी उसे बरामद किया गया हैं।

यह हैं गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है । जिसमें शहजाद उर्फ सज्जू पिता अब्बास कुरैशी निवासी वारासिवनी, अभय सहारे पिता राजेन्द्र सहारे निवासी वारासिवनी, बादल मेश्राम पिता फ गुलाल मेश्राम निवासी वारासिवनी, राहुल पिता विजय भूरे निवासी वारासिवनी, समीर खान पिता शमीम खान निवासी चंदोरी वारासिवनी, सोनू नांदने पिता छन्नूलाल नांदने निवासी वारासिवनी शामिल हैं।

पुलिस की अपील

इस सफल कार्यवाही के बाद जिला पुलिस बालाघाट ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घरों, खेतों और गोदामों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। पुलिस ने अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल ११२ या नजदीकी थाने में देने का आग्रह किया है। इस सराहनीय कार्य के लिए वारासिवनी और कटंगी पुलिस टीम की विशेष प्रशंसा की जा रही है।

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी से चैन का किया पता -अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि १९ अप्रैल कोस्ते के शिवप्रसाद के खेत में २२ कट्टी सरसों चोरी की शिकायत पर अपराध दर्ज किया था। पूर्व में भी धान सरसों चावल चोरी के अपराध सामने आए थे तो वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर थाना क्षेत्र में टीम तैयार की गई। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया इन्होंने १० चोरी स्वीकार की है उसमें धान सीमेंट लाख चावल एवं सूने मकान में गहने चोरी भी शामिल है। इसमें जो पूर्व में आरोपी गिरफ्तार हुए थे उनसे चैन का पता किया ६ आरोपी सभी वारासिवनी के है। इसमें कुछ आरोपी नीचे और कुछ ऊपर के हैं शाहबाज के लिए यह काम करते थे। अभी स्थानीय चोरी सामने आई है आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है पता कर रहे हैं।

वारासिवनी की शैक्षणिक प्रतिभाओं का सम्मान ३० को

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के तत्वावधान में कार्यक्रम होगा आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर और ग्रामीण क्षेत्र की शैक्षणिक प्रतिभाओं को निखारने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा एक विशाल सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इंडोर स्टेडियम में आगामी ३० अप्रैल २०२६ को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में क्षेत्र के होनहार सितारों को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के हाथों सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की अध्यक्षता एवं सभी पार्षद व मनोनीत पार्षदों की गरिमामय उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न होगा। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषद ने शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की मेहनत को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत कक्षा १० वीं में ८५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं कक्षा १२ वीं में ८० प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान करेंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले ग्राउंड जीरो पर उतरे एसडीएम

शौचालयों और स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर परिषद और प्रशासनिक अमला पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रहा है। भारत सरकार द्वारा आयोजित होने वाले इस सर्वेक्षण में वारासिवनी को बेहतर रैंकिंग दिलाने के संकल्प के साथ एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल सोमवार को अचानक ग्राउंड जीरो पर उतरे। उन्होंने नगर के सार्वजनिक शौचालयों और शैक्षणिक संस्थानों का औचक निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत २८ अप्रैल को केंद्रीय टीम का वारासिवनी आगमन निर्धारित है। यह टीम नगर के विभिन्न वार्डों, सार्वजनिक स्थलों, कचरा प्रबंधन केंद्रों और शौचालयों का गहन सर्वे करेगी। इसी सर्वे में मिलने वाले अंकों के आधार पर वारासिवनी की प्रदेश और देश स्तर पर रैंकिंग तय की जाएगी। सोमवार को निरीक्षण के दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल सबसे पहले बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक शौचालय पहुंचे। यहाँ उन्होंने सफाई की नियमितता, पानी की पर्याप्त उपलब्धता और ड्रेनेज व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने टिहली बाई माध्यमिक विद्यालय का रुख किया जहां स्कूली शौचालयों की स्थिति देखी गई। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने शौचालयों की फर्श और दीवारों की सफाई, पानी की निर्बाध सप्लाई और बिजली की व्यवस्था का निरीक्षण के दौरान नगर की स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। एसडीएम ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण टीम के आने तक और उसके बाद भी सफाई का यही स्तर बनाए रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर का मान बढ़ाने के लिए हर कर्मचारी को जिम्मेदारी से कार्य करना होगा। इस अवसर पर सीएमओ सहित नगर पालिका के अन्य अधिकारी और सफाई पर्यवेक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इनका कहना है

मौखिक चर्चा में बताया की स्वच्छता सर्वेक्षण टीम के द्वारा नगर का मुआयना किया जाना है। इसी के आधार पर हमारे शहर को राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग प्राप्त होगी। तैयारियों को परखने के लिए आज सार्वजनिक शौचालयों और स्कूलों का औचक निरीक्षण किया गया है। वर्तमान में स्थिति संतोषजनक है और हम इसे और बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं।

कार्तिकेय जायसवाल
एसडीएम वारासिवनी

साई लॉन के सामने खाली मैदान में भीषण आग

फायर ब्रिगेड की तत्परता से टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १ हिमाचल नगर क्षेत्र में रविवार की रात उस वक्त हड़कंप मच गया। जब वारासिवनी रामपायली मार्ग पर स्थित साई लॉन के सामने एक खाली मैदान में अचानक भीषण आग भड़क उठी। रात करीब १०.३० बजे लगी इस आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर.दूर से इसकी भयावहता देखी जा सकती थी। गनीमत रही कि नगर पालिका की फायर ब्रिगेड ने समय रहते मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। भीषण गर्मी के इस दौर में सूखी घास और कचरे के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटों को आसमान छूते देख वहां से गुजर रहे राहगीर ठिठक गए और पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। लोगों को डर था कि यदि आग पर जल्द नियंत्रण नहीं पाया गया तो पास ही स्थित रिहायशी मकान भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। घटना की सूचना तत्काल नगर पालिका परिषद की फायर शाखा को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम बिना देरी किए मौके पर पहुंची। फायर फाइटरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर काफी मशक्कत के बाद आग को चारों तरफ फैलने से रोका और अंततः उस पर पूरी तरह काबू पाया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मैदान से लगे हुए कई मकान हैं। यदि फायर ब्रिगेड पहुंचने में थोड़ी भी देरी होती तो आग रिहायशी इलाके में घुस सकती थी जिससे भारी जन धन की हानि की संभावना थी। आग बुझने के बाद प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। वर्तमान में चल रही भीषण गर्मी और लू के कारण आगजनी की घटनाएं एक संवेदनशील मुद्दा बनी हुई हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सूखे कचरे या खाली मैदानों में आग ना लगाएं और सावधानी बरतें।

बालाघाट में ढैंचा बीज का भंडारण पूर्ण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में हरी खाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा ढैंचा बीज का भंडारण विभिन्न विकासखंडों में पूरा कर लिया गया है। यह बीज किसानों को उपलब्ध कराकर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और टिकाऊ खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा।

उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि विकासखंड वारासिवनी में लालबर्रा का 4.00 क्विंटल, कटंगी का 8.00 क्विंटल तथा खैरलांजी का 5.00 क्विंटल ढैंचा बीज का भंडारण किया गया है। इसी तरह विकासखंड बालाघाट में किरनापुर एवं लांजी का 5.00-5.00 क्विंटल बीज संग्रहित किया गया है। वहीं विकासखंड बैहर में परसवाड़ा और बिरसा का 5.00-5.00 क्विंटल ढैंचा बीज का भंडारण सुनिश्चित किया गया है।

कृषि विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ढैंचा बीज का शीघ्र उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराया जा सके और वे हरी खाद के रूप में इसका उपयोग कर सकें।

अर्णव अरुण तुमसरे का युविका 2026 में चयन

अब इसरो में प्रशिक्षण प्राप्त कर अंतरिक्ष अनुसंधान के हुनर सीखेंगे अर्णव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विज्ञान और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में जिले के लिए गर्व का एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया है। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के कक्षा 10 वीं के मेधावी छात्र अर्णव अरुण तुमसरे का चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 'युविका-2026' में हुआ है। यह उपलब्धि न केवल अर्णव और विद्यालय, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश के लिए सम्मान का विषय है।

देशभर में स्ट्रक्चर (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में इस वर्ष कुल 456 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें मध्य प्रदेश राय से केवल 13 छात्र शामिल हैं। इन चुनिंदा विद्यार्थियों में पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के प्रतिभाशाली छात्र अर्णव का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खास बात यह भी है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग से केवल एक ही छात्र चयनित हुआ है, और वह अर्णव अरुण तुमसरे हैं। यह उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण को दर्शाती है।

युविका कार्यक्रम में चयन के लिए कई स्तरों पर कठिन मानदंड निर्धारित होते हैं, जिनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में रुचि के आधार पर अर्णव ने इन सभी मानकों पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, कड़ी मेहनत और विज्ञान शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन से सफलता प्राप्त की। उनकी विज्ञान के प्रति जिज्ञासु प्रवृत्ति और सीखने की लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत अर्णव को इसरो द्वारा 12 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्हें इसरो की प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण करने, अंतरिक्ष अनुसंधान, रॉकेट प्रक्षेपण, उपग्रह प्रक्षेपण आदि की बारीकियों को समझने और आधुनिक तकनीकों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। इतना ही नहीं, उन्हें देश के शीर्ष वैज्ञानिकों के साथ संवाद करने और उनसे सीधे सीखने का अनमोल अवसर भी प्राप्त होगा, जो उनके भविष्य को नई दिशा देगा।

अर्णव की इस ऐतिहासिक सफलता पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे, विज्ञान विभाग के शिक्षकों और समस्त स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि अर्णव की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

अर्णव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों, प्राचार्य और पूरे विद्यालय परिवार को देते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन ने उन्हें यहाँ तक पहुंचने में समर्थ बनाया। अर्णव का युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम में चयन इस संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और उत्कृष्ट वातावरण को दर्शाता है। निस्संदेह, अर्णव की यह उपलब्धि आने वाले समय में बालाघाट को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, साथ ही अन्य विद्यार्थियों को विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कुशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामु ?त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़ लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरूरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनोई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तित आरोप है इससे बचना चाहिए।

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा - 3 और 13 के आंकड़े को अशुभ माना जाता है जबकि इन आंकड़ों की कई सफलताओं की गाथाएं

वर्तमान आधुनिक प्रौद्योगिकी डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियों से दूर, सकारात्मक सोच रखना सफलता की कुंजी है

जीवन में हम जैसा सोचते हैं,
वैसा हमारा मन हो जाता है, जो सशक्त
और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है,
इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों
को रखें।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत मान्यताओं कहावतों, पुराणों पंक्तियों, धार्मिक गाथाओं बलि रीति रिवाजों अंकगणित के अंकों सहित अनेक सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर आदि अनादि काल से चलता आ रहा है। पौराणिक काल से ही भारत में यह प्रथाएं चलती आ रही है। परंतु हम कुछ दशकों से देख रहे हैं अनेक कुप्रथाओं और नकारात्मक सोच वाली कुछ गतिविधियों पर शासकीय स्तरपर कानून बनाकर, या कुछ प्रथाओं को सामाजिक व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर बंद करने की कोशिशें की गई है। परंतु अभी भी कुछ कुप्रथाओं या विपरीत नकारात्मक सोच शुरू है जिन्हें शासकीय या सामाजिक स्तरपर बंद नहीं किया जा सकता। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि इन्हें केवल जनता जनार्दन ने जन जागरण अभियान चलाकर ही बंद किया जा सकता है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कहावत 3 और13 के आंकड़े की है, जिसे अशुभ माना जाता है हालांकि इन आंकड़ों के कई सफलताओं की गाथाओं में से सबसे अच्छा उदाहरण हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जीवन में 3 और 13 का महत्व है। उनकी राजनीत सफलताओं में 13 मई 1996 को पहली बार पीएम की शपथ लिए, 13 दिन बाद सरकार गिरी, दोबारा 13 महीने बाद पीएम बने, तीसरी बार पीएम बने तो 13 दिनों की साझा सरकार थी। 13 अप्रैल 1999 को शपथ ली तो पूरे 5 साल चली। 2004 के चुनाव में 13 अप्रैल को ही नामांकन भरा, इस प्रकार 13 का आंकड़ा उनके जीवन में साए की तरह चलता रहा। इन आंकड़ों के अनेक सफलताओं के भावों को देखा जा सकता है। इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ मन को सकारात्मक सोच नहीं ढालें।

साथियों बात अगर हम तीन तिगड़ा काम बिगड़ा वाली कहावत की करें तो, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफलता की कुंजी है। हम 3 या 13 के आंकड़े से डरते हैं या उससे दूर भागने की कोशिश करते हैं, अशुभ मानते हैं परंतु हम अगर तीन के सकारात्मक दृष्टिकोण और अपने मन को सकारात्मक सोच में ढालें तो सफलता की गाथाएं हमारे जीवन से जुड़ जाएगी।

साथियों बात अगर हम 3 पर सकारात्मक सोच की करें तो,इसके पीछे की सच्चाई यह है कि कुछ लोग हमको अंधविश्वास में विश्वास दिलाना चाहते हैं जबकि ऐसा कुछ होता ही नहीं कोई संख्या किसी काम को निर्धारित नहीं करती ना ही उसके भविष्य को, अगर हमको लगता है कि 3 लोग किसी काम को मिलकर कर रहे हैं तो वह काम गड़बड़ हो जाएगा तो यह हमारी गलतफहमी है इसे दूर कर अंधविश्वासों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले कुछ उदाहरणों को देखें। अखिल सृष्टि के देवता, तीनों देव ब्रह्मा, विष्णुर और महेश की संयुक्त मूर्ति अधिकतर तस्वीरों में मिलती है। लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती भी तीन हैं शंकर जी भोले बाबा का तिलक तीन रेखाओं में और त्रिशूल भी तीन शूलों से बना होता है। जब भी हम मंदिर में जाते हैं, तो तीन परिक्रमा के लिए ही कहा जाता है। पूजा के बाद आरती भी तीन बार लेकर भक्त जन प्रफुल्लित हो जाते हैं।पूजन करते वक्त मुख शुद्धि के लिए तीन बार आचमन किया जाता है और तीन ईष्टदेव, कुलदेव और स्था नदेव का ध्याजन किया जाता

है। हमारी उंगलियों की तरफ ध्यापन से देखें तो प्रत्यैक उंगली के पोर में तीन रेखाएं होती हैं। खेल प्रतियोगिता में भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को ही घोषित किया जाता है। जल को भी तीन भागों में भी बांटा जाता है ठोस, द्रव और गैस। समय को भी तीन कालों में बांटा गया हैवर्तमान काल, भूतकाल और भविष्यगकाल।सिगनल भी तीन होते हैं, लाल, पीला और हरा। घड़ी की सुईंया भी तीन होती हैं। हम गौर करें कि हम गाड़ी से सफर कर रहे होते हैं, वहां भी तीन स्लीर पर बर्थ होती हैं-लोअर, मिडल और अपर। जब दौड़ शुरू की जाती है तो उसका प्रारंभ भी तीन गिन्तों के बाद शुरू होता है। हमारे देश में या और अन्य देशों में भी सेनाओं को तीन भागों में बांटा गया है जल सेना, थल सेना और वायु सेना। नदियों का संगम भी तीन नदियों से ही होता है । त्रिदेव का स्मरण करके अपने ईष्टददेव की पूजा करते समय तीन अगरबत्ती जलाने को शुभ माना जाता है। मौसम भी तीन होते हैं-सर्दी, गर्मी और बरसात । आज भी हम स्नेह मिलन तीन बार करते हैं। पूरे विश्व में त्रिगुनात्मक शक्ति सर्वोपरी मानी जाती है। मानव जीवन में भी मुख्य तीन अवस्थायें होती हैं बाल्यकाल, यौवन अवस्था और वृद्धावस्था।

साथियों तीन का प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही दृष्टि से हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है । इसलिये हमें कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिये क्योंकि हम जैसा सोचते हैं हमारे जीवन में वैसा ही होता है । हमारा मन सबसे सशक्त व शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास, आशा व सुंदर विचारों को रखना चाहिये ।

साथियों बात अगर हम 3 पर नकारात्मक सोच की करें तो, शंकर भगवान को विनाशकारी कहा जाता है क्योंकि उनके तीन नेत्र हैं।जब किसी व्यक्ति को गलत काम करने पर डांटा जाता है तो उसे थर्ड क्लास कहा जाता है। मुस्लिम धर्म में तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलने पर तलाक हो जाता है, जिसपर अभी कानून बन गया है।पुलिस थर्ड डिग्री के आधार पर अपराधी से अपराध स्वीकार करवाती है जो अत्याधिक पीड़ादायक है। शरीर में स्वास्थ्य बिगडने की सबसे बड़ी समस्या वात, पित्त और कफ मानी जाती है।किसी भी घर में गणेश जी की तीन मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है।तृतीय श्रेणी की नौकरी को अच्छा नहीं माना जाता है इसे सम्मानित दृष्टि से नहीं देखा जाता है। यहां लोग तीन तिगड़ा काम बिगाड़ा वाली सोच का संज्ञान लेते हैं जो एक नकारात्मक सोच है इसे बदलकर सकारात्मक सकारात्मक सोच में लाना चाहिए।

साथियों एक से दस तक के अंको में तीन अंक खास है, हमारे जीवन में सम और विषम अंक दोनो ही काफी महत्वा रखते हैं, कभी-कभी तीन अंक को लेकर सकारात्मसक और नकारात्म क सोच पर अच्छीी खासी बहस हो जाती है। जैसे तीन सदस्योंर को एक साथ घर से शुभ काम के लिए नहीं निकलना चाहिए। देखा जाए तो तीन अंक को काफी शुभ माना गया है। पूजन के बाद हम आचमन करते हैं, तो पंर्षडित तीन बार हमारी अंजली में पवित्र जल प्रदान करते हैं।

विचारों की माला तो
विश्वास के फूलों से बनती है,
यदि इसमें प्रेम रस भरा हो तो
सारे जहां की खुशी मिलती है ।
अगर मन की धड़कती आवाज
सुनने की आदत हो तो
दिल की कही हर बात भली लगती
है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तीन तिगड़ा काम बिगड़ा, आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है। जीवन में हम जैसा सोचते हैं वैसा हमारा मन हो जाता है जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

आप में सियासी भूचाल दलबदल कानून के घेरे में 7 राज्यसभा सांसदों का भविष्य

देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है जिसने संसद से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी में आई इस बड़ी टूट ने न केवल पार्टी के आंतरिक हालात को उजागर किया है बल्कि दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसकी सीमाओं पर भी नई बहस छेड़ दी है। राज्यसभा के कई सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की घोषणा के बाद अब यह सवाल सबसे महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या वे सांसद अपनी सदस्यता बनाए रख पाएंगे या उन्हें अयोग्य घोषित किया जाएगा।

इस पूरे मामले के केंद्र में हैं राघव चड्ढा जिनके साथ कई अन्य सांसदों ने भी पार्टी छोड़ने का दावा किया है। इनके साथ संदीप पाठक अशोक मित्तल विक्रम साहनी हरभजन सिंह स्वाति मालीवाल और नरेंद्र गुप्ता जैसे नामों का भी उल्लेख किया जा रहा है। इन सभी के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने आम आदमी पार्टी से अलग होकर भाजपा का रुख किया है। इस दावे ने राजनीतिक माहौल को और अधिक गरमा दिया है।

दूसरी ओर संजय सिंह ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर इन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। उनका कहना है कि इन सांसदों ने संविधान की दसवीं अनुसूची का स्पष्ट उल्लंघन किया है जो दलबदल को रोकने के लिए बनाई गई थी।

भारत में दलबदल विरोधी कानून जिसे दसवीं अनुसूची के नाम से जाना जाता है वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन के जरिए लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक दलों में स्थिरता बनाए रखना और निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए पार्टी बदलने की प्रवृत्ति को रोकना था। इस कानून के तहत यदि कोई सांसद या विधायक स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

इस कानून में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान है जो पार्टी व्हिप से जुड़ा हुआ है। यदि कोई सांसद सदन में अपनी पार्टी के निर्देशों के खिलाफ वोट करता है या मतदान से अनुपस्थित रहता है तो भी उसे अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पार्टी अनुशासन बना रहे और सरकार या विपक्ष की रणनीति प्रभावित न हो।

निर्दलीय सदस्यों के लिए भी इस कानून में स्पष्ट नियम हैं। यदि कोई निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसे तुरंत अयोग्य घोषित किया जा सकता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि मतदाता जिस स्वतंत्र उम्मीदवार को चुनते हैं वह बाद में किसी दल का हिस्सा बनकर उनकी अपेक्षाओं के साथ समझौता न करे।

हालांकि इस कानून में एक महत्वपूर्ण अपवाद भी है जिसे विलय का प्रावधान कहा जाता है। इसके अनुसार यदि किसी दल के दो तिहाई या उससे अधिक सदस्य एक साथ किसी अन्य दल में शामिल हो जाते हैं तो इसे दलबदल नहीं बल्कि वैध विलय माना जाता है और ऐसे सदस्यों को अयोग्यता से छूट मिल जाती है। यही वह बिंदु है जिस पर इस पूरे मामले का भविष्य काफी हद तक निर्भर करेगा।

अब सवाल यह है कि क्या आम

आदमी पार्टी के इन सांसदों की संख्या दो तिहाई के आंकड़े तक पहुंचती है या नहीं। यदि यह संख्या पूरी होती है तो ये सांसद अपनी सदस्यता बचा सकते हैं अन्यथा इन्हें अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि दोनों पक्ष अपने अपने दावे कर रहे हैं और राजनीतिक गणित तेजी से बदल रहा है।

इस पूरे मामले में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार राज्यसभा के सभापति के पास होता है। वर्तमान में यह जिम्मेदारी उपराष्ट्रपति के पास है जो इस मामले की सुनवाई करेंगे और तथ्यों के आधार पर फैसला देंगे। उनका निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वही तय करेगा कि संबंधित सांसद संसद में बने रहेंगे या नहीं।

हालांकि यह भी ध्यान देने वाली बात है कि सभापति का निर्णय अंतिम होने के बावजूद न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि दलबदल से जुड़े मामलों में सभापति के फैसले को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। इसका मतलब है कि यदि किसी पक्ष को निर्णय से असंतोष होता है तो वह न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक पार्टी तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव पूरे देश की राजनीति पर पड़ेगा। यदि बड़ी संख्या में सांसद दलबदल कर बिना अयोग्यता के बच जाते हैं तो यह अन्य दलों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है। वहीं यदि कड़ी कार्रवाई होती है तो यह संदेश जाएगा कि दलबदल कानून अभी भी प्रभावी है और उसका उल्लंघन करने पर सख्त परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दलबदल विरोधी कानून अपने उद्देश्य को पूरी तरह से पूरा कर पा रहा है या इसमें सुधार की आवश्यकता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस कानून का उपयोग कई बार राजनीतिक हथियार के रूप में भी किया जाता है जिससे विधायकों और सांसदों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति प्रभावित होती है। वहीं दूसरी ओर यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि यह कानून न हो तो राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है और सरकारें गिरने का खतरा बना रह सकता है।

आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच यह टकराव आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है। दोनों पक्ष अपने अपने तर्कों के साथ जनता और संवैधानिक संस्थाओं के सामने अपनी बात रखेंगे। इस पूरे मामले पर देश की नजर बनी हुई है क्योंकि यह केवल सात सांसदों का मुद्दा नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि दलबदल कानून भारतीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि इसका उपयोग निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो ताकि लोकतंत्र की मूल भावना बनी रहे। आने वाले समय में सभापति का निर्णय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत देगा और यह तय करेगा कि राजनीति में दल बदल की प्रवृत्ति पर कितना नियंत्रण संभव है।

-कांतिलाल मांडोत

एक जिद्दी पिता की क्रुरता भरी परवरिश से टूट गई बुढ़ापे की लाठी

- मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल अधिकांश एकल परिवार हैं वो भी न्यूक्लियर यानि एक या दो बच्चे वाले परिवार। इस स्थिति में कुछ पिता अपने बच्चों से अधिक अपेक्षा बना लेते हैं और उन का कैरियर संवारने के लिए बचपन से ही इस तरह की सख्ती करते हैं जो बच्चों को भीतर तक मर्माहत कर देती है उनका बचपन छीन लेती है नतीजा यह निकलता है कि कई बार बच्चे अभिभावकों के दबाव के चलते मानसिक बीमारी से ग्रसित हो जाते हैं उनका स्वाभाविक विकास रुक जाता है और कई बार वह बागी होकर एंग्री यंगमेन बन जाते हैं और अधिक संवेदनशील बच्चे इस कदर टूट जाते हैं कि वह आत्मघाती कदम उठा कर अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर देते हैं जैसे कि कानपुर के एक युवा वकील ने किया जब पिता के कर्कश अपमान जनक व्यवहार के साथ जद्दोजहद में युवा वकील इतना अधिक टूट गया कि उसने भरी कचहरी में पांचवी मंजिल से छलांग लगा कर जीवन को अलविदा कह दिया। उत्तर प्रदेश का कानपुर में कानपुर कचहरी में अधिवक्ता प्रियांशु श्रीवास्तव ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली । प्रियांशु ने यह आत्मघाती कदम अपने पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव की कथित सख्ती और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उठाया । मृतक ने आत्महत्या से ठीक पहले व्हाट्सएप पर दो पन्नों का स्टेटस नोट साझा किया था । इस नोट में उन्होंने बचपन की कड़वी यादों और वर्तमान की बंदिशों का विस्तार से जिक्र किया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और व्हाट्सएप स्टेटस को जांच का मुख्य आधार बनाया है।

युवा वकील प्रियांशु श्रीवास्तव के आत्महत्या मामले में सनसनी मचा दी है। कानपुर कोर्ट की पांचवी मंजिल से छलांग लगाने वाले युवा वकील का सुसाइड नोट इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, गुरुवार को दोपहर बाद युवा वकील ने कोर्ट भवन की पांचवी मंदिर से छलांग लगा दी थी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इससे पहले उसने सोशल मीडिया एकाउंट पर स्टेटस पर दो पेज का सुसाइड नोट अपलोड किया। इसमें उसने अपने पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव के जुल्म की इंतेहा को दर्ज किया। प्रियांशु श्रीवास्तव कानपुर के बर्रा आठ वरुण विहार का रहने वाला था। उसके पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव भी कानपुर कोर्ट में वकील थे। 23 वर्षीय प्रियांशु ने वर्ष 2025 में डीसी लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री हासिल की। इसके बाद वह अपने पिता के साथ ही कानपुर कोर्ट में वकालत करने लगा। गुरुवार दोपहर 12:05 बजे उसने सुसाइड नोट लिखा। इसके तीन घंटे बाद कोर्ट भवन की पांचवी मंजिल से छलांग लगा दी। कानपुर कोर्ट भवन में यह घटना घटी। कोर्ट भवन के पीछे की ओर खिड़कियां बनी हुई हैं। उनके चारों तरफ जाली लगाई है। यहां एक सिरे पर जाली नहीं है। प्रियांशु वहीं जाकर ऊपर बैठ गया था। करीब 10 मिनट तक वहीं बैठा रहा। इसके बाद वह पीछे की तरफ कूद गया। उसके नीचे गिरते ही तेज आवाज ने हर किसी को चौंका दिया। पांचवी मंजिल पर घटना के बाद वहां मौजूद वकील और अन्य लोग हैरान रह गए। कोर्ट भवन में तेज धमाके के साथ आवाज हुई तो वकील नीचे की ओर भागे। प्रियांशु जहां गिरा वहां कोई आता-जाता नहीं है। उधर जाने का रास्ता भी बंद रहता है।बार एंड लॉयर्स के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। चैनल को खुलवाया गया। इसके बाद सभी मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद वहां जिला जज अनमोल पाल भी न्यायिक अधिकारियों के साथ पहुंच गए। पुलिस और फोरेंसिक टीम भी घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची। घटनास्थल से सबूत जुटाए गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट में युवा वकील ने पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवा वकील ने सुसाइड नोट में लिखा है कि उसके ऊपर 5-6 साल की उम्र से ही जुल्म किया जा रहा है। मैंगो जूस वाली कहानी भी साझा की। वकील ने लिखा कि बात-बात पर पिता मेरी पिटाई करते थे। हमेशा मेरी बुराई ही होती थी। हमेशा नीचा दिखाया जाता है। इसलिए अब इस जिंदगी को खत्म कर रहा हूं। पिता के खिलाफ आक्रोश जताने वाले युवा वकील ने लिखा, लव यू मम्मी...।

युवा वकील प्रियांशु ने अपने सुसाइड नोट में 6 साल की उम्र में हुए अत्याचार की कहानी भी साझा की है। इसमें उसने लिखा कि मुझे यह बताने में काफी शर्म महसूस हो रही है। उसने लिखा कि 6 साल के उम्र में फ्रिज में रखे आम के जूस को पीने के चलते मेरे पिता ने मुझे निर्वस्त्र कर घर के बाहर भगा दिया था। हमारे प्रति उनका ऐसा रवैया हमेशा बना रहा। वह हमेशा मुझे बेइज्जत करते रहते थे। वकील ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं मानता हूं कि हर माता-पिता को शुरू से ही सख्त रवैया अपनाया जाना चाहिए। इससे बच्चों का भविष्य संवर सकता है। प्रियांशु ने आगे लिखा कि अगर आप अपने बच्चों पर इतनी सख्ती करेंगे तो बच्चों को हर पल घुटन महसूस होने लगेगी। परीक्षा के एक दिन पहले अगर सिलेबस पूरा तैयार नहीं है तो पीटने लगते थे। हर समय, हर मिनट नजर रखते थे। एक-एक मिनट का हिसाब लेते थे। यह मानसिक प्रताड़ना ही है। इस प्रकार के टॉर्चर से मैं अब अधिक समय तक नहीं जी सकता हूं। इसलिए, मैंने यह कदम उठाने का निर्णय लिया। बेहद परेशान प्रियांशु ने सुसाइड नोट में दावा किया कि बचपन में मारपीट और घर से भगाए जाने की घटना के बाद भी पिता नहीं थमे। बड़ा होने पर भी पिता उसके साथ अलग व्यवहार करते रहे। लगातार उसे पर मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी।

पिता बार-बार उसे बेइज्जत करते थे। पीटने लगते थे। इसने प्रियांशु को अंदर तक तोड़ दिया। वह मानसिक तौर पर टूट गया था। उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा भी कि मेरा यह निवेदन है कि मेरी लाश को मेरे पापा छू भी न पाएं। भगवान करे ऐसा पिता किसी को भी न मिले। इससे पिता के प्रति उसके मन की भावनाओं को समझा जा सकता है। यह वारदात उन अभिभावकों की आंखे खोलने के लिए सबक है जो अपने सपनों को जबरन अपने बच्चों पर थोपते है और जरा जरा सी बात पर दूसरे लोगों के सामने उन्हें अपमानित लहजे से प्रताड़ित करते हैं।पिछले साल कुम्भ मेला में चर्चा में आए आइआइटीयन बाबा अभय सिंह का मामला भी इसी वकील पिता की क्रूरता से मिलता जुलता था वहां भी एक वकील पिता के मां के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार ने एक आइआइटीयन को अवसाद में धकेल कर नशेड़ी और बाबा बनने के लिए मजबूर कर दिया। आज इक्कीसवीं सदी का दौर है इसमे उन्नीसवीं बीसवीं सदी का अशिक्षित मानसिक शारीरिक प्रताड़ना देने वाला दौर नही चल सकता आज के किशोर युवा बहुत संवेदनशील है वह थोड़ी सी दुर्व्यवहार पर ही बिखर सकते हैं टूट सकते हैं इस लिए बालकों किशोरों और नवयुवाओ के साथ सभ्य मार्गदर्शक मित्रवत मार्गदर्शन करना चाहिए नकि यातना भरा दुर्व्यवहार। आज प्रियांशु का पिता वह अभागा पिता है जिसने खुद अपने गलत व्यवहार के चलते अपने भविष्य को मौत के मुंह में जाने के लिए मजबूर कर दिया बेशक उनकी सोच बेटे को बेहतर कैरियर और इंसान बनाने की रही होगी लेकिन यकीनन उनका तरीका अक्षम्य और अमानवीयता भरा बर्बर रहा जिसका दर्द लेकर एक होनहार युवा ने मौत को गले लगा लिया और पिता की बुढ़ापे की लाठी खत्म हो गई।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर स्टॉक के चलते सोमवार को किराना जिंसों में खोपरा गोला सुधार पर रहा। शक्कर में सुस्ती रही। बादाम गिरी में बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खोपरे गोले में कमजोर स्टॉक के चलते बाजार तेजी के रहे। शक्कर में सुस्ती रही। बादाम गिरी व अन्य सूखे मेवों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्तता के बीच भावों में सुस्ती रही। सरसो व सोयाबीन में बाजार मजबूत बने रहे। दलहनों में चना 5650-5750 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4070-4150, खोपरा गोला 390-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाग्रान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1620-1640, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1470-1480, कपास्या 1440, धूलिया 1450, कड़ी 1450,

रात की धारणा- गुजरात लूज 1575, मुम्बई पाम 1445, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5800-5900, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5750, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 243000, चाँदी (99) 242900, टंच 242200, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 153300,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को चार पैसे की बढ़त के साथ ही 94.12 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 94.27 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर की निरंतर मांग और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान से रुपया दबाव में है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 94.25 पर खुला। फिर टूटकर शुरुआती कारोबार में 94.27 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 94.16 पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिका और ईराम में तनाव कम होने की उम्मीद से भी आज बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.42 अंक ऊपर आकर 77,303.63 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 194.75 अंक उछलकर 24,092.70 अंक पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयर बढ़त पर बंद हुए। सन फार्मा में सबसे अधिक करीब 7 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी पोर्ट्स, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचसीएल टेक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर उछले जबकि एक्सिस बैंक, बीईएल, ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक,

यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट रही। ब्रॉडर बाजार में बेंचमार्क इंडेक्सेज से बेहतर रहा। निफ्टी मिडकैप में 1.47 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.90 फीसदी की बढ़त रही । क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी फार्मा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी का प्रदर्शन बेहतर रहा पर प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त दर्ज की गई। हेल्थकेयर, आईटी, रियल्टी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मा और पावर इंडेक्स में से हर एक में लगभग 2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी तेजी के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 77,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी 50 भी 24,000 के ऊपर कारोबार करता दिखा। एशियाई बाजारों से मिले मजबूत संकेत एक प्रमुख वजह रहे, जिन्होंने घरेलू निवेशकों को खरीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक मोर्चे पर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव में कमी आने की उम्मीद ने भी निवेशकों के भरोसा बढ़ा है। इससे भी बाजार उछला है।

क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी बन सकती है महंगी आफत

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय मध्यम वर्ग के लिए क्रेडिट कार्ड अब सिर्फ खरीदारी का साधन नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का अभिन्न अंग बन चुका है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि फरवरी 2026 में क्रेडिट कार्ड से खर्च बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले साल से 6 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस बढ़ती सुविधा के बीच एक आदत ऐसी भी है जो आपकी वित्तीय सेहत पर भारी पड़ सकती है्र क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी। फरवरी 2026 में जहां कुल क्रेडिट कार्ड लेनदेन में 6 फीसदी की वृद्धि देखी गई, वहीं इसी अवधि में क्रेडिट कार्ड से 364.26 करोड़ रुपये नकद निकाले गए। यह एक ऐसी सुविधा है जो असल में आपकी जेब पर सबसे महंगा बोझ डालती है। क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने पर आपको अक्सर 45-50 दिनों का ब्याज-मुक्त समय मिलता है, लेकिन नकद निकासी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता। जिस पल आप एटीएम से पैसे निकालते हैं, उसी दिन से 36 से 48 फीसदी तक का भारी-भरकम सालाना ब्याज लगना शुरू हो जाता है। इसके अतिरिक्त, निकाली गई राशि पर 2.5 फीसदी से 3 फीसदी (न्यूनतम 300-500 रुपये) का कैश एडवांस शुल्क भी लगता है। इतना ही नहीं, क्रेडिट कार्ड से बार-बार नकद निकालना बैंक की नज़र में आपकी वित्तीय अस्थिरता को दर्शाता है, जिससे आपका सिबिल स्कोर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है और भविष्य में अन्य ऋण प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। यदि आपको तत्काल नकद की आवश्यकता है, तो क्रेडिट कार्ड के बजाय हमेशा एक आपातकालीन फंड बनाने, कम ब्याज वाला पर्सनल लोन लेने या छोटे खर्चों के लिए बाय नाउ पे लेटर जैसे सुरक्षित विकल्पों पर विचार करें।

हिंदुस्तान जिंक का विस्तार कार्यक्रम- वैश्विक जिंक उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती इनपुट लागतों के बावजूद, हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के लिए कमर कस रहा है। कंपनी अगले 3 से 4 वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करने के लिए 50 से 60 करोड़ डॉलर का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम तैयार कर रही है। इसका प्राथमिक लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक बनना और चांदी व महत्वपूर्ण खनिजों के कारोबार का विस्तार करना है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति से इस साल जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा होने की आशंका है। यह जानकारी हिंदुस्तान जिंक के एक मुख्य अधिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में दी। अ?धिकारी के अनुसार कंपनी का लक्ष्य वर्तमान 10 लाख टन धातु उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक पहुंचाना है। इस विस्तार के साथ अकेले जिंक का उत्पादन लगभग 8 लाख टन से बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगा, जिससे हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक कंपनी बन जाएगी। कंपनी अधिक दक्षता वाली आधुनिक इकाइयां भी स्थापित कर रही है, जो उत्पादन लागत को कम करने में सहायक होंगी। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी वर्तमान 70 फीसदी से बढ़ाकर 80-90 फीसदी तक ले जाने की योजना है। कालांतर में निवेशक कंपनी से 1,200 से 1,500 टन के बीच चांदी उत्पादन की उम्मीद कर सकते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के कारण बढ़ती इनपुट लागत इस साल कंपनी के लिए एक चुनौती पेश कर रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की लड़ाई की वजह से जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा हो सकता है। वित्त वर्ष 2027 के दौरान, कंपनी ने जिंक लागत 975 से 1,000 डॉलर प्रति टन रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें यह जोखिम प्रीमियम शामिल है। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हुए उत्पादन नुकसान का भी जिक्र किया, जो नए आर6 रोस्टर की स्थापना में देरी के कारण हुआ था। इस देरी से उत्पादन प्रभावित हुआ, क्योंकि पुराने रोस्टर बंद होने वाले थे और नया तैयार नहीं था।

मेष- आज का दिन आपके लिए संतुलित और सकारात्मक संकेत लेकर आया है। आप रिश्तों को सुधारने में पहल करेंगे। जो लोग आपसे नाराज थे, उन्हें मनाने की कोशिश सफल हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है, जिससे भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। ध्यान रखें, अपने काम किसी और के भरोसे छोड़ना आज नुकसान दे सकता है। अपनी दिनचर्या को सुधारने का आपका प्रयास रंग लाएगा और यदि आपने कोई कर्ज लिया था, तो उसे चुकाने में भी सफलता मिल सकती है।मन हल्का होगा।

वृषभ- आज का दिन थोड़ा सतर्कता मांगता है। अनावश्यक जोखिम लेने से बचें, खासकर वाहन से जुड़ी लापरवाही भारी पड़ सकती है। दूर रह रहे किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और आपकी कार्यकुशलता में निखार आएगा। लेकिन भावनाओं में बहकर लिया गया फैसला बाद में पछतावा दे सकता है।आज हर कदम सोच-समझकर उठाएं।

मिथुन- आज आपको कुछ खास और प्रभावशाली लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा, जो भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकता है। संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती है, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। कानूनी मामलों में सावधानी बरतें और बड़े बुजुर्गों से सलाह लेने में संकोच न करें। अपनी जिम्मेदारियां खुद निभाएं। दूसरों पर निर्भरता आपको पीछे कर सकती है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और सम्मान मिलने के योग बनेंगे।

कर्क- आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन समझदारी से काम लेने पर आप हर परिस्थिति को संभाल लेंगे। अपनी क्षमताओं को पहचानें और उसी अनुसार काम करें। आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करना सही नहीं रहेगा। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मन खुश कर सकती है। नौकरी से जुड़े कामों के लिए आपको यात्रा या भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

सिंह- आज आपको अपनी आर्थिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। खर्चों पर नियंत्रण रखें, नहीं तो कर्ज बढ़ सकता है। हालांकि सेहत में पहले से सुधार महसूस होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। पिताजी की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। किसी की सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने से बचें। अपनी समझ से निर्णय लें, तभी दिन बेहतर बनेगा।

कन्या- आज आपकी नेतृत्व क्षमता खुलकर सामने आएगी और साथियों का पूरा सहयोग मिलेगा। काम के प्रति संतुष्टि महसूस करेंगे। माता-पिता की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें। यदि प्रॉपर्टी खरीदने का विचार है, तो लोन में थोड़ी अड़चन आ सकती है। परिवार में चल रही खटपट को आप समझदारी और बातचीत से सुलझाने में सफल रहेंगे। घर का माहौल बेहतर होगा।

तुला- आज आपको छोटे-छोटे लाभ के अवसरों पर ध्यान देना होगा। दिखावे से दूर रहकर सादगी अपनाना ही समझदारी है। बातचीत में संयम रखें, क्योंकि एक गलत शब्द आपके काम बिगाड़ सकता है। परिवार के बुजुर्गों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। गुस्से पर काबू रखें, वरना बनते काम भी बिगड़ सकते हैं और किसी की बात दिल को लग सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन नई शुरुआत और बड़े फैसलों का संकेत दे रहा है। प्रॉपर्टी खरीदने या नया वाहन लेने का सपना पूरा हो सकता है। कुछ अनचाहे खर्च सामने आएंगे, लेकिन आप उन्हें संभाल लेंगे। सरकारी कामों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। एक साथ कई काम आने से थोड़ी उलझन रहेगी, लेकिन आप अपनी सूझबूझ से सब संभाल लेंगे। लंबे समय से चली आ रही इच्छाएं पूरी हो सकती हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए सफलता और संतोष लेकर आएगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता जरूर मिलेगी। जीवनसाथी को नई नौकरी मिलने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा। दान-पुण्य और धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। हालांकि घरेलू जरूरतों को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है।

मकर- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए शानदार दिन है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत होगी। घर-परिवार की समस्याओं को सुलझाने का अवसर मिलेगा। पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से खुशियां बढ़ेंगी। रुका हुआ धन वापस मिलने के भी प्रबल योग हैं।

कुंभ- आज मेहनत और बुद्धिमत्ता से आप सबको प्रभावित करेंगे। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का फायदा मिलेगा और आपकी साख मजबूत होगी। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं। हालांकि माताजी की सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। पिताजी की कोई बात आपको थोड़ी खल सकती है, लेकिन धैर्य रखें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में पूरा ध्यान लगाना होगा। यही सफलता की कुंजी है।

मीन- आज आपको आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। कोई बड़ा जोखिम न लें। आसपास के लोगों से तालमेल अच्छा रहेगा और राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। नए घर से जुड़े काम की शुरुआत हो सकती है। कोई आपसे धन उधार मांग सकता है। सोच-समझकर फैसला लें। परिवार के साथ समय बिताएं और बेवजह दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें।

शब्दजाल - 8242

सा	म	प	कु	क	या	म	त	ला	नी	क
ए	ग	र	ज	इं	डे	ने	ह	क	जं	प
क	त	दे	अ	म	न	इ	दि	न	ग	म
हि	न	श्री	म	ज	ल	स	वा	प	प	घा
व्दू	म	बा	थ	त	न	उ	ना	ख़	री	त
स्ता	जे	बु	र	ग	द	बी	म	ल	इ	सा
नी	मा	दे	सो	व	जा	स	स्ता	पी	ख़	न
रा	दे	श	बा	च	प	जी	ना	इ	भ	क
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	त
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	अ	ग्नि	व	र्षा	स	म

शब्दजाल में रवीना टंडन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कयामत, एक हिन्दुस्तानी, सोच, अग्निवर्षा, घात, जंग, अजनबी, राजाजी, परदेशी बाबू, दिवाना मस्ताना

शब्दजाल - 8241 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	06.30 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.28 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.41 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.09 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.20 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.35 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.51 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.56 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	01.42 बजे से
		मीन	03.15 बजे से
		मेष	04.46 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 118 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि द्वादशी 18.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 22.36 बजे को समाप्त। योग व्याघात 21.05 बजे को समाप्त। करण बव 06.31 बजे तदनन्तर बालव 18.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872693
जूलियन दिन 2461158.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 10
विशेष परशुराम द्वादशी, भौम प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7186

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरुदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'वीर' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नताशा सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, अरुणाव, विवेक, लिशा, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा लिए जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरुख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शोबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'सोने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अस्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सारे जग का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7185

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पुरस्कार

पुराने जमाने में एक राजा था। उसे सुंदर इमारतें बनवाने का शौक था। उसने दूर-दूर से कुशल शिल्पियों को अपने राज्य में बुला रखा था ताकि वे राज्य में और सुंदर-सुंदर इमारतों व विशाल प्रासादों और भवनों का निर्माण कर सकें। राजा शिल्पियों का आदर भी करता था और उन्हें उचित पारिश्रमिक के अलावा पुरस्कार भी देता था। इन्हीं शिल्पियों में एक अत्यंत अनुभवी शिल्पी भी था जो अब वृद्ध हो गया था। उसने वर्षों तक राज्य की सेवा करते हुए अनेक उत्कृष्ट भवनों का निर्माण किया था। एक दिन वृद्ध शिल्पी ने राजा से कहा, 'महाराज मैंने जीवन भर राज्य की सेवा की है लेकिन अब मैं वृद्ध हो गया हूं इसलिए मुझे राज्य की सेवा से मुक्त करने की कृपा करें ।' राजा ने वृद्ध शिल्पी की बात बड़े ध्यानपूर्वक सुनी और उससे कहा, 'महान शिल्पी आपकी सेवाओं के लिए मैं ही नहीं, पूरा राज्य आपका कृतज्ञ है। आपको सेवानिवृत्त होने का पूरा अधिकार है लेकिन मेरी ख्वाहिश है कि सेवानिवृत्ति से पहले आप मेरे लिए एक भवन और बनाओ जो आज तक बने सभी भवनों से श्रेष्ठ व उत्कृष्ट हो'। शिल्पी राजा की ख्वाहिश को कैसे टाल सकता था! वह भवन बनाने में जुट गया लेकिन बेमन से। उसने उस श्रेष्ठता व उत्कृष्टता का परिचय नहीं दिया जिसकी उससे अपेक्षा थी। बस किसी तरह भवन पूरा कर दिया और राजा से पुनः सेवामुक्ति की प्रार्थना की। राजा ने कहा, 'मैं आपकी कला से अत्यंत प्रभावित हूं और इसीलिए मैंने आपसे इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण करवाया है ताकि आपको पुरस्कार स्वरूप यह भवन दे सकूं।'

सूडोकु नवताल- 7495

★★★★☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 7494 का हल

शब्द पहेली - 8710

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सदपुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -8709 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पारिवारिक विवाद बना जानलेवा-रिसेवाड़ा में महिला की हत्या, पति पर संदेह, जांच में जुटी पुलिस

घर के भीतर मिला खून से सना शव, सिर पर वार से हुई मौत, एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। बहेला थाना अंतर्गत ग्राम रिसेवाड़ा में एक दुखद घटना सामने आई है। 27 वर्षीय विवाहित महिला नंदनी नाईक (पति योगराज उर्फ योगेश उर्फ टेम्पु नाईक) को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने मारपीट कर उसे जान से मार दिया। थाना बहेला पुलिस ने इस मामले में मर्ग क्रमांक 10/2026 धारा-194 बीएनएस के तहत कायम कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। सूचना के अनुसार, घटना 26 अप्रैल 2026 की रात करीब 9 बजे मृतिका के घर के कमरे (वार्ड नंबर 11, रिसेवाड़ा) में हुई। मृतिका के पिता रामू टेकाम (उम्र 55 वर्ष, वार्ड नंबर 16, रिसेवाड़ा) ने देहाती मर्ग इंटीमेशन में बताया कि उनकी बेटी की करीब 7-8 वर्ष पहले गांव के ही योगराज उर्फ योगेश उर्फ टेम्पु के साथ भागकर मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद से वह ससुराल में रह रही थी। दंपति के दो बच्चे हैं — एक बेटा वंश और एक बेटी मायरा। पिता रामू ने आरोप लगाया कि योगेश अपनी पत्नी और बच्चों को उनके मायके आने नहीं देता था। इस बात को लेकर कई बार घरेलू विवाद, गाली-गलौज और मारपीट होती रही। गांव के पूर्व सरपंच सुरेश लिल्हारे समेत अन्य लोगों ने कई बार

समझाइश दी, लेकिन योगेश कुछ दिनों बाद फिर से मारपीट शुरू कर देता था। 27 अप्रैल सुबह जब रामू को गांव में यह खबर मिली कि उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है, तो उन्होंने मौके पर जाकर देखा कि नंदनी के सिर पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था। कमरे में भी खून के निशान मौजूद थे। रामू ने तुरंत थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मर्ग इंटीमेशन के आधार पर प्रभारी आर. 401 सुशील सहारे और जांचकर्ता सन्दीत रामासिंह द्वारा प्रक्रिया पूरी की जा रही है। सूचना एसडीएम लांजी को भी भेज दी गई है। परिजनों का कहना है कि यह घरेलू हिंसा का मामला है, जबकि पुलिस अभी संदिग्ध मौत के रूप में जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत हत्या, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई। यह घटना ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा की समस्या को एक बार फिर उजागर करती है। पुलिस आगे की जांच में पति योगराज उर्फ योगेश को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इनका कहना है

महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल लांजी भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही इस वारदात की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। फिलहाल, पुलिस हत्या के कारणों की तह तक जाने के लिए विभिन्न पहलुओं और आपसी रंजिश की दिशा में जांच को आगे बढ़ा रही है। मृतका के मायके पक्ष और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

रामकुमार रघुवंशी
थाना प्रभारी,बहेला

अघोषित विद्युत कटौती से आम जनता परेशान,गर्मी से हों रही परेशानी

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुँचने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। ऐसे में बिजली की बार-बार हो रही अघोषित कटौती ने आग में घी डालने का काम किया है। लांजी नगर में हर आधे घंटे में बिजली गुल होने की स्थिति से रहवासियों के साथ-साथ व्यापारी वर्ग में भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है। नगर में दिन और रात, दोनों ही समय बिजली की अनियमित आपूर्ति से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। बार-बार ट्रिपिंग और कटौती के कारण घरों में पंखे, कूलर और अन्य बिजली उपकरण शो-पीस बनकर रह गए हैं। उमस भरी गर्मी में सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि बिजली की अस्थिरता के कारण ग्राहक दुकानों में रुकना पसंद नहीं कर रहे, जिससे उनका कारोबार चौपट हो रहा है।

ट्रांसफार्मर में आग लगने से गहराया संकट

लगातार हो रही कटौती और नागरिकों के आक्रोश के बीच विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया की लांजी-भिलाई मार्ग पर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के समीप रखे ट्रांसफार्मर डीटीआर के बॉक्स में तकनीकी खराबी के कारण अचानक भीषण आग लग गई थी। इस तकनीकी खराबी के कारण ही पूरे नगर की विद्युत सप्लाई बाधित हुई। सूचना मिलते ही विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुँचे और युद्धस्तर पर सुधार कार्य शुरू किया गया। देर शाम तक कड़ी मशक्कत के बाद फाल्ट को ठीक कर आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल की जा सकी।

विभाग की अपील- ट्रांसफार्मर के पास न फेकें कचरा

विद्युत विभाग ने इस घटना के बाद आम नागरिकों से एक विशेष अपील की है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लोग अक्सर ट्रांसफार्मर के आसपास कागज और अन्य ज्वलनशील कचरा फेंक देते हैं।

गर्मी के मौसम में इस कचरे के कारण केबल में आग लगने और शॉर्ट सर्किट होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे विद्युत उपकरणों और ट्रांसफार्मर के पास साफ-सफाई रखें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह 2026) का आयोजन 1 मई से

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा इस वर्ष ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह 2026) का आयोजन पूरे नवीन स्वरूप में किया जा रहा है। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के नेतृत्व में यह शिविर खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ फिटनेस, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जागरूकता का समग्र मंच साबित होगा। इस शिविर का मुख्य

उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी बनाने के साथ ही उनमें खेलों के प्रति रुचि विकसित करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करना, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान एवं प्रोफाइलिंग करना, व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना, परिवार एवं समाज को फिटनेस एवं खेल संस्कृति से जोड़ना तथा विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों को खेलों की मुख्यधारा में लाना है। प्रज्ञात वासनिक ब्लॉक समन्वयक (खेल एवं युवा कल्याण विभाग) के अनुसार, जिले के हर विकासखंड में न्यूनतम दो खेलों का चयन कर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विकासखंड लांजी में कबड्डी, वॉलीबॉल एवं एथलेटिक्स खेलों का चयन किया गया है। यह शिविर 1 मई 2026 से प्रारंभ होकर लगातार न्यूनतम 30 दिनों तक चलेगा। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को निरंतर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को चिन्हित कर उन्हें राज्य स्तरीय खेल अकादमियों और प्रतिभा खोज कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए भेजा जाएगा। नगर एवं विकासखंड के सभी विद्यार्थी, युवा और खिलाड़ी (विशेषकर बालिकाएं) को अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में भाग लेने का आह्वान किया गया है। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने अपील की है कि युवा पीढ़ी मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ बने तथा खेलों के माध्यम से आगे बढ़े। आरोह 2026 न केवल खेल कौशल विकसित करेगा, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का भी विकास करेगा।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल पेड़ से टकराई, युवक घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ते तापमान के बीच सड़कों पर सफर करना जोखिम भरा साबित हो रहा है। सोमवार शाम एक ऐसा ही मामला सामने आया, जहाँ गर्मी के कारण चक्कर आने से एक मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर पलाश के पेड़ से जा टकराया। जानकारी के अनुसार, ग्राम चिखलामाली निवासी संजय टेकाम (44 वर्ष) सोमवार शाम करीब 4:30 बजे अपने बच्चों को मोहझरी शासकीय स्कूल में साइकिल दिलाकर वापस लौट रहे थे। बच्चों को छोड़ने के बाद वे अपनी मोटरसाइकिल एमपी 50 एमआर 8136 से एक शादी समारोह में शामिल होने आमगांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुम्हारीकला-लाडसा मार्ग पर तीव्र मोड़ के पास अत्यधिक गर्मी के कारण उन्हें अचानक चक्कर आ गया और उनकी बाइक सीधे सड़क किनारे लगे पलाश के पेड़ से जा भिड़ी। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसकी मदद से घायल को सिविल अस्पताल लांजी पहुँचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद युवक की स्थिति सामान्य देखते हुए उसे छुट्टी दे दी गई। घायल संजय ने बताया कि मोड़ पर अचानक सिर घूमने के कारण वह संतुलन खो बैठा था, जिससे उसके सीने में मामूली चोटें आई हैं।

लांजी महाविद्यालय में आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पर व्याख्यानमाला युवाओं को मिला आध्यात्मिक प्रेरणा का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदि गुरु शंकराचार्य जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर महाविद्यालय लांजी में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संतोष मोरघडे ने शंकराचार्य जी के जीवन और उनके दार्शनिक विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आठवीं सदी में केरल में जन्मे शंकराचार्य जी ने बाल्यकाल से ही अध्यात्म में गहरी रुचि दिखाई और मानव कल्याण तथा सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए अल्पायु में ही संन्यास ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि मात्र आठ वर्ष की आयु में उन्होंने केरल से ओंकारेश्वर

तक की कठिन यात्रा की और देश के चारों दिशाओं में मठों की स्थापना कर सांस्कृतिक एकता को मजबूत किया। उन्होंने नर्मदा संरक्षण के लिए भी रचनाएं कीं और समाज को यह संदेश दिया कि प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास है। व्याख्यान में यह भी बताया गया कि उस समय सनातन संस्कृति पाखंडवाद और तर्कहीन गतिविधियों के कारण कमजोर पड़ रही थी, तब शंकराचार्य जी ने अपने ज्ञान और तर्क के माध्यम से धर्म के मूल स्वरूप को पुनः स्थापित किया और समाज को सही दिशा प्रदान की। कार्यक्रम की रूपरेखा संतोष नागपुरे द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन इस उद्देश्य से किया जाता है, ताकि वर्तमान पीढ़ी महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 27 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं-चना खरीदी में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम समर्थन मूल्य पर गेहूँ एवं चना की खरीदी तथा भावांतर योजना में सरसो खरीदी की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले की 4388 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए अपना पंजीयन कराया है। इसमें से 1511 किसानों ने स्लॉट बुक कराया है और 312 किसानों से 7056 क्विंटल गेहूँ खरीदी की जा चुकी है। इसी प्रकार समर्थन मूल्य पर चना की बिक्री के लिए 2609 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इसमें से 450 किसानों ने स्लॉट बुक किया है और 47 किसानों से 976 क्विंटल चना की खरीदी की जा चुकी है। भावांतर योजना में सरसो की खरीदी शुरू नही हुई है। कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जितने किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है, उन सभी के स्लॉट बुक निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से कराये। किसानों से खरीदी गई उपज का भुगतान शीघ्रता से करने के निर्देश दिये गए। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि जिले की मंडियों में कृषि उपज के विक्रय पर निगरानी रखे।

लक्ष्य अनुरूप कार्य की प्रगति नहीं पायी जाने पर होगी कार्यवाही

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस अभियान के अंतर्गत दिये गए लक्ष्य के अनुरूप कार्य समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए। इस अभियान के कार्यों की पोर्टल पर फोटोग्राफ्स के साथ अनिवार्य रूप से एंट्री करने के निर्देश दिये गए। बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, श्रमयोगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, कृषि पंपों के लिए कुसुम-बी योजना, कामधेनु योजना, क्षीरधारा योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियो को निर्देशित किया गया कि इन योजनाओं के लक्ष्य पूर्ति के लिए गंभीरता से प्रयास करें। लक्ष्य पूर्ण नही होने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की चेतावनी दी गई। सहायक संचालक मत्स्योद्योग को निर्देशित किया गया कि जिले के जलाशयों में केजकल्चर लगाने का कार्य प्राथमिकता से करें और इसमे अधिक से अधिक लोगो को लाभान्वित करें।

नगरीय निकायों की रैंकिंग सुधारने और सर्वे तेज करने के निर्देश

बैठक में नगरीय निकायों के स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा के दौरान सभी सीएमओ को निर्देशित किया गया कि वे गत वर्ष की रैंक में सुधार लाने के लिए कारगर प्रयास करें। यदि इस वर्ष नगरीय निकाय की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार नही होगा तो जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, भू-अर्जन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कुपोषित बच्चों का घर-घर जाकर सर्वे कराए और गर्भवती माताओं का अनमोल पोर्टल पर एएनसी पंजीयन कराए। कोई भी गर्भवती माता एएनसी पंजीयन से वंचित नही रहना चाहिए। पोर्टल पर पंजीकृत सभी गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव का प्रबंधन करने के निर्देश दिये गए।

पोर्टल एंट्री में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

बैठक में सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि शालाओं में बच्चों को वितरित निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की पोर्टल पर शीघ्रता से शत प्रतिशत एंट्री कराए। पुस्तक वितरण होने के बाद पोर्टल पर एंट्री नही होने पर संबंधित बीआरसी के विरुद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी। आंगनवाडी केंद्रो के 03 से 06 वर्ष आयु के सभी बच्चों का शाला में पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। जनगणना-2027 के कार्यो की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में स्वगणना करने वाले परिवारों की संख्या अपेक्षा से बहुत कम है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि 30 अप्रैल तक पोर्टल पर अधिक से अधिक लोगो की स्वगणना कराने का कार्य करें। जिससे जनगणना के दौरान प्रगणकों का कार्य आसान हो सके।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारण्टी, एमपी ई-सेवा के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि इन प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का भी तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

बालाघाट के किसानों के लिए सुनहरा मौका- हरी खाद अपनाकर सुधारें मिट्टी की सेहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध बालाघाट जिले में खेती की निरंतरता बनाए रखना किसानों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। लगातार रासायनिक उर्वरकों के उपयोग और धान-गेहूँ फसल चक्र के चलते मिट्टी की उर्वरता में गिरावट देखी जा रही है। ऐसे में कृषि विभाग ने किसानों को 'हरी खाद' (ग्रीन मैन्योर) अपनाने की सलाह दी है, जिसे मिट्टी की सेहत सुधारने का सस्ता और प्रभावी उपाय माना जा रहा है।

उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि हरी खाद का उपयोग मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाने के साथ-साथ धान की पैदावार में भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। यह तकनीक विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए फायदेमंद है, जिससे यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च 25 से 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

मिट्टी और फसल दोनों को फायदा

जिले के कई क्षेत्रों में मिट्टी सख्त होती जा रही है, जिससे फसलों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है। ढैंचा और सनई जैसी हरी खाद फसलों को खेत में मिलाने से मिट्टी भुरभुरी बनती है और जल धारण क्षमता बढ़ती है। इससे मानसून के दौरान फसलों को पर्याप्त नमी मिलती है और उत्पादन में सुधार होता है।

बुवाई का सही समय और तरीका

विशेषज्ञों के अनुसार, मई-जून का समय हरी खाद की बुवाई के लिए सबसे उपयुक्त है। प्री-मानसून बारिश के साथ ढैंचा या सनई की बुवाई की जाती है। करीब 45 से 50 दिनों बाद, जब फसल में फूल आने लगते हैं, तब उसे रोटावेटर या हल की मदद से खेत में पलट दिया जाता है। इसके 10 से 12 दिन बाद धान की रोपाई शुरू की जा सकती है।

कृषि विभाग की अपील

कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि टिकाऊ खेती और बेहतर मृदा स्वास्थ्य के लिए इस वर्ष अपने खेतों के कम से कम एक हिस्से में हरी खाद का उपयोग अवश्य करें। स्वस्थ धरा, खेत हरा के संकल्प के साथ हरी खाद अपनाकर जिले की कृषि को नई दिशा दी जा सकती है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन सरकार की नियुक्तियों में 'सियासी संतुलन' का फॉर्मूला

सिंधिया-तोमर-संघ और संगठन सभी को साधा

भोपाल। मध्यप्रदेश में लंबे समय से लंबित निगम-मंडल, आयोग और प्राधिकरणों में नियुक्तियों का दौर अब तेज हो गया है। हालिया आदेशों को देखें तो साफ संकेत मिल रहे हैं कि मोहन सरकार सिर्फ रिक्त पद भरने तक सीमित नहीं है, बल्कि इन नियुक्तियों के जरिए क्षेत्रीय और संगठनात्मक समीकरण भी साध रही है। खासतौर पर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में यह रणनीति स्पष्ट दिखाई दे रही है। सबसे ज्यादा चर्चा केपी यादव की नियुक्ति को लेकर है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराया था। बाद में सिंधिया के भाजपा में आने के बाद भी यादव उनके खिलाफ कई मुद्दों पर मुखर रहे, हालांकि समय-समय पर दोनों नेताओं को साथ भी देखा गया। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने केपी यादव का टिकट काटकर सिंधिया को उम्मीदवार बनाया था। इसके बावजूद केपी यादव ने बगावती तेवर नहीं अपनाए। उस दौरान केंद्रीय नेता अमित शाह ने उन्हें भविष्य में बड़ी जिम्मेदारी देने का संकेत दिया था। अब उन्हें सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन का अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने बड़ा संदेश दिया है।

गुड़ा सिंधिया समर्थक, अशोक जादौन तोमर खेमे से

वहीं, ग्वालियर विकास प्राधिकरण की कमान मधुसूदन भदौरिया को सौंपी गई है, जिन्हें संघ पृष्ठभूमि का नेता माना जाता है। वे भाजपा संगठन में महामंत्री भी रह चुके हैं। इसे संघ और संगठन के प्रतिनिधित्व के तौर पर देखा जा रहा है। इसके उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता को सिंधिया समर्थक, जबकि वेद प्रकाश शिवहरे को नरेंद्र सिंह तोमर खेमे से जुड़ा माना जाता है। इसके अलावा अशोक जादौन को ग्वालियर मेला प्राधिकरण का अध्यक्ष और उदयवीर सिंह गुर्जर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। अशोक जादौन को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का करीबी माना जाता है।

सभी को साथ लेकर बढ़ने की रणनीति

वहीं, अशोक शर्मा को ग्वालियर विकास क्षेत्र विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। वे पहले कांग्रेस में रहे हैं और बाद में भाजपा में शामिल हुए। उन्हें सिंधिया खेमे से जोड़कर देखा जाता है। पूर्व विधायक रामनिवास रावत की नियुक्ति भी चर्चा में है। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में आए रावत को पहले वन मंत्री बनाया गया था, लेकिन उपचुनाव हारने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा। अब उन्हें वन विकास निगम लिमिटेड का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें मुख्यमंत्री मोहन यादव के करीबी नेताओं में गिना जाता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन नियुक्तियों के जरिए भाजपा ने साफ संकेत दिया है कि संगठन, संघ, सिंधिया समर्थक और नए सहयोगियों सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

प्रदेश के दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर लगेंगी स्मार्ट मशीनें

अब दूध की गुणवत्ता और वजन की होगी डिजिटल जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत भरी पहल होने जा रही है। प्रदेश के करीब 7 हजार दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर जल्द ही अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों के जरिए दूध के वजन और गुणवत्ता की तुरंत जांच हो सकेगी, जिससे मिलावट और गड़बड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को उनके दूध का सही मूल्य मिलेगा, वहीं उपभोक्ताओं तक बेहतर गुणवत्ता वाला दूध पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अभी कई स्थानों पर दूध की जांच और वजन की प्रक्रिया मैन्युअल होने के कारण विवाद और शिकायतें सामने आती रही हैं।

नई मशीनों में दूध का वजन करने और उसकी गुणवत्ता जांचने की सुविधा एक साथ होगी। दूध संग्रहण केंद्र पर किसान जैसे ही दूध लेकर पहुंचेगा, मशीन तुरंत वजन दर्ज करेगी। हालांकि फैट समेत अन्य जांच पहले की तरह होगी। इस पूरी प्रक्रिया का डेटा ऑनलाइन दर्ज होगा और किसान मोबाइल एप के जरिए अपने दूध की जानकारी देख सकेंगे। संग्रहण केंद्रों के संचालक और दुग्ध संघ के अधिकारी भी रियल टाइम डेटा मॉनिटर कर सकेंगे।

अभी क्या दिक्कतें आती हैं

वर्तमान व्यवस्था में कई केंद्रों पर दूध की गुणवत्ता जांच मैन्युअल तरीके से होती है। ऐसे में वजन और फैट की गणना को लेकर कई बार किसानों की शिकायतें सामने आती हैं। कुछ स्थानों पर गलत एंट्री और रिकॉर्ड में गड़बड़ी को शिकायतें भी मिलती रही हैं। नई मशीनों के आने से पारदर्शिता बढ़ेगी और भुगतान प्रक्रिया भी अधिक भरोसेमंद होगी। वहीं, दूध उत्पादकों का कहना है कि कई बार भैंस के दूध को गाय का दूध बताकर कम कीमत देने जैसी शिकायतें सामने आती हैं। नई तकनीक लागू होने से इस तरह की समस्याओं पर अंकुश लगेगा और किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सकेगा।

तीन से चार माह में स्थापित हो जाएंगी मशीनें

मध्य प्रदेश सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के एसीएस उमाकांत उमराव ने बताया कि दो से तीन महीने में यह मशीनें केंद्रों पर लग जाएंगी। इससे दुग्ध की गुणवत्ता सुधरने के साथ ही किसानों और पशुपालकों को लाभ होगा।

किसान को बुवाई के अनुसार दिया जाएगा खाद

- खाद के लिए अब किसानों को नहीं करनी होगी भागदौड़

भोपाल। प्रदेश में खाद को लेकर हर सीजन में होने वाली मारामारी से बचने के लिए सरकार ने जबलपुर, शाजापुर और विदिशा में खाद वितरण के लिए ई-विकास पोर्टल को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया था। इसके सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद एक अप्रैल से पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। अब किसान को जमीन के क्षेत्रफल और फसल के हिसाब से खाद मिलेगी। ई-विकास के माध्यम से टोकन जनरेट होगा, जो तीन दिन तक वैध रहेगा। किसान यदि सहकारी समिति का सदस्य है तो संबंधित दुकानों का टोकन मिलेगा। यदि सदस्य नहीं है तो उसे दूसरी दुकानें बताई जाएंगी। एक माह में किसी भी किसान को 50 बोरी से अधिक खाद नहीं मिलेगी।

प्रदेश सरकार की इस पहल को भारत सरकार भी अपना रही है और कुछ स्थानों पर इसके पायलट प्रोजेक्ट चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। खरीफ सीजन हो रबी, हर साल खाद वितरण केंद्रों पर लंबी-लंबी लाइनें लगती हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति संभालने के लिए पुलिस बल भी तैनात करना पड़ता है और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी लगते हैं। यह व्यवस्था लाइनों से छुटकारा दिलाने में सहायक सिद्ध हुई है। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से सुबह सात से शाम आठ बजे के बीच एग्रीस्टेक आईडी (फार्मर आईडी) में दर्ज रकबे (क्षेत्रफल) एवं फसल के आधार पर आनलाइन टोकन बुक कर खाद खरीद सकते हैं। खाद कौन सी लेना है यह किसान ही तय करते हैं। किसान द्वारा खाद लेते ही विक्रय केंद्र के भंडार में से आनलाइन उतनी कमी दर्ज हो जाती है। इससे मांग और आपूर्ति का सिस्टम बना रहता है। मोबाइल पर ओटीपी के माध्यम से पंजीयन की प्रक्रिया करनी होती है। यदि किसान समय सीमा यानी 72 घंटे में खाद नहीं लेता है तो टोकन निरस्त हो जाएगा और दोबारा प्रक्रिया करनी होगी। यदि किसी किसान की भूमि पोर्टल पर दिखाई नहीं दे रही है तो वह एसडीएम को आवेदन करेगा और वहां से टोकन बन जाएगा।

ये भी है नियम

बुजुर्ग, दिव्यांग, बटाईदार आदि होने पर किसान किसी दूसरे व्यक्ति को खाद लेने के लिए अधिकृत कर सकता है। जमीन अधिक होने पर यदि किसी किसान को पात्रता 50 बोरी से अधिक है तो भी एक माह में 50 बोरी से अधिक खाद नहीं मिलेगी। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पारदर्शी व्यवस्था बनाकर लागू की गई है। उधर, अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को देखते हुए खाद की कमी की जो आशंका जताई जा रही थी, वैसी स्थिति फिलहाल नहीं है। प्रदेश के पास 5.75 लाख टन यूरिया, 5.25 लाख टन डीएपी और एनपीके के साथ 3.75 लाख टन सिंगल सुपर फास्फेट रखा है। 10 लाख टन खाद के अग्रिम भंडारण के विरुद्ध आठ लाख टन का भंडारण हो चुका है। यूरिया की आवक लगातार नहीं हुई है।

सरकार से मंजूर अनुदान नहीं मिलने से पोषण आहार प्लांट तीन माह से बंद

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नारी वंदन अधिनियम पर चर्चा के बीच महिलाओं की स्थिति से जुड़ी एक अहम तस्वीर सामने आई है। प्रदेश में पोषण आहार प्लांट चलाने वाली वे महिलाएं, जिन्हें 9 साल पहले स्वामित्व दिया गया था, अब आर्थिक संकट के चलते मजदूरी करने को मजबूर हैं। सागर की अनिता चौकसे ने बताया कि उनका प्लांट तीन महीने से बंद है, क्योंकि सरकार से पर्याप्त राशि नहीं मिल रही है और वेंडरों का भुगतान नहीं हो पा रहा है। वहीं देवास की दुर्गा ने बताया कि उसका प्लांट 24 दिन तक बंद रहा और अब मुश्किल से शुरू किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंडला की मनीषा परस्ते ने भी एक महीने से प्लांट बंद होने की बात कही। स्थिति से नाराज महिला स्व-सहायता समूहों ने रविवार को तीनों स्थानों पर प्रदर्शन किया।

मप्र सरकार का वीवीआईपी बेड़ा होगा हाईटेक

24 साल बाद नया जेट विमान राज्य सरकार के बेड़े में होगा शामिल

भोपाल। मप्र सरकार लंबे इंतजार के बाद अपने वीवीआईपी विमान बेड़े को अपग्रेड करने जा रही है। करीब 24 साल बाद नया जेट विमान राज्य सरकार के बेड़े में शामिल होगा। जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 जुलाई में सरकार को मिल जाएगा। राज्य सरकार को मिलने वाला आधुनिक बिजनेस जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 अत्याधुनिक विमान कनाडा की कंपनी बॉम्बार्डियर इंक. द्वारा तैयार किया जा रहा है। राज्य सरकार इस विमान को संचालित करने के लिए अपने पायलट को विशेष प्रशिक्षण के लिएअमेरिका भेजेगी। ताकि वे इस अत्याधुनिक जेट को सुरक्षित और कुशलता से उड़ा सकें। वहीं राज्य सरकार का करीब 170 करोड़ का अत्याधुनिक एच160 हेलीकॉप्टर जनवरी 2027 तक बेड़े में शामिल हो जाएगा। यह हेलीकॉप्टर फ्रांस की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एयरबस हेलीकॉप्टर द्वारा निर्मित है। बताया जा रहा है कि भारत में फिलहाल इस मॉडल के केवल 5 से 6 हेलीकॉप्टर ही संचालित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि मप्र सरकार के पास अभी अपना कोई विमान नहीं है। सरकार पिछले करीब पांच साल से किराए के विमान में हवाई सफर कर रही है। सरकार नया विमान खरीदने के आदेश जारी कर चुकी है। मई तक नए विमान की डिलिवरी होना प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके जुलाई में आने के आसार हैं। इस तरह सरकार को अभी तीन महीने और किराए के विमान में यात्रा करना होगी। सूत्रों का कहना है कि दिसंबर, 2026 तक सरकार के पास नया हेलिकॉप्टर भी आ जाएगा। नए डबल इंजन हेलिकॉप्टर की आपूर्ति के लिए निर्माता कंपनी से अनुबंध किया जा चुका है। नया हेलिकॉप्टर करीब 150 करोड़ रुपए में खरीदा जा रहा है। विमानन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मप्र सरकार कनाडा की बॉम्बार्डियर कंपनी से चैलेंजर 3500 विमान खरीद रही है। कैबिनेट ने जुलाई, 2024 में नया विमान खरीदने की मंजूरी दी थी। इसके बाद विभिन्न औपचारिकताएं करने के बाद नए विमान खरीदी के लिए क्रय आदेश जारी किया गया। अधिकारियों का कहना है कि चैलेंजर 3500 विमान अपनी श्रेणी में सबसे अधिक एडवांस तकनीक से बना है। इसमें वॉयस कंट्रोल्ड केबिन और हाईटेक सीटें हैं। यह विमान न्यूनतम 4850 फीट से लेकर अधिकतम 41 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस है विमान

करीब 236 करोड़ रुपए के चैलेंजर 3500 एक सुपर मिड-साइज जेट है, जिसमें नौ यात्रियों के बैठने की क्षमता है। इसकी केबिन ऊंचाई लगभग 6 फीट और चौड़ाई 7 फीट 2 इंच है। यह विमान करीब 459 नॉट्स यानी 850 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और लगभग 6,297 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके अलावा, यह 45,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है और कम लंबाई वाले रनवे (करीब 1,474 मीटर) से भी उड़ान भर सकता है। विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि जून-जुलाई 2026 में डिलीवरी का समय है। दअरसल, तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने 65 करोड़ रुपए में नया विमान खरीदा था। यह विमान 6 मई, 2021 को ग्वालियर में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। चूंकि अधिकारी विमान का बीमा कराना भूल गए थे, इसलिए उसको ठीक कराना महंगा पड़ रहा था और खतरे की भी आशंका थी। इसके बाद से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किराए के विमान से सफर कर रहे हैं। तत्कालीन शिवराज सरकार में वर्ष 2022 में नया विमान खरीदने की तैयारी शुरू हुई थी। इस सिलसिले में कई दौर की बैठकों के बाद यह तय नहीं हो पाया था कि कौन सा विमान खरीदा जाए। मोहन सरकार ने नया विमान और नया हेलिकॉप्टर खरीदने को लेकर अंतिम निर्णय लेते हुए इस संबंध में तमाम औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। खरीदी के आदेश भी जारी किए जा चुके हैं।

2002 में खरीदा था पुराना विमान

सुपर किंग बी-200- यह विमान राज्य शासन ने वर्ष 2002 में रेथ्यॉन एयरक्राफ्ट कंपनी से 23 करोड़ (47,56,804 अमेरिकन डॉलर) में खरीदा था। यह सात सीटर है। ये 3000 हजार घंटे उड़ान कर चुका है। 2021 के दौरान ग्वालियर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। न तो उसकी मरम्मत कराई गई और न ही अब तक नया विमान खरीदा जा सका है। स्थिति यह है कि सरकार के पास फिलहाल संचालन योग्य कोई फिक्स्ड-विंग विमान नहीं है और हेलिकॉप्टरों की संख्या भी जरूरत के मुकाबले कम है। इसी कारण सरकारी यात्राओं के लिए निजी एविएशन कंपनियों पर निर्भरता लगातार बढ़ी है, जिससे खर्च में भी इजाफा हुआ है। वहीं शासन ने ईसी-155, बी-1 हेलीकॉप्टर वर्ष 2011 में फ्रांस की यूरोकॉप्टर कंपनी से खरीदा था। यह उड़ान भर रहा है। इसे 10.5 मिलियन यूरो में खरीदा गया था। दो इंजन है। छह सीटर है। इसका मेंटेनेंस खर्च बढ़ रहा है। पुराने हेलीकॉप्टर को देखरेख पर बढ़ रहे खर्च के कारण सरकार ने अधिक आधुनिक और किफायती विकल्प चुनने का निर्णय लिया। राज्य सरकार के वरिष्ठ पायलट कैप्टन इस हेलीकॉप्टर के संचालन की दो माह की विशेष ट्रेनिंग के लिए फ्रांस जाएंगे।

हवाई सुविधाओं को तहसील स्तर तक पहुंचाने का लक्ष्य

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने फरवरी, 2025 में नई नागरिक उड्डयन नीति-2025 को मंजूरी दी थी। इस नीति के तहत प्रदेश में विमानन क्षेत्र को विकेंद्रीकृत करते हुए हवाई सुविधाओं को तहसील स्तर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। हवाई सेवाएं केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि हर क्षेत्र तक पहुंचें। इसी दृष्टि से प्रत्येक तहसील स्तर्लाक में हेलीपैड विकसित करने की योजना है। प्रदेश में हर 150 किलोमीटर पर एक कॉमर्शियल एयरपोर्ट, 75 किलोमीटर पर एयरस्ट्रिप और 45 किलोमीटर के दायरे में हेलीपैड विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश में विमानन अधोसंरचना की मजबूत करना, निजी निवेश को आकर्षित करना और युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करना है। प्रदेश में विमानन विभाग एवं विमानन संचालनालय को गठन 1 जून 1982 को किया गया। इस विभाग का काम अतिविशिष्ट व्यक्तियों के लिए शासकीय विमान/हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराना, शासन के बेड़े के विमान/हेलीकॉप्टरों का संधारण तथा परिचालन, प्रदेश में वायु सेवाओं का विस्तार के लिए स्वयं के संसाधनों से हवाई पट्टियों का विकास एवं क्षेत्रीय संपर्कता नीति के अंतर्गत राज्य के अंदर और बाहर वायु सेवा का विस्तार करना है। बता दें मध्य प्रदेश के 55 जिलों में से 31 जिलों में विमानतल और हवाई पट्टियां उपलब्ध हैं।

62 हेक्टेयर वन भूमि पर बॉक्साइट खनन प्रस्ताव केंद्र सरकार ने रोका

- खनन कंपनी पर लगे हैं वन्यजीव अपराध के आरोप

भोपाल। बालाघाट जिले की बैहर तहसील में 62 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि (रिजर्व फॉरेस्ट) को बॉक्साइट खनन के लिए डायवर्ट करने का प्रस्ताव फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है। केंद्र सरकार की वन सलाहकार समिति ने पर्यावरणीय संवेदनशीलता और वन्यजीवों की सुरक्षा को देखते हुए न केवल इस प्रस्ताव पर अंतिम फैसला टाल दिया है, बल्कि मध्य प्रदेश सरकार से कई कड़े बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। वाराजीरी डादर और बेयर हिल बॉक्साइट ब्लॉक के लिए मेसर्स निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड को खनन लीज दी जानी प्रस्तावित है। कुल 117.51 हेक्टेयर के इस प्रोजेक्ट में 62 हेक्टेयर वन भूमि शामिल है, जिसके लिए 16,648 पेड़ों की कटाई होनी है। समिति ने रिपोर्ट में पाया कि यह क्षेत्र कान्हा-पेंच कॉरिडोर से महज 21 किमी दूर है और यहां बाघ, तेंदुआ, स्लॉथ भालू, गौर (बाइसन), सांभर और चीतल जैसे महत्वपूर्ण वन्यजीवों की सघन मौजूदगी है।

समिति द्वारा उठाई गई मुख्य आपत्तियां

कंपनी ने 62.7 हेक्टेयर गैर-वन भूमि पर वृक्षारोपण का प्रस्ताव दिया था, लेकिन जमीन छोटे-छोटे टुकड़ों में होने के कारण कमेटी ने इसे नामंजूर कर दिया और इसे एक साथ समेकित रूप में देने को कहा है। वन्यजीवों पर संभावित प्रभाव को देखते हुए वाइल्डलाइफ विंग की आधिकारिक रिपोर्ट अनिवार्य की गई है। प्रस्तावित क्षेत्र से गुजर रही ट्रांसमिशन लाइन के लिए संबंधित विभाग की अनापत्ति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

कंपनी पर लगे तेंदुए की हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोप

एक ओर केंद्र सरकार ने तकनीकी कारणों से फाइल रोकी है, वहीं दूसरी ओर कंपनी के विरुद्ध पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में एक गंभीर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। जबलपुर के एक वकील के आरोप हैं कि कंपनी निसर्ग इस्पात के परिसर में अनुसूची-1 के तहत संरक्षित एक तेंदुए की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। तेंदुए के अंगों के साथ छेड़छाड़ कर साक्ष्यों को नष्ट करने का प्रयास किया गया, जिसकी जांच लंबित है। वकील ने मांग की है कि ऐसे गंभीर अपराध में सॉलिस कंपनी व उसके निदेशक महेंद्र गोयनका को आर्बिट्रल सभी वर्तमान वन पट्टे निरस्त किए जाएं और भविष्य में किसी भी प्रकार का भूमि आवंटन न किया जाए।

महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग, विपक्ष को सिखायेंगी सबक- अश्विनी परांजपे

भोपाल । नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में महिला मोर्चा 28 अप्रैल, मंगलवार को भोपाल में मशाल जुलूस निकालेगा। मशाल जुलूस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश शासन की महिला मंत्री, सांसद एवं विधायक बहनें, महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें शामिल होंगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सोमवार को महिला मोर्चा की बहनों ने विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही का अवलोकन कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझा।

सरकारी नौकरी में दो साल का नहीं होगा प्रोबेशन पीरियड!

मप्र सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

भोपाल । मप्र में 3 साल के प्रोबेशन पीरियड (परिवीक्षा अवधि) को घटाकर 2 साल करने और 70-80-90 प्रतिशत वेतन नियम को समाप्त करने के लिए सरकार तैयार नहीं है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ऐसा करने से सरकार के ऊपर बड़ा वित्तीय भार आ जाएगा। ऐसे में प्रदेश के 40 हजार सरकारी कर्मचारियों के वेतन और एरियर से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है। इसमें 3 साल के प्रोबेशन पीरियड और इस दौरान मिलने वाले 70-80 और 90 प्रतिशत वेतन के नियम को असंवैधानिक करार दिया गया था।

गौरतलब है कि 6 जनवरी को जबलपुर हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए 2019 के उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें नए कर्मचारियों के वेतन में कटौती का प्रावधान था। कोर्ट ने समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत को आधार मानते हुए आदेश दिया था कि कर्मचारियों को नियुक्ति के पहले दिन से ही 100 प्रतिशत वेतन और पिछला बकाया (एरियर) दिया जाए। इसके विरोध में प्रदेश सरकार ने सुप्रीम का दरवाजा खटखटाया है। राज्य सरकार के द्वारा दायर एसएलपी वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट की 'डिफेक्ट लिस्ट' में हैं। डायरी नंबर 20778/2026 (सीएनआर एससी आईएन 010207782026) के तहत दर्ज इस मामले में रजिस्ट्री ने कुछ तकनीकी कमियां पाई हैं। सरकार के पास इन कमियों को दूर करने के लिए 90 दिनों का समय है। जब तक ये त्रुटियां सुधारी नहीं जातीं, तब तक मामले की औपचारिक सुनवाई शुरू नहीं हो सकेगी।

बढ़ेगा वित्तीय भार

राज्य सरकार का सुप्रीम कोर्ट जाने का मुख्य कारण वित्तीय भार बताया है। यदि हाई कोर्ट का आदेश लागू होता है, तो सरकार को एरियर के रूप में 400 करोड़ का भुगतान करना होगा। सरकार का तर्क है कि प्रोबेशन व वेतन की शर्तें तय करना उसका नीतिगत अधिकार है। ज्ञातव्य है कि सरकार की इस अपील के खिलाफ कर्मचारियों ने तैयारी पुख्ता कर ली है। हाई कोर्ट में जीत दर्ज करने के बाद वसीम अकरम, अमनदीप सिंह बग्गा, प्रियंका श्रीवास्तव और असद सिद्दिकी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की गई है। इसका सीधा मतलब यह है कि सुप्रीम कोर्ट सरकार का पक्ष सुनने के साथ-साथ कर्मचारियों का पक्ष भी सुनेगा और बिना उन्हें सुने हाईकोर्ट के आदेश पर कोई एकतरफा रोक (स्टे) नहीं लगा सकेगा। 6 जनवरी 2026 को जबलपुर हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए 2019 के उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें नए कर्मचारियों के वेतन में कटौती का प्रावधान था। कोर्ट ने समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत को आधार मानते हुए आदेश दिया था कि कर्मचारियों को नियुक्ति के पहले दिन से ही 100 प्रतिशत वेतन और पिछला बकाया (एरियर) दिया जाए। फिलहाल मामला सुप्रीम कोर्ट में लॉबिंत होने के कारण प्रदेश के हजारों शिक्षक, पुलिसकर्मी व कर्मचारियों का एरियर व बढ़ा हुआ वेतन अटक गया है। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की पहली सुनवाई पर टिकी हैं, जो सरकार द्वारा कमियां दूर करने के बाद मई में होने की संभावना है।

कामेया सुधारने के लिए 90 दिन

सुप्रीम कोर्ट के नियमों (एसोसीआर 2013) के अनुसार याचिकाकर्ता (राज्य सरकार) को इन कमियों को सुधारने के लिए 90 दिन का समय दिया जाता है। यदि सरकारी वकील इस अवधि में कमियां दूर नहीं करते हैं तो मामले को जज इन चैंबर के सामने लिस्ट किया जाता है, जहां देरी के लिए जुर्माना लग सकता है याचिका खारिज भी हो सकती है। जब तक ये कमियां दूर नहीं होतीं और रजिस्ट्री केस को सत्यापित नहीं कर देती, तब तक सुनवाई किसी भी बेंच के सामने नहीं होगी। इसका मतलब है कि हाई कोर्ट का 100 प्रतिशत वेतन देने वाले आदेश पर कोई कानूनी रोक नहीं है, पर तकनीकी कारणों से किसी भी कर्मचारी को एरियर का भुगतान नहीं हुआ है। सरकार का तर्क है कि उसे अपनी भर्ती नीतियों और प्रोबेशन की शर्तों को तय करने का नीतिगत अधिकार है।

4 मई से सडक़ पर उतरेंगे 30 हजार कर्मचारी

- आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों को 5 महीने से नहीं मिला वेतन

भोपाल। मप्र में आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। करीब 30 हजार कर्मचारियों ने 4 मई से चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले 5 से 6 महीनों से वेतन नहीं मिला, जिससे उनका आर्थिक संकट गहरा गया है। उन्होंने सरकार के डिजिटल इंडिया दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब तकनीक की बात होती है तो वेतन समय पर क्यों नहीं दिया जा रहा। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने साफ कहा है कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो यह आंदोलन और उग्र होगा। कर्मचारी संगठनों ने इसे सिर्फ प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि सुनियोजित शोषण बताया है। कोमल सिंह का कहना है कि आउटसोर्स कर्मचारियों को कम वेतन, अनियमित भुगतान और सुविधाओं की कमी का लगातार सामना करना पड़ रहा है। ईएपीएस, स्वास्थ्य बीमा, अवकाश और महंगाई भत्ता का अभाव है। पिछले 5 साल से अनियमित भुगतान हो रहा है। इस सभी मुद्दों को लेकर कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। कर्मचारियों का कहना है कि महीनों से वेतन न मिलने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई और फीस जमा करना भी चुनौती बन गया है। उनका सवाल है कि जब कर्मचारी खुद मानसिक दबाव में होगा, तो वह मरीजों की सेवा कैसे कर पाएगा। कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि व्यवस्था चरमराती है, तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ । आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहे। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविजेता रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही

हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

दोनो ही टीम इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद।

राजस्थान रॉयल्स- रियान पराग (कप्तान),शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा।

रिंकू ने लगातार चार छक्के लगाकर मैच का रुख पलटा

लखनऊ। यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 83 रन बनाये। रिंकू ने दिग्वेश राठी के आखिरी ओवर में लगातार चार लंबे छक्के जड़कर केकेआर को 155 रन के स्कोर तक पहुंचाया। रिंकू ने इसके बाद क्षेत्ररक्षण के दौरान भी पांच कैच लपककर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। केकेआर ने ये मैच सुपरओवर में जीता। वहीं लखनऊ की ओर से तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने पांच विकेट लिए पर वह रिंकू को नहीं रोक पाये। मैच की शुरुआत में लखनऊ की जीत तय नजर आ रही थी। मोहसिन ने शुरुआती ओवरों में ही केकेआर की बल्लेबाजी ढहा दी। उन्होंने अपने पहले ओवर में टिम सीफर्ट को शून्य और दूसरे ओवर में अजिंक्य रहाणे को 10 रनों पर ही आउट कर दिया। तीसरे ओवर में मोहसिन ने लगातार दो गेंदों पर कैमरून ग्रीन और अनुकूल रॉय को आउट कर केकेआर की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसके बाद रिंकू ने अपना आक्रामक अंदाज दिखाकर अपनी टीम को उबारा। रिंकू ने डेथ ओवरों में जमकर गेंदबाजों की पीटा।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम ने भी पूरा प्रयास किया । आखिरी 18 गेंदों में उन्हें जीत के लिए 38 रनों की जरूरत थी, और तभी वरुण चक्रवर्ती ने आयुष बडोनी को 24 रन पर आउट कर सुपर जायंट्स को करारा झटका दिया। इसके बाद मैच अंतिम ओवर तक खिंचा। इसमें दोनो ही टीमें बराबरी पर आ गयीं।

इसके बाद मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा जिसमें केकेआर के स्पिनर सुनील नरेन ने सुपरजायंट्स के निकोलस पूरन को आउटकर अपनी टीम की जीत तय कर दी।

मोहसिन इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण नहीं कर पाये सुपर ओवर में गेंदबाजी

लखनऊ । यहां कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के साथ हुए आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सवाल उठा कि सुपरजायंट्स ने मैच में पांच विकेट लेने वाले अपने तेज गेंदबाज मोहसिन खान को सुपर ओवर में गेंद नहीं दी बल्कि उनकी जगह पर प्रिंस यादव ने गेंदबाजी की। इसका कारण आईपीएल का इम्पैक्ट प्लेयर नियम था।

दरअसल, लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपनी बल्लेबाजी से पहले मोहसिन को मैदान से बाहर करके मिचेल मार्श को बतौर इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट टीम में शामिल कर लिया था। नियम के अनुसार बार यदि किसी खिलाड़ी को सब्सटीट्यूट प्लेयर से बदल दिया जाता है, तो वह दोबारा उस मैच में हिस्सा नहीं ले सकता। लखनऊ की टीम को यह अंदाजा नहीं था कि 156 रनों का लक्ष्य इतना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा कि मैच सुपर ओवर तक खिंच जाएगा और उसे मोहसिन की जरूरत पड़ेगी। इस रणनीति के कारण ही अनजाने में ही मोहसिन सबसे जरुरी ओवर नहीं कर पाये।

मोहसिन खान भले ही सुपर ओवर में गेंदबाजी नहीं कर पाए और उनकी टीम यह रोमांचक मुकाबला हार गई, लेकिन उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। मोहसिन ने मैच में पांच विकेट लेकर केकेआर को 155 रनों पर ही रोक दिया।

वेस्टइंडीज के कार्लोस ब्रैथवेट ने एक कार्यक्रम में मोहसिन की गेंदबाजी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोहसिन ने एक ही लाइन-लैंथ पर अनुशासित तरीके से गेंदबाजी की और लगातार उसी लैंथ पर प्रहार करते रहे, जो कि एक तेज गेंदबाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

कोच जस्टिन लैंगर ने बताया पूरन को सुपर ओवर में उतारने का कारण

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स को आईपीएल मुकाबले में यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा है। टीम की हार के बाद से ही इस मैच में मैच में निकोलस पूरन को सुपरओवर में बल्लेबाजी के लिए भेजी जाने पर सवाल उठ रहे हैं। ये भी कहा जा रहा है कि जब पूरन का फार्म खराब चल रहा था तब उन्हें क्यों उतारा गया। इसी का जवाब टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने दिया है। लैंगर का कहना है कि पूरन को इसलिए उतारा गया क्योंकि उन्हें रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन को खेलने का सबसे अधिक अनुभव है। सभी जानते थे कि नरेन का सुपर ओवर में गेंदबाजी करना तय था। वहीं इससे पहले तय ओवरों में मुकाबला रोमांचक रहा। मोहम्मद शमी ने कार्तिक त्यागी की गेंद पर छक्का लगाकर स्कोर बराबर करते हुए मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया। वहीं सुपर ओवर में लखनऊ की टीम का पूरन पर भरोसा गलत साबित हुआ। पूरन पहली ही गेंद पर आउट हो गये। वहीं नरेन ने केवल एक 1 रन देकर 2 विकेट झटके और अपनी टीम केकेआर को जीत दिला दी।

मैच के बाद लैंगर ने पूरन को उतारे जाने के फैसले का सही बताया और कहा , पूरन ने दुनिया में सबसे ज्यादा बार नरेन का सामना किया है। इसलिए हमें लगा कि वही सबसे बेहतर विकल्प हैं क्योंकि उनके पास नरेन के खिलाफ सबसे ज्यादा अनुभव है और वे उन्हें सबसे अच्छी तरह से समझ सकते हैं। आप हमेशा अपने सबसे अच्छे खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा, हालांकि, इस बार टीम के काम नहीं आया।

इस फैसले पर इसलिए भी सवाल उठे क्योंकि पूरन इस पूरे सत्र में फॉर्म में नहीं दिखे। वह आठ पारियों में केवल 82 रन ही बना पाये हालांकि इसके बाद भी प्रबंधन ने उनपर दांव लगाया जा विफल रहा। लैंगर ने माना है कि पूरन कठिन दौर से गुजर रहे हैं पर उन्होंने यह भी कहा कि पूरन कड़ी मेहनत कर रहे हैं और जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, आत्मविश्वास नकली नहीं हो सकता और यह केवल प्रदर्शन से ही आता है। हम उन्हें अपना पूरा समर्थन दे रहे हैं। गौरतलब है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए यह सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह आठ में से छह मैच हार कर और अंक तालिका में सबसे नीचे है। उनका नेट रन रेट भी बेहद खराब है, जो उनकी मौजूदा स्थिति को और भी बदतर बना रहा है। इस 4 मई को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलना है, जहां अगर वह हारी तो उसका सफर समाप्त हो जाएगा।

एनगिडी को समय पर अस्पताल पहुंचाने में रही एक पुलिस अधिकारी की अहम भूमिका

नई दिल्ली । आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर लुंगी एनगिडी पिछले मैच में चोटिल हो गये थे पर समय पर इलाज मिलने के कारण वह बच गये। एनगिडी की जान बचाने में दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी एसीपी संजय सिंह की अहम भूमिका रही। पूर्व क्रिकेटर रहे संजय सिंह के कारण ही एनगिडी को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका। एक रिपोर्ट के अनुसार इस अस्पताल की दूसरे करीब 10 किमी थी जिसे तय करने में करीब एक घंटे का समय लगता है पर संजय सिंह ने अपनी सूझबूझ और असाधारण नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए इस सफर को कुछ ही मिनटों में तय करा दिया। एनगिडी मैच के दौरान सिर और गर्दन में गंभीर चोट लगने के कारण मैदान पर गिर गए थे। उनकी हालत इतनी नाजुक थी कि उन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाना जरुरी था। ऐसे में संजय सिंह ने गुगल मैप्स के दिखाये तय रास्ते की जगह स्वयं वह छोटे रास्ते दिखाये जिससे ये केवल मात्र 11 मिनट में ही अस्पताल पहुंच गये। संजय ने भी दिल्ली की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। वह जानते थे कि इस प्रकार की चोट में शीघ्र इलाज की जरुरत रहती है। यही कारण था कि मैदान पर एनगिडी के गिरते ही उन्होंने बिना समय खोये अपनी टीम और कंट्रोल रूम को सतर्क कर दिया। संजय सिंह ने कहा, मैं खेल चुका हूँ, इसलिए जानता था कि ऐसी चोट जानलेवा हो सकती है। मैंने ड्राइवर से कहा कि गूगल मैप की जगह पर इस रास्ते पर चलो हमें कारण वे समय से अस्पताल पहुंच पाये। कोटला स्टेडियम से राजेंद्र नगर स्थित बीएलके मैक्स अस्पताल की दूरी लगभग 10 किलोमीटर है पर डीसीपी निशांत गुप्ता के मार्गदर्शन में करीब 60 पुलिसकर्मियों ने वायरलेस सेट पर तालमेल बिठाते हुए एक ऐतिहासिक ग्रीन कॉरिडोर को तैयार किया।

ऋषभ बोले मुझे और टीम को ब्रेक की जरुरत

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम लगातार मिली हार के बाद अंतिम स्थान पर है। टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी प्रदर्शन की बात की जाये तो फ्लाप रहे हैं। वह न तो बल्लेबाज के तौर पर रन बना पाये हैं और न ही कप्तान के तौर पर उनकी रणनीति सफल रही है। ऐसे में अब वह दबाव के बीच ही तरोताजा होने के लिए ब्रेक मांग रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के बाद ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उन्हें और उनकी टीम को तरोताजा होने के लिए एक ब्रेक की जरुरत है। सुपर जायंट्स टीम इस सत्र में लगातार पांच मैच हारने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। मैच के बाद कप्तान ने कहा, हमें वास्तव में एक ब्रेक की जरुरत है। उन्होंने साथ ही कहा , हमेशा दबाव रहता है और यह हमेशा रहेगा पर हमें अपने अंदर से जवाब तलाशन होगा।

प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्त प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

पाक क्रिकेट विशेषज्ञ बोला, वेभव के बल्ले की जांच कराओ, इसमें एआई चिप लगी होगी

लाहौर । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण छाये हुए हैं। वैभव ने आईपीएल के इस सत्र में दो शतक लगा दिये हैं। इससे पहले वैभव ने अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाकेदार प्रदर्शन किया था। इससे वह क्रिकेट जगत के भविष्य के स्टार माने जा रहे हैं। आईपीएल में तूफानी शतक के अलावा वैभव ने पैट कमिंस, जसप्रीत बुमराह और जोफा आर्चर सहित विश्व क्रिकेट के कई दिग्गज गेंदबाजों की पिटाई की है, उससे सभी हैरान हैं। वहीं दूसरे ओर पाकिस्तान के एक क्रिकेट विशेषज्ञ को किसी उभरते भारतीय खिलाड़ी की इस प्रकार बढ़ती लोकप्रियता सहन नहीं हो रही है। इस पाक क्रिकेट विशेषज्ञ ने इसी कारण आरोप लगाय है कि वैभव के बल्ले में एक एक आई चिप लगी हुई है ।

नियाज नाम के इस विशेषज्ञ ने एक शो में कहा, ' वैभव के बल्ले की जांच करवाइए। जैसे चाडा डोपिंग टेस्ट करता है, वैसे ही इसे किसी लैब में भेजिए। शायद इसने अपने बल्ले में एआई चिप लगायी होगी। जिस प्रकार को ये बल्लेबाजी करता है वह समझ नहीं आती है। इतनी कम उम्र में इस प्रकार बल्लेबाजी संभव नहीं है। इसका जन्म तब हुआ था, जब विराट कोहली विश्व चैंपियन थे, इसमें पावर गेम से ज्यादा तकनीक है, ये कलाई का इस्तेमाल करने वाला खिलाड़ी है और अगर आप इस आर्क को देखें, तो इसने पूरे 360 डिग्री का इस्तेमाल किया है।'वैभव ने एक के बाद एक बल्लेबाजी के रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 26 गेंदों में ही इस बल्लेबाज ने 78 रन बनाये। वहीं इसने एक मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंदों में ही शतक लगा दिया।

दासगुप्ता ने की प्रभसिमरन की प्रशंसा

बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं मिल रहा श्रेय

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने पंजाब किंग्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। दासगुप्ता के अनुसार प्रभसिमरन ने पिछले सत्र में भी काफी रन बनाये थे और इस सत्र में भी उन्होंने उस सिलसिले को बरकरार रखा है। दीप ने कहा कि इसके बाद भी जितनी सराहना इस बल्लेबाज को मिलनी चाहिये थी। वह नहीं मिल रही है जबकि अन्य बल्लेबाजों की काफी चर्चाएं हो रही है। उन्होंने कहा कि, हम इस खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते, जितनी करनी चाहिए। उन्होंने प्रभसिमरन की निरंतरता पर जोर देते हुए बताया कि पिछले सत्र के बाद भी

उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और इस साल भी वह लगातार रन बना रहे हैं, फिर भी उनपर किसी का ध्यान नहीं जाता है। दासगुप्ता ने प्रभसिमरन की विकेटकीपिंग की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह अपना काम काफी सतर्कता से करते हैं और किसी की चिन्ता करने की जरुरत नहीं रहती हैं। उन्होंने कहा , प्रभसिमरन की मौजूदगी टीम को एक खास तरह का अस्सास देती है, और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह टीम के लिए एक बड़ा अंतर पैदा करते हैं। रहे हैं। इस प्रकार वह दोहरी जिम्मेदारी निभाते हैं। इस बल्लेबाज ने इस सत्र में अब तकखेले गए 6 पारियों में 287 रन बनाए हैं, जिसमें उनकाऔसत 57.40 और स्ट्राइक रेट 192.61 का रहा है। इन प्रदर्शनों में तीन शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं, जिससे वह अपनी टीम के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। टीम की सफलता में उनकी यह निरंतरता और आक्रामक बल्लेबाजी टीम की भी अहम भूमिका रही है।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी, वापसी के लिए प्रयास किया

मुम्बई। आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने

खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

रियान पराग के बचाव में उतरे बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का अब तक आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तान के तौर पर तो वह सफल रहे हैं और रायल्स अंकतालिक में शीर्ष पांच में बनी हुई है पर बल्लेबाज के तौर पर पराग एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक 8 पारियों में केवल 88 रन ही बना पाये हैं। इसके बाद भी टीम प्रबंधन से उनको पूरा समर्थन मिल रहा है। टीम प्रबंधन ही नहीं कोचिंग स्टाफ का भी मानना है कि पराग समय के साथ ही रन बना लेंगे। टीम उनकी बल्लेबाजी को लेकर परेशान नहीं है। टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पराग का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

राठौर ने कहा, उनके साथ कुछ भी गडबड़ी नहीं है। वह नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी ऐसा दौर आता है जब रन नहीं बनते, पर यह खेल का हिस्सा है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं ज्यादा उनके रवैये और टीम के प्रति समर्पण को महत्व दे रहा है। टीम का मानना है कि पराग में लंबी पारी खेलनी की पूरी क्षमता है वह वह समय आने पर रन बना लेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में भी पराग नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बना पाये थे। इस सत्र में उनका औसत मात्र 12.57 और स्ट्राइक रेट 112.82 का रहा रहा है। उनका सबसे अधिक स्कोर केवल 20 रन है, ये रन उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ बनाये थे। अब राजस्थान रॉयल्स का अगला मंगलवार को मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ है, इसमें पराग पर अपने को साबित करने का दबाव होगा। इस मैच में टीम को उनसे एक महत्वपूर्ण और निर्णायक पारी की उम्मीद होगी, ताकि वे अपने कप्तान के रूप में टीम को आगे ले जा सकें और प्रशंसकों को भी खुशी का अवसर दे सकें।

बीसीसीआई ने आचारसंहिता उल्लंघन के लिए केकेआर के अंगक्रिश पर जुर्माना लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के उभरते हुए बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पर जुर्माना लगाया है। अंगक्रिश पर ये जुर्माना केकेआर को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली जीत के बाद लगाया गया। बोर्ड की आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने इस बल्लेबाज पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, उन्हें लीग उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस बल्लेबाज पर ये कार्रवाई उसकी उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए की गयी है।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव के लिए थमा प्रचार, 29 अप्रैल को होगा मतदान

142 सीटों पर दांव पर 1448 उम्मीदवारों की किस्मत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 7 जिलों की 142 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को प्रचार थम गया। दूसरे चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होना है। पहले चरण में राज्य की 152 सीटों के लिए मतदान हुआ था। पहले चरण के मतदान के बाद तृणमूल और भाजपा दोनों ने निर्णायक बढ़त मिलने का दावा किया है मगर साल 2021 के चुनाव में इन 152 सीटों में से 93 पर तृणमूल को और 59 पर भाजपा को जीत मिली थी। ऐसे में राजनीतिक दल चाहे जो कहें, दूसरे चरण का मतदान राज्य की सत्ता का निर्धारण करेगा।

दूसरे चरण के तहत जिन सीटों पर मतदान होना है उन्हें ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता है। 2021 के विधानसभा चुनाव में 142 में से 123 सीटों पर टीएमसी ने जीत दर्ज की थी जबकि भाजपा को केवल 18 पर जीत हासिल हुई थी। एक सीट पर अन्य ने जीत दर्ज की थी। दूसरे चरण में राज्य के प्रेसीडेंसी डिवीजन इलाके की सभी सीटों के लिए मतदान होना है। चुनावी जानकार मानते हैं कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी यह प्रेसिडेंसी डिविजन के मतदान से तय होता है। पिछले तीन चुनावों में इस इलाके में ममता बनर्जी की पार्टी का वर्चस्व रहा है।

दांव पर 1448 उम्मीदवारों की किस्मत

पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण में 142 सीटों पर कुल 1448 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है। टीएमसी और कांग्रेस ने दूसरे चरण की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं भाजपा एक सीट छोड़कर 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दूसरे चरण के अंतर्गत साउथ 24 परगना, नॉर्थ 24 परगना, हावड़ा, नदिया, पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व बर्धमान और पश्चिम बर्धमान जिलों की सीटों पर वोटिंग होने वाली है।

भवानीपुर में आमने-सामने सुवेंदु-ममता

दूसरे चरण में ही भवानीपुर में भी वोटिंग होने वाली है, जहां से सुवेंदु अधिकारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आमने-सामने हैं। भवानीपुर ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता है। वहीं सुवेंदु पहली बार भवानीपुर से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। 2021 में टीएमसी ने बड़ी जीत दर्ज की थी। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच वोटों का अंतर 8 हजार के करीब था, जबकि टीएमसी को बढ़त हासिल हुई थी, ऐसे में भवानीपुर दिलचस्प हो गया है। 2021 के विधानसभा चुनाव में सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हरा दिया था।

बॉर्डर इलाकों में भी वोटिंग

दूसरे चरण में नॉर्थ 24 परगना जिले की बोंगो, बगदा, बशीरहाट, स्वरूपनगर और दक्षिण 24 परगना की हिंगलगंज और संदेशखली जैसी सीटें बांग्लादेश की सीमा से सटी हुई हैं। इन इलाकों में पिछली बार भाजपा एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई थी। हालांकि उसके बाद से इन क्षेत्रों पर भाजपा ने फोकस किया और लगातार प्रदर्शन किए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले संदेशखली सुर्खियों में छाया हुआ था। इन इलाकों में सीएए भी बड़ा मुद्दा है और भाजपा लगातार घुसपैठियों का जिक्र कर इस मुद्दे को उठाती रहती है। जहां बांग्लादेश से सटे इलाकों में टीएमसी मजबूत रही है, वहीं भाजपा इस बार घुसपैठ और बांग्लादेश बॉर्डर के रास्ते अवैध एंट्री का मुद्दा बनाकर अच्छा प्रदर्शन करने पर जोर दे रही है।

ढाई लाख जवानों की तैनाती

दूसरे चरण के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी चुस्त दुरुस्त की गई है। करीब ढाई लाख जवान 142 सीटों पर तैनात किए गए हैं, जो हर एक गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। सीमावर्ती इलाकों में कई संवेदनशील बूथ भी हैं, जहां पर सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी की गई है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद कई क्षेत्रों में हिंसा की घटनाएं सामने आई थी, इसको भी ध्यान में रखते हुए सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। चुनाव आयोग ने इस बार दूसरे चरण के मतदान के लिए करीब 16,000 केंद्रीय कर्मचारियों को पीठासीन अधिकारी और पोलिंग अधिकारी के रूप में तैनात करने का फैसला लिया है। ये सभी स्थायी केंद्रीय कर्मचारी होंगे। आयोग का कहना है कि इस कदम से मतदान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जा सकेगा। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुल 2,231 केंद्रीय बलों की कंपनियां तैनात की जाएंगी। अकेले कोलकाता में ही 237 कंपनियां लगाई जाएंगी, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके।

आजादी के बाद बड़े बदलाव की तैयारी...

इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स बनाने का औपचारिक प्रस्ताव रक्षा मंत्री को सौंपा

नई दिल्ली,। भारतीय सशस्त्र बलों में एक बड़े संरचनात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा दिया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स बनाने का औपचारिक प्रस्ताव सौंप दिया है। यह प्रस्ताव कई महीनों की विस्तृत समीक्षा, तीनों सेनाओं–थल सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श के बाद तैयार हुआ है। यह सुधार भारतीय रक्षा व्यवस्था में आजादी के बाद का सबसे बड़ा पुनर्गठन बताया जा रहा है। इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, तेज निर्णय प्रक्रिया और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है।

थिएटर कमांड क्या है?

थिएटर कमांड एक ऐसी सैन्य संरचना है जिसमें देश को रणनीतिक दृष्टि से कुछ बड़े क्षेत्रों (थिएटर) में बांटा जाता है। प्रत्येक थिएटर की कमान एक चार-स्टार अधिकारी के पास होती है, जिसके अधीन थल सेना, नौसेना और वायु सेना की संयुक्त इकाइयाँ काम करती हैं। वर्तमान व्यवस्था में तीनों सेनाएँ अलग-अलग ढंग से काम करती हैं—थल सेना जमीन पर, नौसेना समुद्र में और वायु सेना आकाश में दम दिखाती है। लेकिन आधुनिक युद्ध परिस्थितियों में तीनों सेनाओं के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता होती है। थिएटर कमांड मॉडल इसी समन्वय को एकीकृत और प्रभावी बनाने का प्रयास है। सीडीएस के प्रस्ताव में चार-स्टार रैंक के थिएटर कमांडरों की नियुक्ति का सुझाव दिया गया है, जो तीनों सेनाओं के प्रमुखों के समकक्ष स्तर पर होगा। प्रत्येक थिएटर में तीनों सेनाओं के सैनिक, हथियार, विमान, जहाज और अन्य संसाधन एकीकृत रूप से काम कर सकते हैं। इसके साथ ही वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जैसे नए पदों के निर्माण की भी बात कही गई है, ताकि संचालन और प्रशासनिक कार्यों में संतुलन बना रहे। प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ रणनीतिक वायु सेना संपत्तियाँ राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली से नियंत्रित रहेंगी, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें किसी भी थिएटर में तेजी से तैनात किया जा सके। वेस्टर्न थिएटर कमांड- यह पाकिस्तान की सीमा से जुड़े क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। इसमें वायु सेना की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। नॉर्दर्न थिएटर कमांड- यह चीन सीमा से संबंधित क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभालेगा और इसमें थल सेना की प्रमुख भूमिका होगी। मैरीटाइम थिएटर कमांड- यह समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र की निगरानी करेगा, जिसकी कमान नौसेना के पास होगी। इन तीनों थिएटरों में तीनों सेनाओं की संयुक्त कार्यप्रणाली लागू होगी, जिससे किसी भी संकट या युद्ध की स्थिति में तेजी से और समन्वित प्रतिक्रिया दी जा सके। यह प्रस्ताव अब रक्षा मंत्रालय के विचाराधीन है। इसके बाद इस प्रस्ताव को कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद ही चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इतना ही नहीं सीडीएस द्वारा जल्द ही जॉइंट कमांडर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसमें तीनों सेनाओं के शीर्ष नेतृत्व को इस नई संरचना और भविष्य की रणनीति से अवगत कराया जाएगा।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, थिएटर कमांड सिस्टम लागू होने से भारतीय सेना की ऑपरेशनल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इससे न केवल निर्णय लेने की गति बढ़ेगी, बल्कि संसाधनों का बेहतर उपयोग भी संभव होगा। साथ ही, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय मजबूत होगा और संयुक्त अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ेगी।

जीएसटी 2.0 से देश का खजाना भरा पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसों को नुकसान

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत में जीएसटी संग्रह की स्थिति मिश्रित रही। मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, देश का कुल जीएसटी कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया, लेकिन राज्यों के बीच पोस्ट-सेटलमेंट राजस्व वितरण में असमानता दिखाई दी। विशेष रूप से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जीएसटी राजस्व में नकारात्मक वृद्धि या गिरावट दर्ज की गई।

छत्तीसगढ़ में कोयला उद्योग पर अधिक इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के उपयोग और उत्पादन के बावजूद उपभोग अन्य राज्यों में होने के कारण राज्य के राजस्व पर दबाव बना। अनुमान है कि राज्य को करीब 1500 करोड़ रुपये तक के संभावित नुकसान हुआ। बिलासपुर संभाग सहित कई क्षेत्रों में भी कर संग्रह लक्ष्य से कम रहा। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में व्यापारिक सुस्ती और कर चोरी के मामलों का प्रभाव दिखाई दिया। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, बड़ी संख्या में व्यापारियों द्वारा कर अनियमितताओं के कारण करीब 400 करोड़ रुपये से अधिक की संभावित चोरी सामने आई, जिससे राजस्व संग्रह प्रभावित हुआ।

मार्च 2026 में जीएसटी संग्रह में वृद्धि मुख्य रूप से आयात से होने वाली कमाई में लगभग 17.8 प्रतिशत की वृद्धि के कारण रही, जबकि घरेलू लेन-देन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। कर विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संघर्ष और तेल कीमतों में वृद्धि ने ट्रांसपोर्ट, कृषि और निर्माण क्षेत्रों की लागत बढ़ा दी है, जिससे उपभोग में गिरावट आई है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्य उत्पादन-आधारित अर्थव्यवस्था पर अधिक निर्भर हैं, लेकिन जीएसटी प्रणाली उपभोग-आधारित होने के कारण उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। इसकारण इन राज्यों में राजस्व असंतुलन की स्थिति बन रही है। ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों पर भी इसी प्रकार के प्रभाव की आशंका जाहिर की गई है। इस स्थिति को देखकर विशेषज्ञ आईजीएसटी सेटलमेंट प्रणाली और क्षतिपूर्ति ढांचे की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता बता रहे हैं, ताकि राज्यों के बीच राजस्व असंतुलन को कम किया जा सके और विकास योजनाओं पर पड़ने वाले वित्तीय दबाव को नियंत्रित किया जा सके।

महिला की निजता से जुड़े मामले पर सुनवाई कर कोर्ट की सख्त टिप्पणी, किस तरह के आदमी हो तुम?

बेंगलुरु,। यह मामला व्यक्तिगत निजता के हनन और डिजिटल युग में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी एक गंभीर चेतावनी है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने जिस तरह से मामले में टिप्पणी की है, वह समाज में बढ़ती डिजिटल तांक-झांकवी प्रवृत्ति पर कड़ा प्रहार है।

दरअसल पूरा विवाद बेंगलुरु मेट्रो चिक्स नामक इंस्टाग्राम हैंडल से शुरू हुआ। इस अकाउंट का संचालक बेंगलुरु मेट्रो में सफर करने वाली महिलाओं की उनकी जानकारी या अनुमति के बिना तस्वीरें लेता और वीडियो बनाता था। इन तस्वीरों को न केवल सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करता था, बल्कि उनके साथ बेहद आपत्तिजनक और भद्दी भाषा का इस्तेमाल करता था। जब यह मामला कानूनी प्रक्रिया में पहुँचा, तब आरोपी ने अपने खिलाफ दर्ज केस को खत्म करने के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की, इस याचिका को अदालत ने सिरे से खारिज कर दिया।

सुनवाई के दौरान अदालत की सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि किस तरह के आदमी हो तुम? जस्टिस एम. नागप्रसन्न की पीठ ने मामले के तथ्यों को देखकर गहरी नाराजगी व्यक्त की। सुनवाई के दौरान जज के तेवर काफी कड़े थे। जज ने आरोपी को फटकारते हुए कहा, तुम महिलाओं की आगे और पीछे से तस्वीरें लेते हो और उन्हें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हो? किस तरह के आदमी हो तुम? नॉनसेन्स! अदालत ने महिला सुरक्षा पर चिंता जताकर कहा कि इसतरह कृत्यों के कारण महिलाओं के लिए मेट्रो जैसे सार्वजनिक स्थान भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। जब आरोपी के वकील ने तर्क दिया कि मामले में जांच अधिकारी ही शिकायतकर्ता है और कोई वास्तविक अपराध नहीं हुआ है, तब जज ने स्पष्ट कहा कि तकनीकी बारीकियों के पीछे छिपकर इसतरह के घिनौने कृत्य को सही नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 77 वॉयरिज्म (दृश्यरतिकता) के अपराध को परिभाषित करती है। इस कानून के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी महिला की उसकी सहमति के बिना ऐसी स्थिति में तस्वीर लेता है जहाँ उस महिला की निजता की उम्मीद हो, तब यह दंडनीय अपराध है। केवल फोटो खींचना ही नहीं, बल्कि उन तस्वीरों या वीडियो को इंटरनेट पर साझा करना भी इस धारा के अंतर्गत आता है। इसतरह के मामलों में दोषी पाए जाने पर कैद और जुर्माने का प्रावधान है, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की गरिमा बनी रहे। कर्नाटक हाईकोर्ट का यह रुख स्पष्ट करता है कि कानून अब डिजिटल अपराधों और महिलाओं की निजता के उल्लंघन को लेकर कोई नरमी नहीं बरतेगा। अदालत ने ट्रायल कोर्ट में आरोपी के खिलाफ कार्यवाही जारी रखने का आदेश देकर यह संदेश दिया है कि अभिव्यक्ति की आजादी या तकनीकी खामियों का सहारा लेकर किसी की गरिमा के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।

लेखक मधु किश्वर को दो नोटिस जारी नहीं हुईं पेश

चंडीगढ़। फेमस राइटर मधु किश्वर को चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करने के लिए दूसरा नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन वह अब तक पेश नहीं हुईं। वहीं इस मामले में कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ में सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जो हैदराबाद का रहने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक आरोपी सोशल मीडिया के जरिए फर्जी वीडियो प्रसारित कर लोगों को गुमराह कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उसे ट्रेस कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने एक दिन का रिमांड हासिल की है। पुलिस रिमांड में आरोपी से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बता दें मधु किश्वर समेत अन्य लोगों पर चंडीगढ़ के सेक्टर-26 थाने में 20 अप्रैल को ही एक शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में कहा गया कि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने एक वीडियो को गलत पहचान के साथ वायरल किया और उसमें अश्लील व भ्रामक शब्द जोड़कर पेश किया। इससे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की छवि खराब करने की कोशिश की गई और समाज में भ्रम फैलाया गया। मधु किश्वर व अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसकी जानकारी चंडीगढ़ पुलिस ने खुद मीडिया को दी थी। उसके बाद जब मीडिया द्वारा पुलिस से मामले संबंधी पूछा तो उनका जवाब था कि इस मामले में उनके पुलिस स्टेशन में सिर्फ डीडीआर दर्ज हुई है और जांच साइबर सेल कर रहा है।

बैरकपुर में पीएम मोदी का ऐलान— 4 मई के बाद शपथ ग्रहण में ही लौटूंगा

-आखिरी चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने जीत पर जताया भरोसा

कोलकाता। नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में दूसरे चरण की अपनी आखिरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बड़ा राजनीतिक दावा किया। उन्होंने मंच से ऐलान करते हुए कहा, कि अब वह 4 मई के बाद ही बंगाल लौटेंगे, जब राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इस बयान के जरिए उन्होंने राज्य में भाजपा की जीत को लेकर पूरा विश्वास जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में बंगाल से अपने भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी निजी जिंदगी और आध्यात्मिक यात्रा में बंगाल का विशेष स्थान रहा है। शक्ति की उपासना और यहां की सांस्कृतिक विरासत ने उनके जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल की महान हस्तियों और यहां के लोगों से उन्हें हमेशा प्रेरणा और स्नेह मिला है। मौजूदा रैली को इस चुनाव की अपनी अंतिम जनसभा बताते हुए मोदी ने कहा, 卐मैं जहां भी गया, लोगों का मूड साफ नजर आया। मैं इस विश्वास के साथ जा रहा हूं कि अगली बार शपथ ग्रहण समारोह में ही लौटूंगा卐 उन्होंने बैरकपुर से भाजपा प्रत्याशी कौस्तव बागची के समर्थन में भी लोगों से मतदान की अपील की। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने जनता के साथ अपने भावनात्मक संबंध का जिक्र करते हुए कहा कि वे रात में समय निकालकर लोगों के संदेश और पत्र पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, 卐कई संदेशों ने मुझे भावुक किया। मैंने लोगों का दर्द महसूस किया और उनकी उम्मीदों को समझा卐 उन्होंने दोहराया कि देश की जनता ही उनका परिवार है और वे अपना घर छोड़ने के बाद से लगातार लोगों के बीच ही रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार का यू-टर्न, ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य आदेश को टाला

ऑटो-टैक्सी यूनियनों के कड़े विरोध के बाद 6 माह के लिए रोका

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति सरकार ने ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य बनाने के अपने फैसले पर फिलहाल यू-टर्न लेकर छह माह के लिए टाल दिया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने तब लिया जब इस आदेश के खिलाफ राज्यभर में विरोध तेज हुआ था और कई यूनियनों ने आंदोलन की चेतावनी दे दी थी।

दरअसल, राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि 1 मई से महाराष्ट्र के सभी ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी में बातचीत करना अनिवार्य किया जा रहा है। इसके लिए राज्य के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। मंत्री सरनाइक का कहना था कि महाराष्ट्र में कारोबार करने वाले हर व्यक्ति को मराठी समझने और बोलने में सक्षम होना चाहिए, ताकि यात्रियों को संवाद संबंधी किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा था कि महायुति सरकार चाहती है कि यह नियम केवल प्रशासनिक आदेश न होकर ड्राइवरों में मराठी भाषा के प्रति अपनापन भी बढ़ाए।

हालांकि, इस फैसले के बाद ऑटो-टैक्सी यूनियनों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि अचानक इस तरह की अनिवार्यता लागू करना व्यावहारिक नहीं है, खासकर उन ड्राइवरों के लिए जो अन्य राज्यों से आकर काम कर रहे हैं। कई यूनियनों ने राज्यव्यापी आंदोलन की धमकी भी दी थी। वहीं कुछ राजनीतिक नेताओं, जिसमें शिवसेना के संजय निरुपम भी शामिल हैं, ने सुझाव दिया कि सरकार को इस नियम की समयसीमा बढ़ाकर कम से कम एक साल करनी चाहिए ताकि ड्राइवरों को तैयारी का पर्याप्त समय मिल सके। इसके बाद बढ़ते विरोध और असंतोष को देखकर फडणवीस सरकार ने आदेश को तुरंत लागू करने के बजाय छह महीने के लिए स्थगित करने का फैसला किया।

15 साल से साथ, बच्चा पैदा किया...अब रेप और मारपीट के आरोप बेमानी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक लिव-इन रिलेशनशिप में रेप और मारपीट के आरोपों से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर अहम टिप्पणियां कीं। मामले में महिला ने दावा किया था कि शादी का वादा करने के बाद एक पुरुष ने उसके साथ मारपीट की थी।

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों व्यक्तियों के बीच के रिश्ते की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों ही वयस्क थे और सालों तक साथ रहे थे। जस्टिस नागरत्ना ने सवाल उठाया कि आपसी सहमति से बना रिश्ता बाद में आपराधिक आरोप में कैसे बदल सकता है। महिला ने बिना शादी के उस आदमी से बच्चा पैदा किया, और अब वह रेप और मारपीट का आरोप लगा रही है। यह क्या है? जज ने जोर देकर कहा कि इस तरह के मामलों में सहमति को समझना बहुत जरूरी है। जब रिश्ता आपसी सहमति से बना हो, तब अपराध का सवाल ही कहाँ उठता है?

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि शादी के बाहर के रिश्तों में कुछ जोखिम हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब इसतरह से रिश्ते खत्म होते हैं, तब हालात अक्सर पेचीदा होते हैं। जज ने कहा कि लिव-इन रिश्तों में यही होता है। ये सालों तक साथ रहते हैं। जब ये अलग होते हैं, तब महिला आकर शिकायत दर्ज कराती है... ये सब शादी के बाहर के रिश्तों की ही पेचीदगियां हैं। सुनवाई के दौरान, महिला के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता को पता नहीं था कि वह आदमी पहले से शादीशुदा है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ साइन, अब सभी एक्सपोर्ट पर जीरो हुई ड्यूटी

भारत में न्यूजीलैंड करेगा 1.8 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन हो गया है। मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के मिनिस्टर ऑफ ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट टॉड मैक्ले की मौजूदगी में यह समझौता हुआ। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़) का निवेश आने की उम्मीद है। पीयूष गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय व्यापारियों, विशेषकर आगरा के लेदर एक्सपोर्टर्स के लिए बड़े अवसर खुलेंगे।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया है। वहीं पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत बताया। पीयूष गोयल ने कहा कि यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट विश्वास, साझा मूल्यों और टिकाऊ आर्थिक विकास के साझा विजन को दर्शाता है। यह समझौता भारत के लिए ओशिनिया और प्रशांत द्वीपीय बाजारों तक पहुंचने का गेटवे भी बनेगा। सर्विस सेक्टर में भारत ने आईटी, शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत आयुष, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है। इसके तहत हर साल 5,000 भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स न्यूजीलैंड में 3 साल तक काम कर सकेंगे। न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70 प्रतिशत टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवीफ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड को भारत में अपने 54 प्रतिशत से ज्यादा एक्सपोर्ट पर तुरंत शून्य ड्यूटी मिलेगी। इसमें शीप मीट, ऊन, कोयला और फॉरेस्ट्री प्रोडक्ट्स शामिल हैं। सीफूड, आयरन, स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ धीरे-धीरे खत्म होगी। हालांकि, भारत ने अपने घरेलू हितों की रक्षा के लिए डेयरी उत्पादों (दूध, क्रीम, पनीर आदि), प्याज, दालें, चीनी, आर्म्स-अम्युनिशन और कुछ मेटल्स जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को रियायतों की लिस्ट से बाहर रखा है।

शिवाजी महाराज और रामदास स्वामी पर टिप्पणी करने पर धीरेंद्र शास्त्री ने मांगी माफी

शास्त्री ने कहा था- शिवाजी युद्धों से थक गए थे, जिम्मेदारियों को त्यागने जताई थी इच्छा

नागपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली है। रविवार को नागपुर में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूं, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता हूं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा संदर्भ बिल्कुल अलग था। छत्रपति शिवाजी महाराज की संतों और अपने गुरु समर्थ रामदास स्वामी के प्रति गहरी निष्ठा थी। हम एक शिष्य की अपने गुरु के प्रति भक्ति के बारे में बात कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे महाभारत में अर्जुन ने भगवान कृष्ण से कहा कि वह अपने ही लोगों से युद्ध नहीं करेंगे, तब कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। हमारा उद्देश्य केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की महानता को उजागर करना था कि वे संतों के प्रति कितने गहरे रूप से समर्पित थे, लेकिन एक छोटा सा अंश संदर्भ से काटकर फैला दिया गया। बता दें नागपुर में धीरेंद्र शास्त्री ने शिवाजी महाराज को लेकर एक दावा किया था। उन्होंने कहा था कि शिवाजी महाराज युद्धों से थक गए थे।

बालाघाट
मंगलवार 28 अप्रैल 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बारात में फोटोग्राफर युवक पर रिश्तेदारों ने किया हमला - दो युवक पर केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के ग्राम मोरिया में शादी समारोह के दौरान हुए विवाद में एक फोटोग्राफर युवक पर दो रिश्तेदारों ने हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने दोनो आरोपी गौरव सोनेकर और शोभित केकतीकर खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा निवासी अंकित केकतीकर फोटोग्राफी का काम करते हैं। 25 अप्रैल को अंकित अपने बड़े पिता के बेटे रोहित केकतीकर की शादी की बारात में परिवार और रिश्तेदारों के साथ ग्राम मोरिया लामता स्थित मोखेलाल बागरेश के घर आया था रात करीब 12:30 बजे अंकित कार्यक्रम के स्टेज के सामने खड़ा होकर अपने दोस्त आकाश भगत से बात कर रहा था। वह ड्रोन ऑपरेटर को वीडियोग्राफी पूरी होने के बाद साथ चलने के लिए कह रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद रिश्तेदार गौरव सोनेकर ने कहा कि गाड़ी में जगह होती भी तो लेकर नहीं जाएंगे।

इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि गौरव सोनेकर ने अपने साथी शोभित केकतीकर के साथ मिलकर अंकित के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं, प्लास्टिक की कुर्सी उठाकर अंकित के सिर पर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। घायल अंकित को तुरंत लामता के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया। अंकित की रिपोर्ट पर लामता पुलिस ने गौरव सोनेकर निवासी ग्राम गायखुरी, बालाघाट और शोभित केकतीकर निवासी ग्राम गर्रा थाना वारासिवनी के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। दोनों पर अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नपा. परिषद की बैठक में जमकर हंगामा, सत्ता पक्ष के पार्षदों ने ही घेरा अपनों को

विकास कार्यों, बजट की त्रुटियों और लंबित योजनाओं पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अधिकारियों से मांगे जवाब

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज बालाघाट।

बालाघाट नगर पालिका परिषद की विशेष बैठक सोमवार को काफी हंगामेदार रही। खास बात यह रही कि विपक्ष से ज्यादा सत्ता पक्ष के ही कुछ पार्षद अपनी ही नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अधिकारियों पर हमलावर नजर आए। बैठक के दौरान वार्डों में विकास कार्य नहीं होने, शिकायतों पर सुनवाई नहीं किए जाने और कई योजनाओं में लापरवाही को लेकर पार्षदों ने जमकर नाराजगी जाहिर की। करीब दोपहर 1:30 बजे शुरू हुई परिषद की बैठक शाम 6:30 बजे तक चली। इस दौरान सत्ता पक्ष के पार्षद सुधीर चिले, राज हरिनखेड़े और श्वेता जैन ने नगर पालिका प्रशासन को लगातार सवालों के घेरे में रखा। पार्षदों ने वार्डों में लंबित विकास कार्यों, अधूरी परियोजनाओं और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी से जवाब मांगा। बैठक के दौरान वर्ष 2026-27 के बजट पर भी चर्चा हुई। पार्षदों ने बजट में कई त्रुटियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कई बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए विभिन्न विभागों की कमियों को परिषद के सामने रखा। वहीं विपक्षी पार्षद भी पीछे नहीं रहे। वार्ड क्रमांक-2 के पार्षद योगराज लिल्हारे और आशुतोष डहरवाल ने अपने वार्डों के लंबित विकास कार्यों और कर्मचारियों की उदासीनता को लेकर सवाल खड़े किए। बैठक के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस, नोकझोंक और हंगामे की स्थिति बनी रही। हालांकि भारी विवाद और विरोध के बीच परिषद में लाए गए सभी नए प्रस्ताव अंततः पारित कर दिए गए।

नगर पालिका परिषद की बैठक सोमवार 27 अप्रैल को दोपहर 1 बजे आयोजित की गई, हालांकि बैठक निर्धारित समय से करीब आधे घंटे देरी से 1:30 बजे शुरू हो सकी। बैठक की शुरुआत होते ही माहौल गर्म हो गया और इस बार विपक्ष से ज्यादा सत्ता पक्ष के ही पार्षद अपनी ही नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष, सभापतियों और अधिकारियों पर हमलावर नजर आए। करीब पांच घंटे तक चली बैठक में विकास कार्यों की धीमी गति, बजट में कथित गड़बड़ी, वार्डों की अनदेखी, पेयजल संकट, निर्माण कार्यों की लापरवाही और राजस्व संबंधी अनियमितताओं को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बैठक शुरू होते ही भाजपा के वरिष्ठ पार्षद सुधीर चिले ने नगर पालिका द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि पहले 250 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया गया था, जिसकी जानकारी परिषद के कई सदस्यों को नहीं दी गई। जब इस मामले को लेकर सवाल उठाए गए तो अचानक बजट बढ़ाकर 336 करोड़ रुपए कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट से जुड़ी जानकारी न तो पार्षदों को समय पर दी गई और न ही सूचना पटल पर चस्पा की गई, जो नियमों के विरुद्ध है। सुधीर चिले ने अपने वार्ड की पेयजल समस्या, अधूरे निर्माण कार्यों और विकास योजनाओं की धीमी गति को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अध्यक्ष को जमकर घेरा। उनके समर्थन में भाजपा पार्षद सरिता सोनेकर, राज हरिनखेड़े सहित अन्य पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्डों में विकास कार्य नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। बैठक के दौरान पार्षद वंदना बारमाटे ने वार्ड क्रमांक 12 स्थित सिविल लाइन क्षेत्र में खोली गई शराब दुकान का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान खोलने की अनुमति क्यों दी गई। उनका कहना था कि जिस स्थान को पहले दूध डेयरी के नाम पर लिया गया था, वहां अब शराब बेची जा रही है, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद ने भी भारी भरकम बजट पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब नगर पालिका करोड़ों रुपए का बजट पेश कर रही है तो उनके वार्ड को इसका क्या लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में भी बड़े-बड़े बजट पेश किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर विकास कार्य नजर नहीं आए। इस दौरान उनकी उपाध्यक्ष से तीखी बहस भी हुई। कांग्रेस पार्षद योगराज लिल्हारे ने बैठक के दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा कि परिषद में हर पार्षद को अपनी बात रखने का अधिकार है और अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को सभी की समस्याएं गंभीरता से सुननी चाहिए। बैठक में उस समय और ज्यादा असहज स्थिति बन गई जब बजट संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करते समय लेखापाल आरती ठाकुर सही तरीके से जानकारी नहीं दे सकीं। इस पर कई पार्षदों ने सवाल उठाए कि यदि बजट तैयार करने वाले ही आंकड़ों को स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं तो आखिर बजट तैयार किस आधार पर किया गया। पार्षद श्वेता जैन ने मोती गार्डन में संचालित बोटिंग व्यवस्था में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों रुपए खर्च कर खरीदी गई नावों से नगर पालिका को बेहद कम आय हो रही है। उन्होंने दावा किया कि लोगों से बोटिंग शुल्क तो लिया जा रहा है, लेकिन कई मामलों में रसीद नहीं दी जा रही, जिससे राजस्व में गड़बड़ी की आशंका है। मामले की जांच के बाद संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की बात कही गई। कांग्रेस पार्षद आशुतोष ने भी निर्माण कार्यों में लापरवाही और इंजीनियरों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हर बार सिर्फ कार्रवाई का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन धरातल पर कोई बदलाव नहीं दिखता। वहीं भाजपा पार्षद श्वेता जैन और सुधीर चिले ने यह भी आरोप लगाया कि वे लगातार नगर पालिका से विभिन्न जानकारियां मांग रहे हैं, लेकिन अधिकारी उन्हें जानकारी उपलब्ध नहीं करा रहे। उन्होंने इसे पारदर्शिता की कमी बताया। पार्षद सरिता सोनेकर ने अपने वार्ड में विकास कार्य नहीं होने को लेकर उपयंत्री ज्योति मेश्राम और नगर पालिका अध्यक्ष से जवाब मांगा। वहीं कांग्रेस पार्षद योगराज लिल्हारे ने नगर पालिका के इंजीनियरों की तकनीकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई इंजीनियर तकनीकी कार्यों में दक्ष नहीं हैं और डिजाइन व स्वीकृति जैसे कार्य बाहरी लोगों से करवाए जा रहे हैं। करीब शाम 6:30 बजे तक चली इस लंबी बैठक में सड़क, पानी, बिजली, निर्माण कार्य, राजस्व और प्रशासनिक कार्यप्रणाली जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के अंत में नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कार्यप्रणाली में सुधार लाने और पार्षदों की शिकायतों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, लेकिन जिस तरह सत्ता पक्ष के पार्षदों ने खुलकर अपनी ही परिषद के खिलाफ मोर्चा खोला, उसने नगर पालिका की अंदरूनी खींचतान को खुलकर सामने ला दिया।

मोटरसाइकिल रोड पर खड़ी पिकअप के पीछे टकराई मोटरसाइकिल सवार मिस्त्री की मौत

मलाजखंड थाने के मोहगांव परसा टोला रोड पर हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना अंतर्गत मोहगांव से परसा टोला रोड पर ग्राम रहेंगी के पास मोटरसाइकिल रोड पर खड़ी पिकअप के पीछे टकरा गई टकरा गई। इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक दुलीराम पिता भागचंद चौधरी 34 वर्ष ग्राम बाकीगुड्डा खाना मलाजखंड निवासी बताया गया है। 26 अप्रैल की रात 8:00 बजे यह सड़क हादसा उस समय हुआ जब यह व्यक्ति मोटरसाइकिल में सोनगुड्डा से अपने घर आ रहा था। मलाजखंड पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है और पिकअप के चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर को जप्त कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुलीराम चौधरी अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा वह मकान निर्माण में मिस्त्री का भी काम करता था। इन दिनों ग्राम सोनगुड्डा तरफ काम चल रहा था। दुलीराम रोज सुबह मोटरसाइकिल में काम करने जाता था और रात में अपने घर लौटता था। रोज की तरह 26 अप्रैल को सुबह 7 बजे दुलीराम अपनी मोटरसाइकिल में काम करने के लिए सोनगु ते तरफ गया था और वह मोटरसाइकिल में रात्रि 8:00 बजे काम करके घर लौट रहा था। तभी परसाटोला से मोहगांव रोड पर स्थित ग्राम रहेंगी के पास रोड पर खड़ी पिकअप के पीछे मोटरसाइकिल टकरा गई। इस सड़क हादसे में दुलीराम गंभीर रूप से घायल हो गया और उसको मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 से गंभीर रूप से घायल दुलीराम को बिरसा के अस्पताल लाया गया किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिये। दुलीराम मौके से बिरसा अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। इस घटना की सूचना मिलते ही उसके परिवार के लोग भी बिरसा अस्पताल पहुंच चुके थे। रात्रि में दुलीराम का शव बिरसा के विच्छेदनगृह में सुरक्षित रखवा दिया गया। 27 अप्रैल को सुबह मलाजखंड पुलिस थाने के सहायक उपरीक्षक कलीराम उइके ने मृतक दुलीराम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। यह सड़क दुर्घटना पिकअप चालक के द्वारा पिकअप को लापरवाही पूर्वक बिना किसी संकेत के रोड पर खड़ा कर देने से हुई। इस मामले में पिकअप क्रमांक एमपी 51एल यू-0395 के चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और मोटर व्हीकल एक्ट कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर पिकअप को जप्त कर लिया गया है। दुलीराम अपने पीछे माता-पिता, भाई, पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। बच्चों में दो बेटियां और एक बेटा है। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर थी और अब कमाने वाले सदस्य की मौत से परिवार पर संकट गहरा गया है। पुलिस का मानना है कि पिकअप चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ। अगर वाहन सड़क किनारे संकेतक लगाकर खड़ा किया जाता तो शायद दुलीराम की जान बच सकती थी।

न्यायालय का फैसला मारपीट के मामले में आरोपी को 2 वर्ष की सजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री अविनाश छारी ने एक मारपीट के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। यह फैसला न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 1140/2019, थाना भरवेली के अपराध क्रमांक 335/2019 में सुनाया गया।

न्यायालय ने आरोपी पंकज चौधरी पिता मुरारी चौधरी वार्ड नंबर 4 ग्राम मंडारा थाना भरवेली निवासी को भारतीय दंड संहिता की धारा 325 के तहत दोषी पाते हुए 2 वर्ष के साधारण कारावास तथा 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

अभियोजन के अनुसार यह घटना 10 दिसंबर 2019 की सुबह करीब 8 बजे की है। फरियादी का बेटा दिनेश अपने घर के पीछे खेत (खलिहान) में धान गहाई का काम कर रहा था। उसी दौरान पड़ोसी मुरारी चौधरी अपने घर के पीछे बाड़ी में पैरा रख रहा था।

दिनेश ने मुरारी से कहा कि उसके घर मेहमान आने वाले हैं और उसे दीवार पर प्लास्टर करवाना है इसलिए वहां पैरा न रखें। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

विवाद बढ़ने पर मुरारी चौधरी ने दिनेश को गालियां दीं। जब दिनेश ने विरोध किया तो मुरारी ने लकड़ी से उसके बाएं पैर की जांघ पर वार कर दिया। इसके बाद मुरारी के बेटे पंकज चौधरी और गौरव चौधरी भी वहां पहुंचे। पंकज ने लोहे की रॉड से दिनेश पर हमला किया, जबकि गौरव ने भी लकड़ी से मारपीट की। हमले में दिनेश गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना के बाद थाना भरवेली में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी पंकज चौधरी को दोषी ठहराते हुए उपरोक्त सजा सुनाई। यह फैसला दर्शाता है कि हिंसात्मक विवादों में कानून सख्ती से कार्रवाई करता है और दोषियों को दंडित करता है।

इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती रीता यादव द्वारा की गई, जो सहायक संचालक (अभियोजन) श्री कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेंडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

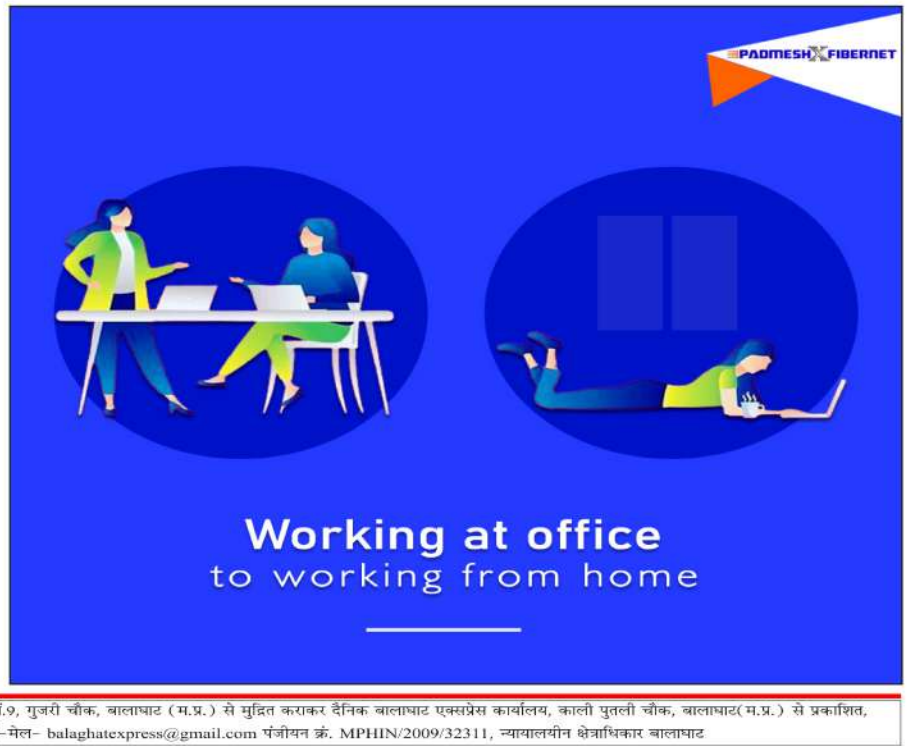

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट